कोचिंग सेंटर के प्रसार, इससे पैदा सामाजिक मुद्दों की समीक्षा करेगी संसदीय समिति-12

केंद्रीय उद्योग मंत्री गोयल ने कहा-भारत-कनाडा एफटीए वार्ता फिर करेंगे शुरू-12

निहित स्वार्थों के लिए आपराधिक न्याय तंत्र के दुरुपयोग की निंदा होनी चाहिए-13

दूसरे टेस्ट में भी हालत पतली, बल्लेबाजों की गैर जिम्मेदारी से 201 पर सिमटा भारत-14

6th वार्षिकोत्सव विशेषांक
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| हल्द्वानी |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष पंचमी 10:57 उपरांत षष्ठी विक्रम संवत 2082

मंगलवार, 25 नवंबर 2025, वर्ष 5, अंक 275, पृष्ठ 16 ■ मूल्य 6 रुपये

स्टेट ब्रीफ

धामी ने धर्मेंद्र के निधन पर शोक जताया

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामीन ने बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र के निधन पर शोक व्यक्त किया है। सीएम ने शोक संदेश में लिखा कि बॉलीवुड अभिनेता धर्मेन्द्र का निधन भारत की फिल्म जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उनकी मुस्कान और उनकी अदाकारी और किरदार हमेशा हम सभी को याद रहेगा। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना करते हुए कहा कि दिवंगत आत्मा को श्री चरणों में स्थान एवं शोकाकुल परिजनों व उनके असंख्य प्रशंसकों को यह असीम दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

उत्तरकाशी में भालू हुआ आदमखोर

उत्तरकाशी : भटवाड़ी ब्लॉक में भालू का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। नटिन ग्राम के पलारी तोक में घात लगाए भालू ने महिला पर हमला कर दिया जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गयी। स्थानीय ग्रामीणों की तत्परता से घायल महिला भरत देवी पत्नी राजेंद्र सिंह को स्वास्थ्य केंद्र भटवाड़ी पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। वहीं, ग्राम क्यार्क के कैफरा तोक में भालू ने एक छान की छत तोड़कर भीतर बंधी गाय पर हमला कर उसे मौके पर ही मार डाला, जबकि एक बैल को भी बुरी तरह जख्मी कर दिया। लगातार हो रहे हमलों से क्षेत्र में दहशत फैल गई है। ग्रामीणों ने भालू को पकड़ने की मांग की है।

140 किलो प्रतिबंधित मांस बरामद

हरिद्वार : मंगलौर के बिझौली क्षेत्र में गोकशी की सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुये पुलिस ने 140 किलो प्रतिबंधित मांस, गोकशी के उपकरण और दो जीवित बैल बरामद करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने सोमवार को बताया कि, बरामदगी के आधार पर कोतवाली मंगलौर ने उत्तराखंड गोवंश संरक्षण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर आरोपियों को न्यायालय में पेश किया। आरोपियों की पहचान इरफान पुत्र जिम्मू और शहजाद उर्फ़ कल्लू पुत्र तहसीन, निवासी ग्राम बिझौली, मंगलौर के रूप मे हुई है।

आरटीओ ने किया औचक निरीक्षण

हरिद्वार : उप-संभागीय परिवहन कार्यालय में सोमवार को संभागीय परिवहन अधिकारी संदीप सैनी ने औचक निरीक्षण कर विभिन्न शाखाओं एवं अभिलेखों की विस्तृत समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली, कैश रजिस्टर, सेवा का अधिकार रजिस्टर और सी.एल. रजिस्टर की जांच करते हुए सभी कर्मचारियों को समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

प्रगति रिपोर्ट सौंपें नहीं तो हाईकोर्ट में पेश हों

सूखाताल झील के सौन्दर्यीकरण मामले में हुई सुनवाई, सचिव व अध्यक्ष डीडीए हाईकोर्ट में 1 दिसंबर को तलब

विधि संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: हाईकोर्ट ने सूखाताल झील के सौन्दर्यीकरण के मामले में जिलास्तरीय विकास प्राधिकरण को एक सप्ताह में प्रगति रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए हैं अन्यथा शहरी विकास विभाग के सचिव और अध्यक्ष जिला स्तरीय विकास प्राधिकरण को सुनवाई की अगली तिथि एक दिसंबर को न्यायालय के समक्ष उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं।

स्वतः संज्ञान वाली इस जनहित याचिका पर मुख्य न्यायाधीश जी. नरेंद्र और न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ में सुनवाई हुई। न्यायमित्र अधिवक्ता डॉ. कार्तिकेय हरि गुप्ता ने न्यायालय को बताया कि जुलाई, 2024 में न्यायालय ने सौन्दर्यीकरण कार्य पर लगी रोक को हटा लिया था और डीडीए को तीन महीने के भीतर सभी सौंदर्यीकरण कार्य पूरा करने का निर्देश दिए थे। विगत सात नवम्बर को पुनः सुनवाई करते हुए न्यायालय ने डीडीए को एक सप्ताह के भीतर सौन्दर्यीकरण के सम्बन्ध में स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने के निर्देश दिये थे लेकिन रिपोर्ट आज तक दाखिल नहीं की गई है। न्यायमित्र गुप्ता ने बताया कि अदालत ने प्रतिवादियों को प्रगति रिपोर्ट दाखिल करने के लिए एक सप्ताह का समय दिया है और अन्यथा की स्थिति में सचिव, शहरी विकास विभाग और अध्यक्ष, जिला स्तरीय विकास प्राधिकरण को अगली तिथि यानी एक दिसंबर को न्यायालय के समक्ष उपस्थित होने को कहा है।

फॉरेस्ट फायर पर शुक्रवार को सुनवाई

नैनीताल : हाइकोर्ट ने फायर सीजन में प्रदेश के जंगलों में लगने वाली आग पर स्वत: संज्ञान लिए जाने वाली जनहित याचिका सहित कई अन्य जनहित याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई की। मामले की सुनवाई करने के बाद मुख्य न्यायाधीश जी. नरेंद्र एवं न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ ने पर्यावरणविद प्रोफेसर अजय रावत से कहा है कि वे कोर्ट का मार्गशन करने और वनों मे लगने वाली आग से इन्हें बचाने के लिए अपने सुझाव वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आगामी शुक्रवार को पेश करें। सुनवाई में न्यायमित्र मैनाली की तरफ से कोर्ट को अवगत कराया गया कि कोर्ट वर्ष 2021 से राज्य सरकार को वनों को आग से बचाने के लिए दिशा निर्देश जारी करती आ रही रही है लेकिन अभी तक धरातल पर कुछ भी नहीं हुआ है।

भाजपा नेता की याचिका खारिज

नैनीताल : रामनगर के भाजपा नेता मदन जोशी व अन्य के खिलाफ मामले में हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की खंडपीठ ने सोमवार को मदन जोशी की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए याचिका को खारिज कर दिया। खंडपीठ ने मामले की सुनवाई के बाद एसएसपी नैनीताल को आठ दिसंबर को कोर्ट में पेश होने को कहा है। सुनवाई पर अन्य आरोपियों की तरफ से न्यायालय के समक्ष सरेंडर करने की बात कहते हुए याचिकाओं को वापस लिया गया। हाईकोर्ट ने रामनगर पुलिस को निर्देश दिया है कि किसी भी प्रकार के राजनीतिक दबाव में न आकर कानून और सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन के हिसाब से इस मामले में कड़ी कार्रवाई करे।

वाहन पार्किंग को धरने पर बैठे अधिवक्ता बिष्ट

विधि संवाददाता, नैनीताल

धरने पर बैठे अधिवक्ता रवीन्द्र सिंह बिष्ट।

अमृत विचार: हाईकोर्ट परिसर में दोपहिया वाहन पार्किंग न होने से अधिवक्ताओं और अधिवक्ता क्लर्कों की परेशानी से क्षुब्ध होकर अधिवक्ता रवीन्द्र सिंह बिष्ट सोमवार को हाईकोर्ट बार सभागार के गेट पर धरने में बैठ गए।

बताया गया कि अधिवक्ता रवीन्द्र सिंह बिष्ट ने हाईकोर्ट बार कार्यकारिणी को पत्र लिखकर स्पष्ट किया था कि अधिवक्ताओं, अधिवक्ता क्लर्कों और वादकारियों की सुविधा हेतु पार्किंग की समस्या का तत्काल समाधान आवश्यक है। उन्होंने आशा जताई थी कि बार कार्यकारिणी अध्यक्ष और महासचिव के नेतृत्व में प्रशासन से प्रभावी बातचीत कर समाधान निकाला जाएगा लेकिन अपेक्षित कार्रवाई न होने पर सोमवार सुबह अधिवक्ता बिष्ट ने प्रशासनिक उदासीनता का विरोध करते हुए शांतिपूर्वक धरना शुरू कर दिया। उनके धरना प्रदर्शन के समर्थन में बड़ी संख्या में अधिवक्ता, अधिवक्ता क्लर्क व अन्य लोग इकट्ठा हो गए जिसके बाद मौके पर पुलिस कर्मी भी पहुंच गए। पुलिस अधिकारियों ने दुपहिया वाहनों की पार्किंग का जल्दी समाधान का आश्वासन दिया जिसके बाद अधिवक्ता रविन्द्र बिष्ट ने धरना स्थगित कर दिया।

महिला हॉकी में राधे हरि काशीपुर ने मारी बाजी

महिला हॉकी प्रतियोगिता में हल्द्वानी और नैनीताल के बीच मैच का दृश्य। ● अमृत विचार

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : कुमाऊं विश्वविद्यालय अंतरमहाविद्यालयी महिला हॉकी प्रतियोगिता का शुभारंभ गौलापार स्टेडियम में सोमवार को हुआ। प्रतियोगिता का पहला मैच एमबीपीजी कॉलेज और डीएसबी कैंपस के बीच खेला गया। एमबीपीजी कॉलेज ने शानदार प्रदर्शन के साथ 5-0 से मैच जीता।

दूसरा मैच एमबीपीजी कॉलेज और राधे हरि राजकीय महाविद्यालय काशीपुर के बीच हुआ, जिसमें राधेहरि कॉलेज अपने खिलाड़ियों के शानदार खेल की बदौलत 5-1 से विजेता बना, जबकि एमबीपीजी कॉलेज उपविजेता रहा। इससे पहले कुमाऊं विवि की ओर से आयोजित हॉकी प्रतियोगिता का शुभारंभ सहायक खेल निदेशक कुमाऊं रशिका सिद्दीकी ने किया। निर्णायक के रूप में गोविंद लटवाल, सुनील, महिमा भंडारी, अनीता, नीलेश गुप्ता मौजूद रहे। इस दौरान कॉलेज के प्राचार्य डॉ. एनएस बनकोटी, पूर्व स्पोर्ट्स ऑफिसर डॉ. नागेंद्र शर्मा, स्पोर्ट्स ऑफिसर डॉ. संतोष कुमार, डॉ. सुरेंद्र कुमार, पूर्व उपनिदेशक सुरेश चंद्र पांडे, प्रशासनिक अधिकारी सुरेंद्र सिंह रौतेला, हितेश मेहता, देवेंद्र सिंह, नवीन चंद्र, जीवन चंद्र आदि मौजूद रहे।

कढ़ाई भोग लगा, 12 क्विंटल फूलों से सजा मंदिर

- तैयारियों का निरीक्षण, आज बंद होंगे भगवान बद्रीनाथ धाम के कपाट

संवाददाता, देहरादून

श्री बद्रीनाथ कपाट बंद होने की तैयारियों की चर्चा करते बीकेटीसी अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी।

अमृत विचारः भगवान बद्रीनाथ धाम के कपाट शीतकाल के लिए आज दोपहर 2:56 बजे बंद हो जाएंगे। श्री बदरीनाथ धाम के कपाट बंद होने की प्रक्रिया के अंतर्गत पंच पूजाएं 21 नवंबर से प्रारंभ हो गई थी। परंपरा के अनुसार सोमवार को चौथे दिन माता लक्ष्मी मंदिर में कढ़ाई भोग लगाया गया तथा माता को श्री बदरीनाथ मंदिर में आने का आमंत्रण दिया गया।

श्री बदरीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने सोमवार को बदरीनाथ धाम पहुंचकर श्री बदरीनाथ धाम के कपाट बंद होने की तैयारियों का जायजा लिया तथा अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि श्री बदरीनाथ धाम के कपाट बंद करने हेतु बीकेटीसी की ओर तैयारियां अंतिम चरण में हैं तथा मंदिर को 12 क्विंटल फूलों से सजाया जा रहा है। कपाट बंद होने के अवसर पर विशिष्ट अतिथियों का आगमन लागातार जारी है।

सोमवार को माता लक्ष्मी मंदिर में पूजा-अर्चना तथा आमंत्रण कार्यक्रम में रावल अमरनाथ नंबूदरी सहित माता लक्ष्मी मंदिर पुजारीगण, धर्माधिकारी राधाकृष्ण थपलियाल, प्रभारी धर्माधिकारी स्वयंबर सेमवाल, वेदपाठी रविंद्र भट्ट एवं अमित बंदोलिया ने पूजा-अर्चना संपन्न की। इस अवसर पर बीकेटीसी उपाध्यक्ष ऋषि प्रसाद सती, उपाध्यक्ष विजय कप्रवाण कार्याधिकारी/ कार्यपालक मजिस्ट्रेट विजय प्रसाद थपलियाल सहित बीकेटीसी सदस्य महेंद्र शर्मा, देवीप्रसाद देवली, धीरज मोनू पंचभैया, प्रह्लाद पुष्पवान, दिनेश डोभाल, राजेंद्र प्रसाद डिमरी, नीलम पुरी, डिमरी धार्मिक केंद्रीय पंचायत अध्यक्ष आशुतोष डिमरी, मंदिर अधिकारी राजेंद्र चौहान, प्रशासनिक अधिकारी कुलदीप भट्ट, विकास सनवाल, मीडिया प्रभारी डॉ. हरीश गौड़ मौजूद रहे।

राज्य स्तरीय समिति के समक्ष पक्ष रखेगी वनाधिकार समिति

संवाददाता, लालकुआं

वनाधिकार समिति बिंदुखत्ता की बैठक में मौजूद ग्रामीण। ● अमृत विचार

अमृत विचारः वनाधिकार समिति बिंदुखत्ता की बैठक में उत्तराखंड शासन एवं जिलाधिकारी नैनीताल पर नियम विरुद्ध कार्य करने का आरोप लगाते हुए राज्य स्तरीय वनाधिकार समिति के समक्ष समिति का पक्ष रखने का निर्णय लिया गया है।चाय पर चर्चा के दौरान बिंदुखत्ता के इंदिरा नगर में आयोजित वनाधिकार समिति की बैठक में समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि वनाधिकार समिति द्वारा प्रेषित संयुक्त दावों की फाइल को पहले खंड स्तरीय समिति के बाद जिला स्तरीय समिति द्वारा शासन को प्रस्ताव प्रेषित किया था, परंतु 16 माह तक उक्त फाइल को शासन स्तर पर लटकाने के बाद उसे पुनः जिला स्तरीय समिति को भेज दिया गया।

इधर जिलाधिकारी द्वारा उक्त फाइल में कई आपत्तियां लगाकर उसे खंड स्तरीय समिति को वापस भेज दिया, जिससे बिंदुखत्ता वासी स्वयं को ठगा सा महसूस कर रहे हैं। बैठक में बना अधिकार समिति के पदाधिकारियों ने शासन और जिला स्तरीय समिति में जिलाधिकारी द्वारा नियम विरुद्ध कार्य करने का आरोप लगाते हुए कहा कि जिलाधिकारी द्वारा उक्त पत्रावली में लगाई गई आपत्तियों पर वनाधिकार समिति ने शासन में अपना पक्ष रखने के लिए राज्य स्तरीय निगरानी समिति को पत्र भेजेगी। अध्यक्षता भगवान धामी व संचालन दीपक जोशी ने किया। यहां सचिव भुवन भट्ट आदि रहे।

कोटाबाग में चौपाल लगाकर समस्याएं सुनते एसडीम बिपिन चंद्र पंत। ● अमृत विचार

निर्विवाद उत्तराधिकार के 10 मामले निस्तारित

कोटाबाग, अमृत विचार : उपजिलाधिकारी बिपिन चंद्र पंत ने कोटाबाग क्षेत्र में दो चौपाल आयोजित कर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और कई मामलों का मौके पर ही समाधान किया। सोमवार को ग्राम मूसाबंगर और चांदपुर में आयोजित चौपाल में एसडीएम बिपिन चंद्र पंत ने ग्रामीणों को निर्विवाद उत्तराधिकार से संबंधित प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेज, सत्यापन प्रणाली और निस्तारण की समय-सीमा के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आमजन को सरल, शीघ्र और न्यायसंगत समाधान उपलब्ध कराना प्रशासन की शीर्ष प्राथमिकता है। एसडीएम ने लेखपालों को निर्देशित किया कि सभी उत्तराधिकार प्रकरणों की समयबद्ध एवं तथ्यपरक रिपोर्ट प्रस्तुत करें, अनावश्यक विलंब न होने दें तथा परिवार की सहमति और स्थलीय स्थिति का जिम्मेदारीपूर्वक सत्यापन सुनिश्चित करें। मौके पर निर्विवाद उत्तराधिकार के 10 मामलों का निस्तारण करते हुए प-क 11(क) भरने के निर्देश जारी किए।

चौपाल में 31 मामलों का किया निस्तारण

संवाददाता, लालकुआं

लालकुआं में आयोजित चौपाल में विरासतन मामलों का निस्तारण करते राजस्व अधिकारी। ● अमृत विचार

अमृत विचारः राजस्व विभाग के अधिकारियों ने 19 ग्राम सभाओं में चौपाल लगाकर लालकुआं तहसील के अंतर्गत लंबित विरासतन प्रकरणों के 31 मामलों का निस्तारण किया।

तहसील लालकुआं क्षेत्रान्तर्गत विरासतन के प्रकरणों के निस्तारण शिविरों का आयोजन विभिन्न ग्राम सभाओं में चौपाल लगाकर किया गया। तहसील के राजस्व निरीक्षक मनोज कुमार, राजस्व उपनिरीक्षक वीरेंद्र चंद, आरिफ हुसैन, रंजना प्रजापति ने ग्राम फत्ताबंगर में 1, हिम्मतपुर मोटाहल्दू में 1, हल्दूचौड़ दौलिया में 1, दुम्काबंगर बच्चीधर्मा में 2, हरिपुर बच्ची में 1, पाडलीपुर में 1, दुम्काबंगर उमापति में 1, धनपुर में 3, हरिपुर लच्छी में 1, हल्दूचौड़ जयराम में 1, जयपुर वीसा में 1, तुलारामपुर में 2, हल्दूचौड़ जग्गी में 3, किशनानवाड़ में 4, जयपुर खीमा में 1, हरिपुर भानदेव में 2, दुर्गापालपुर परमा में 2, सूपी भगवानपुर में 2 एवं पदमपुर देवलिया में 1 इस प्रकार उपरोक्त 19 राजस्व ग्रामों में कुल 31 प्रकरणों का निस्तारण किया गया। इस मौके पर सभी ग्रामों के ग्राम प्रधान एवं अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।कोटाबाग में एसडीएम चौपाल लगाकर राजस्व लंबित मामलों का किया समाधान

यूनिवर्सल कप वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आगाज

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचारः यूनिवर्सल कॉन्वेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित तीन दिवसीय 15वीं यूनिवर्सल कप अंतर विद्यालयी वॉलीबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ सोमवार को हुआ। हल्द्वानी, भीमताल और रामनगर क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों की कुल 89 टीमें इस प्रतियोगिता में प्रतिभाग कर रही हैं। पहले दिन खेले गए 32 मुकाबलों में बालक व बालिका वर्ग की कई टीमों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत अपने नाम की।

बालक वर्ग में यूनिवर्सल स्कूल हल्द्वानी, दून स्कॉलर्स, सेंट थेरेसा, सरस्वती एकेडमी, यूनिवर्सल स्कूल कालाढूंगी, सिद्धार्थ पब्लिक स्कूल, केवीएम, जेडीएम, सेंट लॉरेंस, एबीएम स्कूल, एपीएस, इंस्पिरेशन स्कूल, एसकेएम, पीएसएन स्कूल, निमोनिक स्कूल, हिमालया विद्या मंदिर, शिवालिक स्कूल, एसेंट स्कूल, शेमफोर्ड स्कूल, केवी हल्द्वानी, बीएलएम एकेडमी और एवरग्रीन स्कूल की टीमों ने जीत दर्ज कर अगले दौर में प्रवेश किया। वहीं बालिका वर्ग में यूनिवर्सल स्कूल हल्द्वानी, शेमफोर्ड स्कूल, गुरुकुल इंटरनेशनल, नैनी वैली, केवी हल्द्वानी, यूनिवर्सल स्कूल कालाढूंगी, दून पब्लिक स्कूल, डीपीएस हल्द्वानी और सेंट थेरेसा स्कूल ने अपने मैच जीतकर अगले राउंड में जगह सुनिश्चित की।

भीमताल और धारी में होंगी शैक्षिक संगोष्ठी

संवाददाता, हल्द्वानी

- अनुसूचित जाति जनजाति शिक्षक एसोसिएशन ने की बैठक
- शिक्षा की गुणवत्ता सुधार के प्रयासों पर हुई चर्चा

अमृत विचारः अनुसूचित जाति जनजाति शिक्षक एसोसिएशन ने सोमवार को शहर में बैठक आयोजित की। बैठक में ब्लॉक स्तर पर शैक्षिक संगोष्ठियों के सफल आयोजन और शिक्षा की गुणवत्ता सुधार के प्रयासों पर चर्चा हुई।

जिलाध्यक्ष वीरेंद्र टम्टा ने बताया कि मंगलवार को ब्लॉक भीमताल व धारी के सभी एससी-एसटी शिक्षक सदस्यों के लिए एक दिवसीय शैक्षिक उन्नयन संगोष्ठी ब्लॉक कार्यालय भीमताल में आयोजित की जाएगी। इस संगोष्ठी में शिक्षा की बेहतरी के लिए किए जाने वाले प्रयासों पर विशेष जोर दिया जाएगा। इसके साथ ही भीमताल और धारी विकास खंडों की ब्लॉक कार्यकारिणी का निर्वाचन भी संपन्न होगा। जिला उपाध्यक्ष विजय कुमार ने सभी शिक्षकों से अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता की अपील की। बैठक में कोषाध्यक्ष गिरीश चंद्र बेरी, संरक्षक हरिश्चंद्र, जिला मीडिया प्रभारी दुर्गा प्रसाद, ओखल कांडा ब्लॉक अध्यक्ष इंद्र कुमार, धारी ब्लॉक अध्यक्ष रवि शंकर, विपिन चंद्र और अजय कुमार सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

राहत की बात

कार्य के लिए टेंडर हुए जारी, लिफ्ट ठीक होने से मरीजों और तीमारदारों को होगी सुविधा

हल्द्वानी बेस अस्पताल में लिफ्ट ठीक करने का काम शीघ्र होगा शुरू

संवददता, हल्द्वानी

हल्द्वानी बेस अस्पताल में जुटी मरीजों की भीड़। ● अमृत विचार

अमृत विचारः सोबन सिंह जीना बेस अस्पताल में सालों से खराब पड़ी लिफ्ट को ठीक करने का काम जल्द शुरू हो जाएगा। इसके लिए टेंडर जारी कर दिए गए हैं। सब कुछ ठीक रहा तो शीघ्र ही मरीजों को लिफ्ट सुविधा मिल जाएगी।

अस्पताल में डायलिसिस सेंटर तक जाने के लिए लिफ्ट की व्यवस्था की गई थी लेकिन यह लिफ्ट सालों से खराब पड़ी है। इस वजह से मरीजों को सीढ़ियों से डायलिसिस सेंटर तक जाना पड़ता है। इस मामले में जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने संज्ञान लिया था। अब हरिद्वार की एक कंपनी को इसका ठेका दिया गया है। इसके साथ ही लिफ्ट को ठीक किए जाने के बाद एक साल तक इसकी मेंटनेंस का जिम्मा भी कंपनी के पास रहेगा। उल्लेखनीय है कि अस्पताल के केवल एक ही लिफ्ट है जो सालों से खराब पड़ी है। कोरोना काल के दौरान भी इसे ठीक नहीं किया गया था। हड्डी रोग विभाग के मरीजों के लिए रैंप की व्यवस्था कर दी गई है इससे पहले उन्हें भी सीढ़ियों से जाना पड़ता था। अब लिफ्ट को भी ठीक किया जा रहा है। पीएमएस डॉ. केएस दत्ताल ने बताया कि कंपनी शीघ्र ही काम शुरू कर देगी।

सीटी स्कैन मशीन अभी भी खराबः बेस अस्पताल में सीटी स्कैन मशीन अभी भी खराब है। इस मशीन को खराब हुए एक साल से ज्यादा का समय हो गया है। नैनीताल रोड को चौड़ा करने के दौरान इस पुरानी मशीन को दूसरी जगह रखा गया था। उसके बाद जब इसे दोबारा इंस्टॉल किया गया तो मशीन ने काम ही करना बंद कर दिया। पहले एक दिन में यहां पर पांच से सात मरीजों के सीटी स्कैन हो जाते थे और साथ ही एसटीएच के बाद बेस अस्पताल की दूसरा सरकारी अस्पताल है जहां सिटी स्कैन मशीन है। अगर यह मशीन ठीक हो जाए तो मरीजों को काफी लाभ होगा। निजी अस्पतालों में सीटी स्कैन कराना महंगा पड़ता है। निजी अस्पताल में इस जांच की कीमत 2000 से शुरू होती है।

पार्किंग की समस्या बरकरार

हल्द्वानी : बेस अस्पताल में बाइक और कारों के पार्किंग की समस्या बरकरार है। अस्पताल में मरीजों की सख्या बढ़ रही है लेकिन पार्किंग की समस्या है। खासतौर से सुबह ओपीडी के समय मरीजों और तीमारदारों की समस्या बढ़ जाती है। अस्पताल में पार्किंग की समस्या बन जाती है। मजबूरी में मरीजों और तीमारदारों को अस्पताल के बाहर वाहनों को खड़ा करना पड़ता है क्योंकि अस्पताल में स्टाफ के वाहनों को भी पार्क करना होता है। इस मामले में कई सामाजिक संगठन ज्ञापन भी दे चुके हैं लेकिन फिर भी कोई लाभ नहीं हुआ है। अस्पताल से जानकारी मिली कि अस्पताल के पास सीमित जमीन है लेकिन विगत कुछ सालों में यहां लगातार निर्माण हो रहा है। ऐसे में अब अस्पताल में जो रास्ते हैं, उन्हीं को पार्किंग के तौर पर इस्तेमाल करना पड़ रहा है।

■ कोचिंग सेंटर के प्रसार, इससे पैदा सामाजिक मुद्दों की समीक्षा करेगी संसदीय समिति-12

■ केंद्रीय उद्योग मंत्री गोयल ने कहा- भारत-कनाडा एफटीए वार्ता फिर करेंगे शुरू-12

■ निहित स्वार्थों के लिए आपराधिक न्याय तंत्र के दुरुपयोग की निंदा होनी चाहिए-13

■ दूसरे टेस्ट में भी हालत पतली, बल्लेबाजों की गैर जिम्मेदारी से 201 पर सिमटा भारत-14

6th वार्षिकोत्सव विशेषांक

मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| हल्द्वानी |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

■ लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष पंचमी 10:57 उपरांत षष्ठी विक्रम संवत 2082

मंगलवार, 25 नवंबर 2025, वर्ष 5, अंक 275, पृष्ठ 16 ■ मूल्य 6 रुपये

अलविदा ही मैन..

धर्मेंद्र ने वर्ष 1958 में निर्माता-निर्देशक अर्जुन हिंगोरानी की फिल्म ''दिल भी तेरा हम भी तेरे'' से बतौर अभिनेता बॉलीवुड में एंट्री ली, इसके बाद करीब 65 साल तक फिल्मी दुनिया की अहम शख्सियत बने रहे। इस बीच उन्होंने 300 से भी ज्यादा फिल्मों में काम किया। 1966 में फिल्म फूल और पत्थर की सफलता ने उन्हें ही मैन की पहचान दी। इस फिल्म में दमदार अभिनय के कारण वह फिल्मफेयर के सर्वश्रेष्ठ अभिनेता पुरस्कार के लिए भी नामांकित किए गए। वर्ष 1997 में फिल्मफेयर के लाइफटाइम एचीवमेंट अवार्ड से उन्हें सम्मानित किया गया। अपने शानदार व्यक्तित्व के कारण उन्हें बॉलीवुड का 'ग्रीक गॉड' उपनाम भी मिला। अमेरिका की प्रसिद्ध टाइम मैगजीन का विश्व के दस सुंदर व्यक्तियों में उन्हें प्रथम स्थान देकर उनके चित्र को मुखपृष्ठ पर प्रकाशित किया गया था।

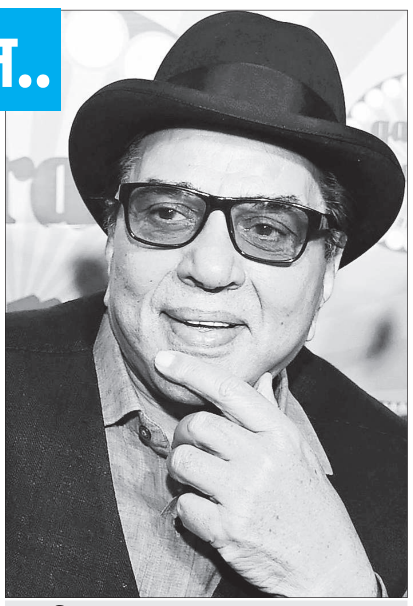

08 दिसंबर 1935 ...24 नवंबर 2025

बॉलीवुड के एक और सबसे चमकते सितारे का अवसान

धर्मेंद्र ने दुनिया छोड़ी... अब दिलों में रहेंगे

मुंबई, एजेंसी

बॉलीवुड के एक और सबसे चमकदार सितारे का अवसान हो गया। ही मैन के नाम से मशहूर और सिने प्रेमियों के चहेते धर्मेंद्र का सोमवार सुबह निधन हो गया। उन्होंने अपने आवास पर 89 की उम्र में अंतिम सांस ली। दोपहर के वक्त विले पार्ले स्थित पवन हंस श्मशान भूमि में उनका अंतिम संस्कार किया गया। बड़े बेटे और अभिनेता सनी देओल ने उन्हें मुखाग्नि दी। बॉलीवुड की कई हस्तियां उन्हें अंतिम विदाई देने पहुंचीं।

धर्मेंद्र पिछले कुछ वक्त से बीमार थे और मुंबई के एक अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। परिवार ने इस महीने की शुरुआत में घर पर ही उनका इलाज जारी रखने का निर्णय लिया था। वह आठ दिसंबर को 90 वर्ष के हो जाते, लेकिन सोमवार सुबह उनका निधन हो गया। उनका फिल्मी करियर 65 वर्षों का रहा। इस बीच उन्होंने करीब 300 फिल्मों में काम किया जिनमें सत्यकाम और शोले जैसी तमाम यादगार फिल्में भी शामिल हैं।

विले पार्ले में पवन हंस श्मशान भूमि में उनके अंतिम संस्कार के दौरान उनके प्रशंसकों की भीड़ उमड़ पड़ी। उनकी पत्नी और जानीमानी अभिनेत्री हेमा मालिनी, बेटी इशा देओल और परिवार के अन्य सदस्य भी श्मशान स्थल पर पहुंचे थे। उनके दोस्त महानायक अमिताभ बच्चन के साथ फिल्म जगत की कई हस्तियां पहुंची। इनमें शबाना आजमी, गोविंदा, आमिर खान, अभिषेक बच्चन, सलमान खान, अक्षय कुमार, संजय दत्त,रणवीर सिंह ,दीपिका पादुकोण तथा जायद खान शामिल थे।

सुपर स्टार की दौड़ से दूर... पर किसी से कम नहीं

पंजाब में 1935 में जन्मे धर्मेंद्र का असली नाम धरम सिंह देओल था। अपने करियर में उन्होंने शोले, चुपके-चुपके, सत्यकाम, अनुपमा, सीता और गीता जैसी कई एक्शन, रोमांस और हास्य के साथ कई संजीदा फिल्में दीं जो सुपर हिट थीं। वह कभी भी सुपर स्टार की दौड़ में शामिल नहीं हुए लेकिन उनकी भूमिका को कभी कम भी नहीं आंका गया। धर्मेन्द्र करियर के शुरुआत में ड्रिलिंग फर्म में पार्ट-टाइम नौकरी करते थे, जहां उन्हें 200 रुपये मिलते थे। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि मुंबई में शुरुआती समय में उनके पास रहने के लिए कोई जगह नहीं थी। वह एक गैराज में सोते थे।

अभिनेता एवं पूर्व सांसद धर्मेंद्र जी का निधन भारतीय सिनेमा के लिए बड़ी क्षति है। सबसे लोकप्रिय अभिनेताओं में से एक, भारतीय सिनेमा की एक महान हस्ती के रूप में वह ऐसी विरासत छोड़ गए हैं जो कलाकारों की युवा पीढ़ी को हमेशा प्रेरित करती रहेगी। उनके परिवार, दोस्तों और प्रशंसकों के प्रति हार्दिक संवेदना। - **द्रौपदी मुर्मू, राष्ट्रपति**

धर्मेंद्र जी का निधन भारतीय सिनेमा के एक युग का अंत है। जिस तरह उन्होंने विविध भूमिकाएं निभाईं, उसने अनगिनत लोगों को प्रभावित किया। धर्मेंद्र जी अपनी सादगी, विनम्रता और गर्मजोशी के लिए प्रशंसित थे। इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार, दोस्तों और असंख्य प्रशंसकों के साथ हैं। ओम शांति। - **नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री**

न्यूज ब्रीफ

दिल्ली एयरपोर्ट पर बचा बड़ा हादसा, गलत रनवे पर उतरा विमान

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर रविवार को उस समय एक बड़ा हादसा टल गया, जब काबुल से आ रहा एरियाना अफगान एयरलाइन का एक विमान गलती से उस रनवे पर उतर गया, जहां से एक दूसरा विमान उड़ान भर रहा था। डीजीसीए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि नियामक ने इस घटना की जांच शुरू कर दी है। उन्होंने बताया कि एरियाना अफगान एयरलाइन के ए- 310 विमान को रनवे 29-एल पर उतरने की अनुमति दी गई थी। उसकी उड़ान संख्या एफजी-311 थी। यह विमान रनवे 29-एल के बजाय रनवे 29-आर पर उतरा।

प्रदूषण: दिल्ली में 50 प्रतिशत कर्मचारी घर से करेंगे काम

नई दिल्ली। दिल्ली में वायु प्रदूषण से लगातार खराब होते हालात के बीच राज्य सरकार ने सभी सरकारी और निजी दफ्तरों में 50 प्रतिशत कर्मचारियों के साथ काम करने का आदेश जारी किया है। बाकी 50 प्रतिशत कर्मचारी घरों से काम करेंगे। यह आदेश चरणबद्ध प्रतिक्रिया कार्य योजना (ग्रैप) के तीसरे चरण के अनुसार सोमवार को जारी किया गया है। इस आदेश के दायरे में राष्ट्रीय राजधानी में चलने वाले दिल्ली सरकार के सभी कार्यालयों के साथ निजी प्रतिष्ठान भी शामिल हैं।

संजय कपूर चुने गए एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया के अध्यक्ष

नई दिल्ली। वरिष्ठ पत्रकार संजय कपूर को निर्विरोध एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया का अध्यक्ष चुना गया है। गिल्ड की ओर से सोमवार को जारी एक बयान में यह जानकारी दी गई। हार्ड न्यूज के संपादक संजय कपूर वरिष्ठ पत्रकार अनंत नाथ का स्थान लेंगे। द हिंदू बिजनेस लाइन के पूर्व संपादक राघवन श्रीनिवासन और थंबप्रिंट एनई की प्रधान संपादक टेरेसा रहमान को एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया की 22 नवंबर को हुई वार्षिक आम बैठक में क्रमशः गिल्ड का निर्विरोध महासचिव और कोषाध्यक्ष चुना गया है। नए पदाधिकारियों की घोषणा एडिटर्स गिल्ड की चुनाव समिति ने की, जिसमें वरिष्ठ पत्रकार राजदीप सरदेसाई और विजय नाइक शामिल थे।

सियासी दलों को गुमनाम नकद चंदा संबंधी याचिका पर नोटिस

सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार, निर्वाचन आयोग और दूसरे पक्षों से मांगा जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और निर्वाचन आयोग समेत अन्य पक्षों से उस याचिका पर जवाब मांगा है जिसमें राजनीतिक दलों को 2,000 रुपये से कम का ''गुमनाम'' नकद चंदा लेने की अनुमति देने वाले आयकर अधिनियम के प्रावधान की वैधता को चुनौती दी गई है। याचिका में कहा गया है कि पारदर्शिता की यह कमी मतदाताओं को दानकर्ता और उनके उद्देश्य समेत राजनीतिक वित्तपोषण के स्रोत के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी से वंचित करती है। इससे चुनाव प्रक्रिया की शुचिता कमजोर होती है और मतदाता वोट डालते समय तर्कसंगत, बुद्धिमत्तापूर्ण और पूरी तरह सूचित निर्णय लेने से वंचित रह जाते हैं।

याचिका में निर्वाचन आयोग को निर्देश देने की भी मांग की गई है कि वह किसी राजनीतिक दल के पंजीकरण और चुनाव चिन्ह के आवंटन के लिए एक शर्त निर्धारित करे कि कोई भी दल नकद में कोई राशि प्राप्त नहीं कर सकता। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि मामले को चार सप्ताह बाद सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाएगा। इससे पहले, पीठ ने याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता विजय हंसारिया से पूछा कि उन्होंने हाईकोर्ट का रुख क्यों नहीं किया। हंसारिया ने कहा कि यह याचिका देश भर में सभी राजनीतिक दलों और उन्हें मिलने वाले वित्तपोषण से संबंधित है। पीठ ने इस पर याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति जताते हुए निर्वाचन आयोग, केंद्र और भाजपा तथा कांग्रेस जैसे कई राजनीतिक दलों सहित अन्य को नोटिस जारी किए।

आईटी एक्ट की धारा 13ए का खंड डी असंवैधानिक

याचिका में आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 13ए के खंड (डी) को असंवैधानिक करार देते हुए रद्द करने की मांग की गई है और साथ ही सुप्रीम कोर्ट के 2024 के फैसले का भी हवाला दिया गया है, जिसमें चुनावी बांड योजना को रद्द कर दिया गया था। वकील जयेश के उन्नीकृष्णन के माध्यम से दायर याचिका में कहा गया है, याचिकाकर्ता यह निर्देश चाहता है कि राजनीतिक दल उन्हें कोई भी धनराशि देने वाले व्यक्ति का नाम और अन्य सभी विवरण उजागर करें तथा कोई भी धनराशि नकद में प्राप्त न की जाए, ताकि राजनीतिक चंदे में पारदर्शिता बनी रहे। अधिनियम की धारा 13ए राजनीतिक दलों की आय से संबंधित विशेष प्रावधान से जुड़ा है।

जिस चंदे की पहचान नहीं, उसे वापस कराए निर्वाचन आयोग

याचिका में कहा गया कि अधिनियम में धारा 13ए जोड़ी गई है और राजनीतिक दलों को मिलने वाली जमानत राशि पर ब्याज, मकान/संपत्ति से आय, अन्य स्रोतों से आय, तथा स्वैच्छिक चंदे के रूप में मिलने वाली किसी भी रकम को कुल आय की गणना से मुक्त रखा गया है। याचिका में यह निर्देश देने की भी मांग की गई है कि निर्वाचन आयोग सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के फॉर्म 24ए (चंदा विवरण) की जांच करे और जिन चंदों में दाता का पता या पैन नहीं दिया गया है, उस राशि को संबंधित दलों से वापस जमा करवाए। याचिका में केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) को पिछले पांच वर्षों के दौरान आयकर अधिनियम की धारा 142 और 143 के तहत राजनीतिक दलों द्वारा दाखिल आयकर रिटर्न और ऑडिट रिपोर्ट की जांच करने का निर्देश देने की भी मांग की गई है।

मुख्यमंत्री ने लाखामंडल में किया जनसभा को संबोधित

उत्तराखंड सरकार का सांस्कृतिक पुनर्जागरण पर विशेष जोर: धामी

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि जैसे अयोध्या में भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर 500 वर्षों बाद स्थापित हुआ, उज्जैन में महाकाल कॉरिडोर का निर्माण पूरा हुआ। उसी प्रकार, उत्तराखंड में भी सांस्कृतिक पुनर्जागरण के लिए व्यापक कार्य चल रहे हैं।

सोमवार को लाखामंडल में मुख्यमंत्री धामी ने विशाल जनसभा को संबोधित किया। कहा कि राज्य सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अनेक ऐतिहासिक और निर्णायक कदम उठा रही है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि, राज्य में देश का सबसे सख्त नकल विरोधी कानून लागू किया गया है। पिछले 4.5 वर्षों में 26,000 से अधिक युवाओं को पूरी पारदर्शिता और ईमानदारी के साथ सरकारी नौकरियों में चयनित किया गया है। यह नौकरियां पूरी तरह मेरिट और प्रतिभा के आधार पर दी गई हैं। सरकार ने लैंड जिहाद, थूक जिहाद, लव जिहाद और जबरन धर्मांतरण जैसी गतिविधियों पर सख्त रोक लगा दी है। सरकार राज्य की डेमोग्राफी और सांस्कृतिक मूल्यों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

सीएम ने सांस्कृतिक पुनर्जागरण पर विशेष जोर देते हुए कहा कि लाखामंडल क्षेत्र के प्रसिद्ध हनोल मंदिर का 120 करोड़ का विशेष मास्टर प्लान तैयार किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत इस आध्यात्मिक एवं ऐतिहासिक स्थल का संरक्षण व विकास किया जाएगा। इस दौरान मुख्यमंत्री को राज्य मंत्री गीता राम गौड़ द्वारा क्षेत्र की विभिन्न स्थानीय समस्याओं से संबंधित 16 सूत्रीय मांग पत्र सौंपा गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन सभी मांगों का गंभीरता से परीक्षण कर सकारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को स्मृति चिह्न भेंट करते लाखामंडल के लोग।

- सीएम ने कहा- राज्य में लागू किया गया देश का सबसे सख्त नकल विरोधी कानून

आज बंद होंगे बद्रीनाथ धाम के कपाट

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: देवभूमि उत्तराखंड के उच्च गढ़वाल हिमालयी क्षेत्र में स्थित विश्वविख्यात बदरीनाथ धाम के कपाट आज शीतकाल के लिए बंद कर दिए जाएंगे और इसी के साथ इस वर्ष की चारधाम यात्रा का औपचारिक समापन हो जाएगा।

बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) के पदाधिकारियों के अनुसार, मंगलवार अपराह्न दो बजकर 56 मिनट पर बदरीनाथ धाम के कपाट शीतकाल के लिए बंद कर दिए जाएंगे। गढ़वाल हिमालय के चार में से तीन धामों के कपाट पहले ही बंद किए जा चुके हैं। केदारनाथ और यमुनोत्री के कपाट 23 अक्टूबर को, जबकि गंगोत्री के कपाट 22 अक्टूबर को दिवाली के अगले दिन अन्नकूट पर्व पर बंद किए गए थे। उच्च हिमालयी क्षेत्रों में सर्दियों के दौरान भारी बर्फबारी और भीषण ठंड के कारण चारों धाम के कपाट हर वर्ष अक्टूबर-नवंबर में बंद कर दिए जाते हैं, जिन्हें अगले वर्ष अप्रैल-मई में पुनः खोला जाता है। इस वर्ष अब तक चारधाम यात्रा में देश-विदेश से करीब 51 लाख श्रद्धालु पहुंच चुके हैं, जिनमें हेमकुंड साहिब गुरुद्वारे में मत्था टेकने आए 2.74 लाख श्रद्धालु भी शामिल हैं। प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, इस बार यमुनोत्री में 6.44 लाख, गंगोत्री में 7.58 लाख, केदारनाथ में 17.68 लाख तीर्थयात्रियों ने दर्शन किया।

- इसी के साथ होगा उत्तराखंड चारधाम यात्रा का समापन

भारत के 53वें सीजेआई बने न्यायमूर्ति सूर्यकांत

नई दिल्ली, एजेंसी

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने सोमवार को भारत के 53वें प्रधान न्यायाधीश के तौर पर शपथ ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में एक समारोह में न्यायमूर्ति सूर्यकांत को शपथ दिलाई और उन्होंने हिंदी में शपथ ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी समेत कई वरिष्ठ नेता इस समारोह में शामिल हुए। न्यायमूर्ति सूर्यकांत को न्यायमूर्ति बीआर गवई के स्थान पर न्यायपालिका के सर्वोच्च पद पर नियुक्त किया गया है जो रविवार को सेवानिवृत्त हो गए।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत को 30 अक्टूबर को अगला प्रधान न्यायाधीश नियुक्त किया गया था, वह नौ फरवरी 2027 को 65 वर्ष का होने तक लगभग 15 महीने तक इस पद पर रहेंगे। शपथ लेने के तुरंत बाद न्यायमूर्ति सूर्यकांत प्रधानमंत्री मोदी का अभिवादन करने उनके पास गए। इस दौरान पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ भी मौजूद थे और उन्होंने भी न्यायमूर्ति सूर्यकांत को बधाई दी। शपथ ग्रहण करने के बाद न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने न्यायालय परिसर में महात्मा गांधी और डॉ. बीआर आंबेडकर की प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित की।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत को शपथग्रहण करातीं राष्ट्रपति मुर्मू।

- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के समक्ष हिंदी में ली शपथ, सेवानिवृत्त होने तक 15 महीने रहेंगे शीर्ष न्यायिक पद पर

छह देशों के जज हुए समारोह में शामिल

इस बार का शपथ ग्रहण समारोह इस दृष्टि से भी ऐतिहासिक रहा क्योंकि इसमें भूटान, केन्या, मलेशिया, मॉरीशस, नेपाल और श्रीलंका समेत छह देशों के मुख्य न्यायाधीश और सुप्रीम कोर्ट के जज शामिल हुए। यह पहली बार है कि भारतीय मुख्य न्यायाधीश के शपथ ग्रहण समारोह में इतना बड़ा विदेशी न्यायिक प्रतिनिधिमंडल शामिल हुआ।

खाई में गिरी बस, पांच की जान गई

संवाददाता, देहरादून

- टिहरी में हादसा, कुंजापुरी दर्शन के बाद लौट रहे थे श्रद्धालु, 13 घायल, 6 गंभीर

अमृत विचार: टिहरी जिले के नरेन्द्रनगर क्षेत्र में कुंजापुरी मंदिर के पास सोमवार को एक बस के गहरी खाई में गिरने से पांच श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि 13 घायल हो गए। इनमें 6 लोगों को गंभीर हालत में एम्स ऋषिकेश में भर्ती कराया गया है।

टिहरी की जिलाधिकारी नितिका खंडेलवाल ने बताया कि विभिन्न राज्यों से आए श्रद्धालुओं का दल सोमवार सुबह ऋषिकेश के दयानंद आश्रम से कुंजापुरी दर्शन के लिए पहुंचा था। मंदिर में दर्शन करके लौटने के बाद चालक ने जैसे ही बस को आगे बढ़ाया, उसके ब्रेक फेल हो गए और वह खाई में गिर गई। 5 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि पुलिस और एसडीआरएफ की टीमों ने बचाव एवं राहत अभियान चलाते हुए 13 घायलों को नरेन्द्रनगर अस्पताल पहुंचाया, जहां से छह की गंभीर अवस्था को देखते हुए उन्हें एम्स ऋषिकेश रेफर कर दिया गया। बताया गया कि कुंजापुरी दर्शन करने के लिए बस में 28 लोग पहुंचे थे। वापसी में बस में 28 में से 18 श्रद्धालु ही बैठ पाए थे और बाकी बैठने की तैयारी में थे लेकिन उससे पहले ही चालक ने बस स्टार्ट कर आगे बढ़ा दी थी और बस अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी। मृतकों की पहचान दिल्ली के द्वारका निवासी अनीता चौहान (50), उत्तर प्रदेश के सहारनपुर निवासी आशु त्यागी (51), महाराष्ट्र के नागपुर निवासी नमिता प्रबोध काले (58), बेंगलुरु निवासी अनुजा वेंकटरामन (48) और गुजरात के वडोदरा निवासी पार्थसारथी जोशी (70) के रूप में हुई है।

मुख्यमंत्री धामी ने जताया शोक

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बस हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने इस घटना को अत्यंत दुःखद बताते हुए ईश्वर से दिवंगतों को श्रीचरणों में स्थान देने और शोकाकुल परिजनों को इस असीम दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है।

दुर्लभ उपलब्धि | बढ़ेगी नौसेना की युद्ध क्षमता, स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के साथ किया गया है निर्माण

आत्मनिर्भर भारत : समुद्र में उतरा माहे श्रेणी का पहला युद्धपोत

मुंबई, एजेंसी

भारतीय नौसेना ने सोमवार को आईएनएस माहे को अपने बेड़े में शामिल किया, जो माहे श्रेणी का पहला पनडुब्बी रोधी युद्धक जहाज है। इस जहाज के सेवा में शामिल होने के बाद नौसेना की युद्ध क्षमता में बढ़ने की उम्मीद जताई गई है। यह जलपोत उथले जल के स्वदेशी लड़ाकू जहाजों की नई पीढ़ी का हिस्सा है। यह स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के साथ जटिल लड़ाकू जहाजों को डिजाइन करने, निर्माण करने और तैनात करने की भारत की समुद्री क्षमता का भी प्रतीक कहा गया है।

आईएनएस माहे के जलावतरण समारोह के मुख्य अतिथि सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने इसे दुर्लभ उपलब्धि बताते हुए कहा कि इसके सेवा में शामिल होने से भारतीय नौसेना की समुद्री प्रभुत्व सुनिश्चित करने, तटीय सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने और देश के विशाल तटीय जलक्षेत्र में भारत के समुद्री हितों की रक्षा करने की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि यह नौसेना में निरंतर परिवर्तन की भी पुष्टि करता है, जो अपने लड़ाकू प्लेटफ़ॉर्म का डिज़ाइन, निर्माण और रखरखाव स्वयं करती है।

तटीय रक्षा की पहली पंक्ति बनाएगा

नौसेना ने कहा, माहे श्रेणी का पोत तटीय रक्षा की पहली पंक्ति का निर्माण करेगा, जो बड़े लड़ाकू जहाजों, पनडुब्बियों और विमानन परिसंपत्तियों के साथ एकीकृत होकर भारत के समुद्री परिचालन क्षेत्रों पर निरंतर निगरानी बनाए रखेगा। इसका निर्माण कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) द्वारा किया गया है।

इसलिए भारत की बड़ी उपलब्धि

- इस जहाज का निर्माण 80% से अधिक स्वदेशी सामग्री से किया गया है, जो ''आत्मनिर्भर भारत'' की ओर बड़ा कदम है।
- इस युद्धक जहाज को विशेष रूप से तटीय और उथले जल में पनडुब्बी-रोधी अभियान के लिए डिजाइन किया गया है।
- आईएनएस माहे का निर्माण तटीय गश्त, बंदरगाहों की सुरक्षा और समुद्री मार्गों को सुरक्षित रखने के लिए किया गया है।
- उन्नत हथियार प्रणाली पनडुब्बियों को निष्क्रिय करने में सक्षम बनाती हैं। लाइटवेट टॉरपीडो, एएसडब्ल्यू रॉकेट से लैस।
- जहाज छोटा लेकिन अत्यधिक शक्तिशाली, जो चपलता, सटीकता और गतिशीलता के मिश्रण से तटीय क्षेत्रों में प्रभावी है।

सिटी ब्रीफ

खुशी का राज्य की फुटबॉल टीम में चयन

रामनगर : ग्रेट मिशन पब्लिक स्कूल की कक्षा नौ की छात्रा खुशी सत्यवली ने फुटबॉल में अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा का प्रदर्शन कर उत्तराखण्ड जूनियर गर्ल्स फुटबॉल टीम में स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने नेशनल गेम्स में राज्य का प्रतिनिधित्व किया, जहाँ उत्तराखण्ड टीम ने नागालैंड को पहले मैच में 3–1 से हराकर शानदार जीत दर्ज की। यह उपलब्धि विद्यालय परिवार के लिए अत्यंत गर्व और हर्ष का विषय है। विद्यालय के निदेशक डॉ. प्रसून श्रीवास्तव एवं प्रधानाचार्य डॉ. नलिनी श्रीवास्तव ने खुशी एवं उनके कोच पंकज को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

कुंवर क्लासेज ने राणा क्लासेज को हराया

कालाढूंगी : डीसीएल कमेटी डाकबंगला द्वारा नगर के वार्ड नंबर 1 में आयोजित टूर्नामेंट के दूसरे संस्करण में कुंवर क्लासेज़ और राणा क्लासेज़ के बीच मुकाबला हुआ। सोमवार को टूर्नामेंट का शुभारंभ मुख्य अतिथि सामाजिक कार्यकर्ता मनोज पंत ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए कुंवर क्लासेज़ ने निर्धारित 10 ओवर के मैच में 93 रन का लक्ष्य दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी राणा क्लासेज की टीम 77 रन पर ऑल आउट हो गई, और कुंवर क्लासेज़ ने यह मैच 16 रन से जीत लिया। अंपायर की भूमिका में प्रणव कंबोज, शंकर आर्या, जीतू बिष्ट और रवि आर्या रहे। इस दौरान आयोजक कमल अधिकारी, अमित बिष्ट, योगेश सिंह बिष्ट, कमल हालसी, संजय सुयाल और नितिन भाटिया मौजूद रहे।

डीएलएड परीक्षा परिणाम वेबसाइट पर उपलब्ध

रामनगर : उत्तराखण्ड विद्यालयी शिक्षा परिषद् रामनगर की ओर से 22 नवम्बर को आयोजित द्विवर्षीय डीएलएड प्रशिक्षण के लिए प्रवेश परीक्षा के प्रश्नपत्र के चारों सेट की औपबंधिक उत्तर कुंजी जनहित में परिषद की वेबसाइट www.ubse.uk.gov.in के डिपार्टमेंटल एग्जाम–डीएलएड कार्नर एवं www.ukdeled.com पर प्रसारित कर दी गई है। बोर्ड सचिव विनोद प्रसाद ने बताया कि अभ्यर्थी परिषद की उक्त वेबसाइट से उत्तरकुंजी डाउनलोड कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि यदि किसी अभ्यर्थी को किसी प्रश्नों के उत्तर पर कोई आपत्ति हो तो वह परिषद द्वारा निर्धारित प्रपत्र पर अपनी आपत्ति 4 दिसम्बर तक परिषद की ई–मेल deled2015‹bha›@‹/bha›gmail.com पर पुष्ट प्रमाणों सहित परिषद कार्यालय को अवगत करा सकते हैं।

बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता धर्मेंद्र की नैनीताल से जुड़ी हैं यादें, शूटिंग के दौरान यहां लोगों और संस्कृति से भी बनाया था गहरा जुड़ाव

फिल्म हुकूमत की शूटिंग के लिए नैनीताल आए थे बॉलीवुड के हीमैन

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचारः बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र का पहाड़ों से खास लगाव रहा है। अपनी कई फिल्मों की शूटिंग के दौरान उन्होंने उत्तराखंड के विभिन्न हिल स्टेशनों को न सिर्फ कैमरे में कैद किया, बल्कि यहां की संस्कृति और लोगों से भी गहरा जुड़ाव बनाया। इन्हीं यादों में नैनीताल भी शामिल है, जहां धर्मेंद्र फिल्म 'हुकूमत' की शूटिंग के लिए आए थे। साल 1980 के दशक में जब निर्देशक अनिल शर्मा की हुकूमत की टीम नैनीताल पहुंची थी, तो माल रोड से लेकर तल्लीताल-मल्लीताल और आसपास के दर्शनीय स्थलों में दिनभर फिल्मांकन का सिलसिला

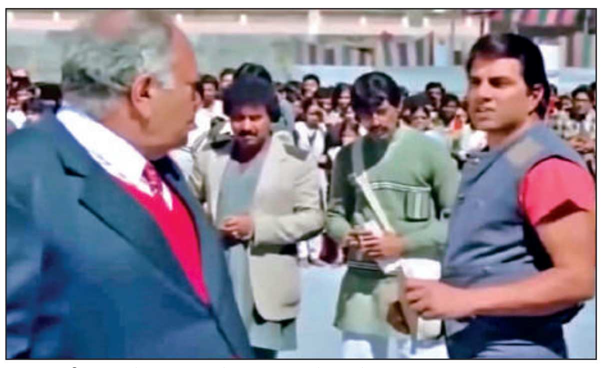

हुकुमत की शूटिंग के एक दृश्य में फिल्म अभिनेता धर्मेंद्र। ● अमृत विचार

चलता रहा। शूटिंग देखने के लिए स्थानीय लोगों और पर्यटकों की भीड़ उमड़ती थी। उस दौरान धर्मेंद्र की सादगी और सहज व्यवहार ने लोगों को खासा प्रभावित किया।

स्थानीय निवासी त्रिभुवन बताते हैं धर्मेंद्र शूटिंग ब्रेक में अक्सर झील किनारे टहलने निकल पड़ते थे और लोगों से बेझिझक बातचीत करते थे। कई बार उन्होंने स्थानीय व्यंजन भी चखे और कलाकारों व तकनीकी टीम के साथ माल रोड की चाय की दुकानों पर बैठकर लंबी बातचीत की। फिल्म की कई महत्वपूर्ण सीक्वेंस नैनीताल और उसके आसपास के पहाड़ी रास्तों पर फिल्माए गए थे। इन लोकेशनों ने न सिर्फ हुकूमत को शानदार विजुअल्स दिए, बल्कि धर्मेंद्र की नैनीताल यात्रा को भी यादगार बना दिया। आज भी शहर के बुजुर्ग और फिल्मप्रेमी उस दौर को याद करते हैं, जब बॉलीवुड का 'ही-मैन' यहां शूटिंग के दौरान लोगों का दिल जीत कर गया था। धर्मेंद्र भले ही अब फिल्मों में कम दिखते हों, लेकिन नैनीताल से जुड़ी उनकी ये यादें आज भी स्थानीय लोगों के दिल में ताजा है।

हुकूमत सिर्फ फिल्म नहीं, नैनीताल का इतिहास

फिल्म की यूनिट महीनों नैनीताल क्लब में ठहरी। धर्मेंद्र के अलावा प्रेम चोपड़ा, सदाशिव अमरापुरकर, जोगिंदर, शम्मी कपूर, राजेंद्र कुमार और स्वप्ना की मौजूदगी से शहर में मानो त्योहार सा माहौल था। आज भी जब लोग पुराने दिनों को याद कर कहते हैं कि धर्मेंद्र आए थे और नैनीताल उनका दीवाना हो गया था। हुकूमत के साथ धर्मेंद्र ने सिर्फ खौफ नहीं मिटाया, बल्कि अपनेपन और सादगी से नैनीताल के दिलों में अमिट छाप छोड़ दी जो आज भी उतनी ही ताजा है, जितनी उस दौर की ठंडी सुबहें।

धर्मेंद्र केवल पर्दे पर नहीं, लोगों के दिलों में भी

रंगकर्मी जहूर आलम बताते हैं कि धर्मेंद्र जितने बड़े स्टार थे, उतने ही सरल और जमीन से जुड़े हुए। शूटिंग खत्म होते ही वह भीड़ में चले जाते। फैन को ऑटोग्राफ देना हो या फोटो खिंचवाना, कभी मना नहीं करते थे। एक दिन मल्लीताल रिक्शा स्टैंड पर इतनी भीड़ उमड़ी कि एक छत टूट गई। धर्मेंद्र तुरंत दौड़ पड़े "किसी को चोट तो नहीं लगी?" लोग आज भी इस संवेदनशीलता को याद कर मुस्कुरा उठते हैं।

एनडी नैनवाल भी कर चुके हैं धर्मेंद्र के साथ काम

हल्द्वानी : उत्तराखंड कांग्रेस के प्रवक्ता डॉ. गणेश उपाध्याय ने बताया कि उनके ससुर व पूर्व जिला अध्यक्ष नैनीताल सतीश नैनवाल के पिता नारायण दत्त नैनवाल वर्ष 1979 से लगभग 10 साल तक फिल्म अभिनेता धर्मेंद्र के साथ कार्य कर चुके हैं। एनडी नैनवाल ने जय बाबा अमरनाथ, कातिलों के कातिल, गद्दर, चंबल का डाकू इंतकाम की आग आदि अनेक फिल्मों में उनके साथ कार्य किया। सोमवार को जब उन्हें धर्मेंद्र की मौत की सूचना दी गई तो उन्होंने बड़ा अफसोस जाहिर करते हुए कहा ऐसे नेक इंसान संसार में बहुत कम होते हैं। बताया कि धर्मेंद्र बहुत ही नेक इंसान, खुशमिजाज इंसान थे वह फिल्म की शूटिंग के दौरान सभी को सहयोग करते थे।

धर्मेंद्र के साथ एनडी नैनवाल। ● अमृत विचार

अब हाथी की सफारी का आनंद लेंगे पर्यटक

ढिकाला व बिजरानी में दिसंबर से शुरू होगी हाथी सफारी, सालों से बंद पड़ी हाथी सफारी को फिर मिली अनुमति

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचारः कॉर्बेट टाइगर रिज़र्व ने पर्यटकों को एक खुशखबरी दी है। सालों से बंद पड़ी हाथी सफारी को आखिरकार फिर से अनुमति मिल गई है। चीफ वाइल्ड लाइफ वार्डन, देहरादून की ओर से आदेश जारी होने के साथ ही हाथी सफारी का लंबे समय से इंतजार कर रहे देश-विदेश के पर्यटकों के लिए यह खबर उत्साह और प्रसन्नता का संदेश लेकर आई है। बता दे कि कॉर्बेट टाइगर रिज़र्व, दुनिया भर में अपनी जैव विविधता, रॉयल बंगाल टाइगर और रोमांचक जंगल सफारी के लिए प्रसिद्ध है। ऐसे में हाथी सफारी की बहाली इस पार्क की पर्यटन गतिविधियों में एक बड़ा बदलाव साबित होगी, स्टेट वाइल्ड लाइफ बोर्ड की जून 2024 में हुई बैठक में इसके लिए हरी झंडी दी गई थी। जिसके बाद विभागीय औपचारिकताओं के पूरा होने पर अब इसे लागू किया गया है।

ढिकाला और बिजरानी में होगी हाथी सफारीः जारी आदेश के अनुसार हाथी सफारी ढिकाला और बिजरानी-दोनों प्रमुख जोन में शुरू की जाएगी, दोनों जगह सुबह

पर्यटकों को सफारी कराने के लिए तैयार हाथी। ● अमृत विचार

और शाम की शिफ्ट में हाथी सफारी होगी। ढिकाला में दो हाथियों से सफारी कराई जाएगी और पर्यटकों के लिए दो रूट निर्धारित किए गए हैं। इन रूटों पर सफारी के दौरान पर्यटक रामगंगा नदी, घने जंगल, विशाल ग्रासलैंड और कई वन्यजीवों का बेहद नजदीकी अनुभव ले सकेंगे।कॉर्बेट का यह जोन हमेशा से ही सबसे आकर्षक रहा है,ऐसे में हाथी सफारी यहां पर्यटन अनुभव को और रोमांचक बनाएगी,बिजरानी जोन में एक हाथी के माध्यम से दो रूट तय किए गए हैं,यहां भी दो घंटे की सफारी कराई जाएगी, जिसमें पर्यटक जंगल की खूबसूरती, वन्यजीवों की गतिविधियां और प्राकृतिक आवास को करीब से देख सकेंगे। कॉर्बेट टाइगर रिज़र्व के निदेशक डॉ. साकेत बडोला ने बताया कि हाथी सफारी के टिकट पार्क के रिसेप्शन सेंटर से उपलब्ध होंगे, टिकट वितरण पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर किया जाएगा।

बता दें कि हाथी सफारी को बंद हुए लगभग 6 साल हो चुके थे,वर्ष 2018 में उत्तराखंड हाईकोर्ट ने पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 और वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत पार्क में हाथियों के व्यावसायिक उपयोग पर रोक लगा दी थी। उसी आदेश के बाद हाथी सफारी पूरी तरह बंद कर दी गई थी,तब से स्थानीय पर्यटन कारोबारियों, गाइडों, महावतों और वन्यजीव प्रेमियों की ओर से लगातार मांग उठाई जा रही थी कि हाथी सफारी को संवेदनशील और सुरक्षित तरीके से फिर शुरू किया जाए। उनका कहना था कि हाथी सफारी वन्यजीव संरक्षण के लिए जागरूकता का महत्वपूर्ण माध्यम है। यह पर्यटकों को जंगल के साथ एक अनोखा और शांतिपूर्ण अनुभव देती है। महावतों और ग्रामीण समुदायों के रोजगार का एक मुख्य साधन है। हाथी सफारी का सबसे बड़ा आकर्षण है जंगल को सुरक्षित, बिना किसी इंजन की आवाज़ के, बेहद नजदीक से देख पाना,हाथी की पीठ से जंगल का दृश्य बिल्कुल अलग दिखाई देता है। घास के मैदानों, नदी किनारों और जंगल के संकरे हिस्सों में जंगल का वास्तविक रूप देखने का मौका मिलता है। हिरण, जंगली हाथी, गौर, पक्षियों और कई बार बाघ-तेंदुए की गतिविधियां भी दिख सकती हैं। विशेषकर ढिकाला जोन की रामगंगा नदी का किनारा और ग्रासलैंड हाथी सफारी को बेहद खास बनाते हैं। हाथी सफारी की अनुमति मिलने के बाद पर्यटन से जुड़े कारोबारी, गाइड, ड्राइवर, होमस्टे संचालक और वन्यजीव प्रेमी बेहद खुश हैं। उनका कहना है कॉर्बेट आने वाले पर्यटक हाथी सफारी की खास मांग करते थे, अब यह सपना पूरा होगा,यह फैसला स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती देगा, सुरक्षित और नियंत्रित तरीके से हाथी सफारी फिर शुरू होना शानदार निर्णय है।

हाथी सफारी का शुल्क

अगर आपको हाथी से कार्बेट में जंगल की सफारी करनी है तो भारतीय पर्यटकों के लिए : 1000 रुपया प्रति व्यक्ति और विदेशी पर्यटकों के लिए : 3000 रुपए प्रति व्यक्ति है। एक हाथी में बच्चों के साथ अधिकतम पांच लोग बच्चों बैठ सकते हैं, यानी कुल दो वयस्क एवं बच्चे या बच्चों की संख्या के अनुसार कुल 5 लोग यात्रा कर सकेंगे। सफारी की अवधि 2 घंटे निर्धारित की गई है, डॉ. बडोला का कहना है कि हाथी सफारी को दिसंबर के पहले सप्ताह में शुरू कर दिया जाएगा, क्रिसमस और न्यू ईयर सीजन में पार्क आने वाले हजारों पर्यटक इसका आनंद उठा सकेंगे।

14 दिसंबर को नैनीताल में होंगी विभिन्न प्रतियोगिताएं

पागल जिमखाने के आयोजन को लेकर बैठक करतीं लेक सिटी की महिलाए।

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचारः लेक सिटी वेलफेयर क्लब की ओर से आयोजित होने वाले पागल जिमखाना की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। क्लब की बैठक अध्यक्ष आभा शाह की अध्यक्षता में होटल पवेलियन में संपन्न हुई। बैठक में तय किया गया कि आदित्य बिरला ग्रुप लालकुआं के सहयोग से 14 दिसंबर को होने वाला पागल जिमखाना इस बार फ्लैट्स मैदान में भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा।

कार्यक्रम की संयोजक प्रगति जैन ने बताया कि इस बार कार्यक्रम में कई रोचक व मनोरंजक प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी, जिनमें चम्मच रेस, पति-पत्नी रेस, बोरा रेस, मटका रेस, सुई-धागा रेस, म्यूजिकल रेस, ईंट रेस, महिलाओं व बुजुर्गों की विशेष रेस, बंद रेस, रस्साकशी, धुन पहचानो और महिलाओं की बुनाई प्रतियोगिता शामिल हैं। विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।उन्होंने बताया कि सर्वश्रेष्ठ पागल प्रतिभागी को 2100 रुपये का विशेष पुरस्कार दिया जाएगा। प्रतियोगिता को लेकर नगर में महिलाओं और बच्चों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। कार्यक्रम की तैयारियों में रानी शाह, हेमा भट्ट, जीवंती भट्ट, विनीता पांडे, रमा भट्ट, प्रेमा अधिकारी, दीपिका बिनवाल, कंचन जोशी, पुष्पा कांडपाल, रेखा पंत, रेखा जोशी, मधुमिता, सीमा सेठ, दिव्या शाह, ज्योति दढ़ियाल, ज्योति वर्मा, नीरू शाह, सोनू शाह आदि सदस्य सक्रिय रूप से जुटे हैं।

आपदा में हुई क्षति का किया निरीक्षण

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचारः अगस्त 2025 में हुई आपदा के दौरान हुए भारी नुकसान की सूचना बार-बार देने के बावजूद कार्रवाई न होने पर ग्रामीणों ने अपनी पीड़ा पूर्व विधायक दान सिंह भंडारी के सम्मुख व्यक्त की। ग्रामीणों ने यह शिकायत पूर्व विधायक के क्षेत्र भ्रमण के दौरान रखी।

यह मामला विकासखंड ओखलकांडा के क्वेराला, पोस्ट कालाआगर, पट्टी चौगड़ क्षेत्र का है। यहां के निवासी दुर्गा सिंह एरी पुत्र स्व. कुंवर सिंह ने पूर्व विधायक को अवगत कराया कि 13 और 14 अगस्त 2025 को हुई मूसलाधार बारिश से उनके मकान के ऊपर लगभग 500 मीटर की दूरी से भारी मात्रा में भूमि खिसक गई और लगभग 25 पेड़ गिर गए। लगातार हो रहे भूस्खलन के कारण उनके मकान में जगह-जगह दरारें आ गई हैं। ग्रामीण

ओखलकांडा क्षेत्र में क्षतिग्रस्त स्थलों का निरीक्षण करते पूर्व विधायक दान सिंह भंडारी।

ने बताया कि आपदा में उनका लघु सिंचाई टैंक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था और यह भूस्खलन आज भी लगातार जारी है। इसके खतरे में तीन अन्य मकान भी आ चुके हैं। घटना की जानकारी उन्होंने उप जिलाधिकारी धारी को देते हुए क्षतिग्रस्त क्षेत्र में पक्की सुरक्षा दीवारों के निर्माण का अनुरोध किया था, ताकि जनहानि और पशुओं की हानि से बचाव हो सके। कई बार अनुरोध करने के बावजूद अब तक कोई कार्रवाई न होने पर ग्रामीणों ने गहरी नाराजगी व्यक्त की। पूर्व विधायक दान सिंह भंडारी ने ग्रामीणों को आश्वस्त करते हुए कहा कि इस संबंध में शीघ्र ही विभाग और शासन-प्रशासन से पत्राचार कर आगे की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। इस दौरान पूर्व ग्राम प्रधान मदन नौलिया, महिपाल सिंह मेवाड़ी, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि मनोज सिंह सहित कई लोग रहे।

डीएसबी परिसर में एआई का नया द्वार खुलेगा

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचारः कुमाऊं विश्वविद्यालय डीएसबी परिसर अब तकनीक की नई दुनिया में कदम रखने जा रहा है। विश्वविद्यालय और सेतु आयोग मिलकर यहां अत्याधुनिक एआई सेंटर स्थापित करेंगे। यह सेंटर छात्रों के लिए न सिर्फ सीखने का नया माध्यम बनेगा, बल्कि उन्हें उन तकनीकों से परिचित कराएगा जो आने वाले समय में हर क्षेत्र की रीढ़ बनने वाली हैं।

विवि प्रशासन के अनुसार, सेतु आयोग की टीम जल्द ही डीएसबी परिसर का निरीक्षण करेगी। निरीक्षण के बाद सेंटर की स्थापना को लेकर विस्तृत प्रस्ताव तैयार किया जाएगा। विश्वविद्यालय लगातार रोजगारपरक शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में काम कर रहा है, ताकि छात्र पढ़ाई के साथ-साथ कौशल भी विकसित कर सकें और स्वावलंबन की ओर कदम बढ़ा सकें। कुलपति प्रो. डीएस रावत ने बताया कि वर्तमान समय एआई की तेज प्रगति का दौर है। ऐसे में छात्रों को भविष्य के अनुरूप तैयार करना अब आवश्यक हो गया है। उन्होंने कहा, हम चाहते हैं कि हमारे विद्यार्थी कॉलेज में ही एआई और उभरती तकनीकों की गहरी समझ हासिल कर सकें। सेतु आयोग के सहयोग से बनने वाला यह सेंटर हमारा बड़ा कदम होगा।.इस केंद्र के शुरू होने से डीएसबी परिसर के छात्र न केवल एआई की बुनियादी समझ विकसित कर सकेंगे, बल्कि मशीन लर्निंग, डेटा साइंस, ऑटोमेशन और अन्य आधुनिक तकनीकों के प्रैक्टिकल अनुप्रयोग भी सीख पाएंगे।

बाजार में गंदगी देख भड़के एसडीएम

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार : मुर्गा मार्केट में आए दिन मिल रही गंदगी की शिकायतों को देखते हुए एसडीएम प्रमोद कुमार ने अचानक छापा मारकर मौके का निरीक्षण किया। जहां पहुंचते ही गंदगी से उठ रही दुर्गंध ने अधिकारियों को भी चौंका दिया।

कार्रवाई की जानकारी मिलते ही कई दुकानदार अपनी दुकानें बंद कर मौके से फरार हो गए। इसके बाद एसडीएम ने तुरंत नगर पालिका ईओ आलोक उनियाल और वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजीव सिंह को मौके पर बुलाया और पूरे क्षेत्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बाजार में गंदगी, मुर्गे काटने की अव्यवस्था और खुले में पड़ा कचरा देखकर एसडीएम ने दुकानदारों को कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने नगर पालिका प्रशासन को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए।

मुर्गा बाजार का निरीक्षण करते उप जिलाधिकारी प्रमोद कुमार।

नगर पालिका टीम ने मौके पर कई दुकानदारों का चालान कर करीब पांच हजार रुपए का जुर्माना वसूला, इसके साथ ही दुकानों के बाहर अतिक्रमण कर रखी गई लोहे और प्लास्टिक की क्रेटें भी जप्त की गईं। पालिका कर्मचारियों ने पूरे क्षेत्र में कीटनाशक दवा और ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव भी किया, ताकि संक्रमण फैलने का खतरा कम किया जा सके। कार्रवाई के दौरान स्थानीय लोगों ने शिकायत की कि नगर के कई इलाकों में अवैध रूप से मुर्गे की दुकानें संचालित हो रही हैं, जहां स्वच्छता और मानकों का बिल्कुल पालन नहीं किया जाता,इस पर एसडीएम प्रमोद कुमार ने स्पष्ट किया कि ऐसी किसी भी अवैध दुकान को बख्शा नहीं जाएगा, उन्होंने कहा कि जहां भी अवैध मुर्गा दुकानें चल रही होंगी, वहां निरीक्षण कर दुकानें सील करने की कार्रवाई की जाएगी

संगोष्ठी के दौरान मौजूद कवि एवं लेखक। ● अमृत विचार

गुरु तेग बहादुर जयंती पर साहित्यिक संगोष्ठी संपन्न

रामनगर : गुरु तेग बहादुर शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में सरोकार साहित्यिक संस्था के तत्वावधान में एक साहित्यिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. गिरीश चन्द्र पंत ने की, जबकि संचालन डॉ. अनुपम शुक्ल ने किया। गोष्ठी का शुभारंभ संस्था के अध्यक्ष डॉ. सत्यप्रकाश मिश्र की सरस्वती वंदना से हुआ। साहित्यकारों ने सिक्खों के नवें गुरु तेग बहादुर को श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रो. पंत ने उनके जीवन, बलिदान तथा उत्तराखंड में सिक्ख गुरुओं के योगदान पर शोधपरक लेख प्रस्तुत किया। कहानीकार डॉ. आशुतोष सती, शायर डॉ. सगीर अशरफ, कवि डॉ. अशोक जोशी, डॉ. अनुपम शुक्ल, डॉ. सत्यप्रकाश मिश्र, देवेश उपाध्याय, कमल जोशी आदि अपनी रचनाओं से श्रोताओं को मंत्र मुग्ध किया। संयोजक गणेश रावत ने कवियों और अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

भागीरथी फाउंडेशन ने जमा की बीएससी की छात्रा की फीस

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचारः भीमताल धीरे-धीरे शिक्षा का एक प्रमुख हब बनता जा रहा है। यहां कई छात्र–छात्राएं उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं, लेकिन कुछ आर्थिक रूप से सक्षम हैं तो कुछ अपनी पढ़ाई का खर्च वहन करने में असमर्थ हैं। हरमन माइनर डिग्री कॉलेज, भीमताल की बीएससी प्रथम वर्ष की ऐसी ही एक छात्रा खुशबू पलड़िया अपनी फीस जमा करने में असमर्थ थीं। उन्होंने मदद के लिए भागीरथी फाउंडेशन से संपर्क किया।

मामला संज्ञान में आते ही भागीरथी फाउंडेशन के अध्यक्ष एवं भाजपा जिला मंत्री मनोज भट्ट प्रकाश ने फाउंडेशन की ओर से छात्रा के पहले

खुशबू को फीस का चेक सौंपते भागीरथी फाउंडेशन के अध्यक्ष मनोज भट्ट प्रकाश।

वर्ष की तेईस हजार सात सौ चालीस रुपये की फीस कॉलेज में जमा करवा दी। फाउंडेशन के अध्यक्ष मनोज भट्ट प्रकाश ने कहा कि शिउनकी संस्था का उद्देश्य यही है कि किसी भी छात्र या छात्रा की शिक्षा धन की कमी के कारण बाधित न हो। भागीरथी फाउंडेशन हमेशा से गरीब और असहाय लोगों की सहायता के लिए आगे रहा है। कॉलेज की प्रधानाचार्या डॉ. मुक्ता, भाजपा नेता प्रकाश भट्ट, मनोज भास्कर भगवाल, आशु पाठक, रवि कुमार, विनीत जोशी, नितिन भगवाल व रिहान खान रहे।

शिवेश्वर की टीम ने जीता ओपन टेनिस का खिताब

नैनीतालः न्यू क्लब की ओर से आयोजित चौथी नैनीताल कप ओपन टेनिस प्रतियोगिता का खिताब शिवेश्वर राज सिंह की टीम के नाम रहा। रविवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में शिवेश्वर राज की टीम ने पूरन सिंह बिष्ट की टीम को 4-0 से पराजित किया।

मुख्य अतिथि पालिकाध्यक्ष डॉ. सरस्वती खेतवाल ने विजेता टीम को पुरस्कृत किया। निर्णायक योगेश साह, सुमित गोयल रहे। उत्तराखंड टेनिस एसोसिएशन के महासचिव सुमित गोयल और उपाध्यक्ष डीएस रावत ने सफल आयोजन के लिए न्यू क्लब व आयोजकों को बधाई दी। क्लब सचिव रितेश साह, आयोजक सचिव अमर जगाती, अमित जोशी, दिग्विजय, कुंदन बिष्ट, मुदित, मोहित, जेके शर्मा, ईशा साह, मोनिका रहे।

अस्पताल में बनी पार्किंग की वित्तीय जांच की मांग

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचारः भीमताल के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भले ही मरीज को सारी सुविधाएं न मिलती हों लेकिन यदा कदा भर्ती मरीजों की देखभाल में आए लोगों को पार्किंग की सुविधा मिले इसलिए वहां पर 76 लाख रुपए का एक पार्किंग का स्ट्रक्चर बना डाला।

स्थानीय लोगों का कहना है कि स्थानीय विधायक से लेकर मुख्यमंत्री तक से चिकित्सकों व सुविधाओं और उप जिला चिकित्सालय खोले जाने की मांग की जाती रही है। लेकिन जनता की मांग को दरकिनार करते हुए अस्पताल के सामने की जमीन पर 76 लाख रुपए की पार्किंगबना दी गई। लोगों का कहना है कि पार्किंग का क्षेत्रफल काफी कम है और इसको बनाने में लगी लागत कहीं अधिक है। वहीं विभागीय अधिकारी का कहना है कि इसके चारों तरफ की आरसीसी की दीवार भी है जिसकी लागत अधिक होती है। लेकिन विभाग के तर्क से लोग संतुष्ट नहीं है। उन्होंने कुमाऊं आयुक्त दीपक रावत व डीएम ललित मोहन रयाल से निर्माण के क्षेत्र और उसको किए गए भुगतान की जांच जिले के उच्च अधिकारियों से कराने की मांग की है।

> स्थानीय चिकित्सकों ने पार्किंग निर्माण की मांग की थी। इसका डिजाइन और एस्टीमेट के तहत पार्किंग निर्माण किया गया है और उसी हिसाब से भुगतान किया गया है।
> –**कुंदन सिंह अधिकारी**, एई, आरईएस

नक्शा स्वीकृत न कराने वाले 600 लोगों को नोटिस जारी

डेमोग्राफी चेंज को लेकर हल्द्वानी, नैनीताल, रामनगर और भीमताल में हुआ था सर्वे, 60 फीसदी लोगों ने पास नहीं कराया है नक्शा

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: डेमोग्राफी चेंज को लेकर जिला विकास प्राधिकरण ने सौ वर्ग गज के कम प्लॉट का सर्वे किया। इसमें चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि 60 प्रतिशत से अधिक लोगों ने भवन निर्माण का नक्शा ही स्वीकृत नहीं कराया था। इसके बाद डीडीए ने 600 लोगों को नोटिस जारी किए हैं।

अधिकारियों के अनुसार, शासन के निर्देशों के बाद पिछले वर्ष नैनीताल, भीमताल, हल्द्वानी और रामनगर में 100 वर्ग गज से कम के प्लॉटों के वेरिफिकेशन के लिए एक सर्वे शुरू किया गया था। एक वर्ष में एक हजार से अधिक प्लॉटों व मकानों का सर्वे किया गया। इसमें खुलासा हुआ कि अधिकांश ने डीडीए से भवन बनाने का नक्शा स्वीकृत नहीं कराया है। सर्वे में यह भी खुलासा हुआ कि अधिकांश ने सौ-सौ रुपये के स्टांप पर खरीदे बेचे गए प्लॉटों पर भवन बनाए हैं। प्लॉट स्वामियों के पास भूमि के मालिकाना हक का कोई वैध दस्तावेज रजिस्ट्री, दाखिल खारिज वगैरह नहीं है। इस पर डीडीए ने राजस्व, वन, निकायों के साथ मिलकर संयुक्त सर्वे करेगा ताकि भूमि के असली मालिक का पता चल सके। फिलहाल डीडीए ने 600 भवन स्वामियों को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा है। नोटिस के संतोषजनक जवाब नहीं मिलने अवैध कब्जों के ध्वस्तीकरण की कार्रवाई भी की जा सकती है।

तहसील कर्मियों पर उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए अरायजनवीस व दस्तावेज लेखक। ● अमृत विचार

> पिछले वर्ष सर्वे हुआ था, इसमें नक्शा स्वीकृत नहीं होने पर 600 लोगों को नोटिस दिए गए हैं। अभी यह सर्वे और तेज होगा। प्रशासन, तहसील और राजस्व विभाग सभी मिलकर सर्वे करेंगे ताकि अवैध कॉलोनियों के फैलते जाल को रोका जा सके।
> –**विजयनाथ शुक्ला**, सचिव डीडीए

तहसील कर्मियों पर लगाया उत्पीड़न का आरोप

हल्द्वानी : तहसील के लाइसेंसधारी अरायजनवीसों, दस्तावेजलेखकों व स्टांप वेंडर्स ने तहसील कर्मियों पर उत्पीड़न का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि फर्जी प्रमाण पत्र बनाने का भंडाफोड़ होने के बाद जबरन तंग किया जा रहा है जबकि तहसील के बाहर ऐसा फर्जीवाड़ा नहीं करने वालों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। यह भी आरोप लगाया कि तहसील कर्मी प्रमाण पत्र बनाने के लिए धनराशि की डिमांड करते हैं। सोमवार को तहसील कर्मी परिसर में बने केबिन, काउंटर पर अरायजनवीस, दस्तावेजलेखकों व स्टांप विक्रेताओं की जांच करने पहुंचे। उन्होंने केबिन में लगे बिजली के मीटर, कनेक्शनधारक के नाम, केबिन निर्माण पर कब्जे को लेकर सवाल जवाब किए। इस पर वे भड़क गए। उन्होंने आरोप लगाया कि जांच के नाम पर उनका उत्पीड़न किया जा रहा है। सभी को काउंटर, केबिन जिला प्रशासन व राज्य सरकार की अनुमति के बाद ही बनाए गए थे। तत्कालीन कैबिनेट मंत्री इंदिरा हृदयेश, तत्कालीन डीएम दीपक रावत के समय बनाए गए थे। कहा कि जहां दस्तावेजों के लिए फर्जीवाड़ा होता है, प्रशासन उक्त स्थानों पर छापेमारी नहीं कर उनको परेशान कर रहा है जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

सिटी ब्रीफ

शादी में गये इलेक्ट्रीशियन की बाइक ले गए चोर

हल्द्वानी : शादी में गए एक इलेक्ट्रीशियन की बाइक चोरी हो गई। पुलिस ने अज्ञात पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। चंदन विहार अमृताश्रम मुखानी निवासी दिनेश बिष्ट ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 16 नवंबर की रात 10 बजे वह कमलुवागांजा में एक वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। उन्होंने अपनी बाइक गार्डन में पार्क की थी। आरोप है कि किसी ने उनकी बाइक चुरा ली। घटनाक्रम का सीसीटीवी फुटेज उनके पास है। एसओ दिनेश जोशी ने बताया कि मामले में अज्ञात पर मुकदमा दर्ज कर चोर की तलाश की जा रही है।

चक्की में चोरी, आटा और चावल चोरी

हल्द्वानी : चोरगलिया में एक आटा चक्की की दुकान में चोरों ने धावा बोल दिया। अज्ञात चोर यहां से बाइक समेत आटा और चावल उड़ा ले गए। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर ढूंढखोज शुरू कर दी है। तल्ला-पचौनिया, चोरगलिया निवासी माधवानंद ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उनकी पनेरु आटा चक्की के नाम से दुकान है। आरोप है कि 22 नवंबर की रात 12 बजे के आसपास अज्ञात चोरों ने उनकी चक्की के दरवाजे का ताला तोड़ा और बाइक, ग्लाइंडर, दो चावल व दो आटे के कट्टे जिनका अनुमानित वजन 25 से 30 किलो है, चोरी करके ले गए। पीड़ित ने पुलिस से मामले में शीघ्र कार्रवाई की मांग की है। थानाध्यक्ष हरपाल सिंह ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश की जा रही है।

कल से सरकारी स्कूलों की मासिक परीक्षाएं शुरू

हल्द्वानी : प्रदेशभर में शैक्षिक सत्र 2025–26 के तहत सभी राजकीय स्कूलों में मासिक परीक्षाएं कल (बुधवार) और गुरुवार को आयोजित की जाएंगी। इसके लिए एससीईआरटी ने गुणवत्ता सर्वेक्षण के लिए चयनित स्कूलों की सूची जारी कर दी है। सूची में शामिल स्कूलों में सर्वेक्षण होगा, जबकि अन्य स्कूल एससीईआरटी की ओर से जारी ब्लूप्रिंट के अनुसार अपने प्रश्नपत्र स्वयं तैयार करेंगे। परीक्षा के पहले दिन कक्षा 6 और 8 की हिंदी, अंग्रेजी, सामाजिक विज्ञान और कक्षा 9 और 10 की गणित, विज्ञान, संस्कृत की परीक्षाएं होंगी। कक्षा 11 और 12 में पहले दिन अंग्रेजी, अर्थशास्त्र, रसायन विज्ञान, इतिहास, संस्कृत, व्यावसायिक अध्ययन, लेखा शास्त्र, गृह विज्ञान की परीक्षाएं और दूसरे दिन हिंदी, राजनीति विज्ञान, भूगोल, गणित, जीव विज्ञान, भौतिक विज्ञान, संगीत गायन, कृषि, ड्राइंग एंड पेंटिंग की परीक्षा होगी।

राशन कार्डों का सत्यापन करेगा प्रशासन : एडीएम

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

- राशन कार्ड बनाने में भी फर्जीवाड़ा सामने आया है
- प्रशासन की जांच में 900 राशन कार्ड गलत ढंग से बने मिले

अमृत विचार : जनपद नैनीताल में स्थायी निवास प्रमाण, जाति प्रमाण पत्र के बाद अब राशन कार्ड बनाने में भी फर्जीवाड़ा सामने आया है। प्रशासन की जांच में 900 राशन कार्ड मिले हैं जो गलत ढंग से बनाए गए हैं। फिलहाल इन राशन कार्डों के निरस्तीकरण की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

आयुक्त दीपक रावत ने बीती 14 नवंबर को बनभूलपुरा में छापेमारी कर अरायजनवीस मो. फैजान मिकरानी के घर से दस्तावेजों में छेड़छाड़ कर अवैध ढंग से स्थायी निवास प्रमाण पत्र बनाने का भंडाफोड़ किया था। इसके बाद तहसील प्रशासन ने फैजान समेत तीन के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। वहीं, आयुक्त के निर्देशों के बाद जिले भर में स्थायी निवास समेत अन्य प्रमाण पत्रों की जांच शुरू हो गई है। हल्द्वानी में वर्ष 2020 से अब तक बने स्थायी निवास प्रमाण पत्रों को जांचा रहा है, जांच के बाद अब तक 48 को निरस्त कर दिया है जबकि 12 को री-चेक किया जा रहा है। इसके अलावा राशन कार्डों की भी जांच की गई जिसमें भारी विसंगतियां मिली हैं। इसके बाद प्रशासन ने 900 राशन कार्डों के निरस्तीकरण की कार्यवाही शुरू कर दी है। अब आधार कार्ड को लेकर भी जांच की जा रही है।

> जिले के सभी उपजिलाधिकारियों को स्थायी निवास समेत अन्य प्रमाण पत्रों की जांच के निर्देश दिए गए हैं। राशन कार्डों के बनाने में भी विसंगतियां मिली हैं, ऐसे में 900 राशन कार्ड के निरस्तीकरण की प्रक्रिया की जा रही है। आधार व राशन कार्ड के दुरुपयोग को लेकर भी निगरानी की जा रही है।
> –**विवेक राय**, एडीएम नैनीताल

लापरवाही पर वन विकास निगम के तीन कर्मियों पर कार्रवाई

कालाढूंगी : वन विकास निगम डिपो कालाढूंगी मांपदंडों पर लापरवाही बरतने पर डिपो के तीन कर्मियों को अटैच कर दिया गया है। वहीं वन विकास निगम ने सोमवार को वाहन चालक, क्रेता व वाहन स्वामी के खिलाफ कालाढूंगी कोतवाली पुलिस को तहरीर सौंपी है। बताते चलें कि वन विभाग को चेकिंग के दौरान वन विकास निगम कालाढूंगी डिपो से अवैध निकासी को पकड़ने में बड़ी सफलता प्राप्त की थी।

वन विभाग की टीम ने नयागांव बैरियर पर चेकिंग के दौरान सागौन की लकड़ी से लदा ट्रक पकड़ा जिसमें निर्धारित संख्या से अधिक नग अतिरिक्त लकड़ी पाई गई। अधिकारियों व कर्मचारियों की मिलीभगत से बड़ी सफाई से लकड़ी की तस्करी की जा रही थी। निगम की डीएसएम सावित्री गिरि ने बताया कि ट्रक में 17 नग अतिरिक्त पाये गये हैं। मामले में कालाढूंगी पुलिस को तहरीर सौंपी जा चुकी है ताकि आगे की विधिक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। बताया कि प्रथम दृष्टया जांच में कालाढूंगी डिपो के तीन कर्मी डिपो अधिकारी, सह प्रभारी व प्लाट प्रभारी दोषी पाए गए हैं। उच्चाधिकारियों को इस संबंध में पत्र भेजा गया है।

व्हाइट कॉलर टेररिज्म : कराची स्टॉक एक्सचेंज से देवभूमि में हो रही फंडिंग !

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : दिल्ली धमाके के बाद पहली बार व्हाइट कॉलर टेररिज्म की बात सामने आई। ऐसे आतंकियों का नाम सामने आया, जो डॉक्टरी जैसे पेशे से जुड़े थे। जांच में व्हाइट कॉलर टेररिज्म के तार उत्तराखंड से भी जुड़े। देहरादून से लेकर पिथौरागढ़ तक इन आतंकियों के तार जुड़े मिले और अब एक नया मामला सामने आ रहा है। ये मामला कराची स्टॉक एक्सचेंज और उत्तराखंड से जुड़ा है। राज्य में ऐसे तमाम बैंक खाते हैं, जिसमें कराची स्टॉक एक्चेंज से रुपया ट्रांसफर किया जा रहा है।

हल्द्वानी में ऐसे कई बैंक खाते होने की बात सामने आ रही है और इससे जुड़ी जानकारी लीक हो रही है। सूत्रों और लीक हुई इस जानकारी के मुताबिक, उक्त बैंक खातों में 10 से लेकर 100 रुपये तक ट्रांजेक्शन हुआ है और ये रुपया कराची स्टॉक एक्सचेंज से भेजा गया है। इन खातों में कराची स्टॉक एक्सचेंज से रुपया तो आया, लेकिन गया कहां, इसकी जांच हो रही है। सबसे गंभीर बात यह है कि राज्य में इस तरह के कितने बैंक खाते सक्रिय हैं, इसकी पूरी जानकारी उपलब्ध नहीं है। सूत्रों का कहना है कि मामला एसटीएफ तक पहुंच चुका है, लेकिन इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं है। माना जा रहा है कि यह आतंकी फंडिंग हो सकती है। खातों में छोटी रकम इसलिए डाली जा रही है ताकि यह किसी की भी नजरों में न आए।

80 करोड़ से अधिक की लिमिट व खाताधारक फांक

सूत्र बताते हैं कि प्राथमिक जांच में एक ऐसा बैंक खाता सामने आया है, जिसकी लिमिट 80 करोड़ रुपए से अधिक है। ये एक करंट अकाउंट है, जो एक कथित महावीर फर्म के नाम पर रजिस्टर्ड है। इस खाते में तीन साझेदार है, जिसमें से एक अभी भी जेल में है और खाते में दनादन रुपये आ रहे हैं। इस खाते में दो अन्य व्यक्तियों का नाम भी है और बताया जा रहा है कि ये दोनों व्यक्ति बैंक में सेविंग अकाउंट खुलवाने की हैसियत भी नहीं रखते हैं और इनके नाम पर न सिर्फ एक फर्म है बल्कि करंट अकाउंट भी है। बताया जा रहा है कि जब इसकी जानकारी लीक हुई तो बैंक की एक टीम उस पते पर पहुंची, जहां फर्म को दर्शाया गया था। मजे की बात तो यह है कि खाता खुलवाते समय यहां फर्म का बोर्ड लगा था, लेकिन अब यहां कुछ भी नहीं है।

छोई मांस प्रकरण में एक और गिरफ्तार

रामनगर: कोतवाली पुलिस ने बीते 23 अक्टूबर को मांस प्रकरण में वाहन चालक नासिर पर जानलेवा हमला करने के मामले में एक आरोपी को ओर गिरफ्तार किया है। 13 आरोपियों को पुलिस पहले गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। बता दें कि नूरजहां पत्नी नासिर निवासी नई बस्ती मोहल्ला गूलरघट्टी ने अपने पति नासिर के साथ ग्राम छोई में 23 अक्टूबर को कुछ लोगों ने जानलेवा हमला करने का आरोप लगाया था।

पुलिस ने पांच नामजद और तीस अज्ञात लोगों पर मुकदमा दर्ज किया था। कोतवाल सुशील कुमार ने बताया कि छोई में हुई घटना में शामिल वांछित आरोपी राजू रावत निवासी मोहल्ला भवानीगंज को सोमवार को ग्राम गैबुआ से गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने आरोपी को जेल भेज दिया है।

भाजपा नेता के खिलाफ तहरीर

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : एक विवादित पोस्ट के बाद कांग्रेसियों ने भाजपा आईटी सेल और सेल के पूर्व अध्यक्ष शेखर वर्मा के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। ये विवादित पोस्ट कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल को लेकर की गई थी। इस पोस्ट में उन्हें एक गन लिए दिखाया गया था और उन्हें आतंकी कहकर संबोधित किया गया था। इस पोस्ट के बाद नाराज कांग्रेसी हल्द्वानी कोतवाली पहुंचे और तहरीर देकर पुलिस से मुकदमा दर्ज करने की मांग की।

कोतवाली पहुंचे कांग्रेसियों का कहना था कि बीती 21 नवम्बर को वन विभाग मुख्यालय राजपुर रोड देहरादून में कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल के नेतृत्व में कांग्रेजनों ने राज्य में वन्यजीव मानव संघर्ष से हो रही जनहानि को लेकर एक धरना-प्रदर्शन किया था। जहां अपने संबोधन में प्रदेश अध्यक्ष ने सांकेतिक तौर पर प्लास्टिक खिलौना गन का उपयोग कर जनभावना को प्रदर्शित किया। आरोप है इसे भाजपा आईटी सेल और भाजपा आईटी सेल के पूर्व अध्यक्ष शेखर वर्मा ने पूर्वाग्रह से ग्रसित होकर प्रदेश अध्यक्ष को विभिन्न दुर्दान्त आतंकवादी संगठनों के प्रमुख के रूप में सोशल मीडिया में दुष्प्रचारित किया गया। कांग्रेसियों ने तहरीर देते हुए मामले में तत्काल मुकदमा और गिरफ्तारी की मांग की है। इस दौरान जिलाध्यक्ष राहुल छिमवाल, महानगर अध्यक्ष गोविन्द बिष्ट, मोहन बिष्ट, ब्लाक अध्यक्ष जाकिर हुसैन सुहेल सिद्दीकी, विनोद कुमार पन्नु, गोविंद बगडवाल, जया बिष्ट, कमला सनवाल, अमित रावत, धरमवीर आदि रहे।

कोतवाली में एसएसआई को ज्ञापन सौंपते कांग्रेसी कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

जाम से हलकान रहा शहर, दिनभर रेंगते रहे वाहन, यात्री रहे परेशान

- सोमवार को सड़कों पर जाम से परेशान रहे लोग
- मुख्य सड़कों पर वाहन चलाना हो गया मुश्किल

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: हल्द्वानी, काठगोदाम में जाम की समस्या बनी रही। काठगोदाम में नैनीताल रोड, रामपुर रोड पर डॉ. सुशीला तिवारी अस्पताल के पास, बरेली रोड पर मंडी के सामने, मंगल पड़ाव आदि जगहों पर वाहन रेंग रहे थे।

रविवार को अवकाश समाप्त होने के बाद सोमवार को हल्द्वानी-काठगोदाम की सड़कें जाम के भंवर में फंस गईं। वाहनों की लंबी कतार लगी हुई थी। काठगोदाम में वाहनों की लंबी कतार रही। रामपुर रोड पर भी यही हाल रहे। यह हाल तब हैं जब शहर के कई चौराहों को और कई जगह मुख्य सड़कों को चौड़ा कर दिया गया है। रोडवेज बस स्टेशन के सामने भी यही हाल रहा। दोपहर को शुरू हुई समस्या शाम तक बनी रही। शाम को समस्या और भी बढ़ गई। रविवार को अवकाश समाप्त होने के बाद टूरिस्टों के वापस लौटने की वजह से जाम की समस्या बनी है। जाम में स्थानीय लोग परेशान रहे।

कोतवाली के सामने लगा जाम। ● अमृत विचार

दो गुट भिड़े, चाकू लगने से तीन घायल

नैनीताल: मॉलरोड पर कॉफी का स्टॉल लगाने को लेकर दो गुटों की लड़ाई में तीन युवक घायल हो गए। अस्पताल में उपचार के बाद तीनों को छुट्टी दे दी है। रविवार देर शाम को मालरोड में पुस्तकालय के समीप अवैध कॉफी के स्टॉल लगाने को लेकर दो गुटों में विवाद हो गया।

इस दौरान एक होटल के कर्मचारी ने युवकों से मारपीट कर दी। मारपीट बढ़ी तो कर्मचारी ने युवकों पर चाकू से वार कर दिया। इस दौरान तीन युवक चाकू लगने से घायल हो गए। घायल युवकों को बीडी पांडे अस्पताल भेजा गया। जहां से शौरभ, अनिकेत व सूरज को उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई है। कोतवाल हेम पंत ने बताया कि पर शौर्य कुमार, अनिकेत कुमार, सूरज, अक्षय, मनोज, आंनद के खिलाफ पुलिस एक्ट में कार्रवाई की गई है।

प्राधिकरण पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: पहाड़ी आर्मी नगर अध्यक्ष फौजी भुवन पहाड़ी हिंदू के नेतृत्व में मंगलवार को सिटी मजिस्ट्रेट को एक ज्ञापन भेजा। ज्ञापन में पटेल चौक भैरव मंदिर के पास 1958 से रह रहे पीड़ित परिवार दीपा बोरा, विनोद सिंह बिष्ट और मोहन सिंह बोरा को कथित रूप से उनके 65 साल पुराने कब्जे से हटाए जाने और दुकान न दिए जाने के मामले में गंभीर आरोप लगाए गए हैं।

पीड़ितों ने बताया कि 2019 में आग लगने के बाद कुछ लोगों ने खुद को बिल्डिंग का मालिक बताते हुए मेंटेनेंस के नाम पर भवन निर्माण कराया, लेकिन बिल्डिंग बनने के बाद उन्हें अपनी ही दुकान में प्रवेश नहीं करने दिया गया। आरोप है कि बिल्डिंग किसी अन्य व्यक्ति को बेच दी गई और उसकी सरकारी रजिस्ट्री भी करा दी गई।

पहाड़ी आर्मी ने ज्ञापन में सवाल उठाया कि क्या यह सब जिला प्राधिकरण की मिलीभगत से हुआ और क्या किसी साजिश के तहत सरकारी भूमि पर कब्जा कर सरकार को राजस्व का नुकसान पहुंचाया गया। संगठन ने इसे गहन जांच का विषय बताया है। संगठन ने चेतावनी दी कि यदि मामले की निष्पक्ष जांच नहीं की गई और पीड़ितों को न्याय नहीं मिला, तो पहाड़ी आर्मी उत्तराखंड पटेल चौक पर आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी। इस दौरान राजेंद्र कांडपाल, हिमांशु शर्मा आदि रहे।

सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन देते पहाड़ी आर्मी संगठन के लोग। ● अमृत विचार

लोगों को एकजुट होने की जरूरत

हल्द्वानी, अमृत विचार : पहाड़ी आर्मी का पहाड़ी हिंदू सशक्तिकरण अभियान नगर सचिव बसंत बिष्ट के नेतृत्व में बिठोरिया स्थित ठाकुर कॉलोनी में चलाया गया। इसमें कई महिलाओं और युवाओं ने संगठन की सदस्यता ली। पहाड़ी आर्मी संस्थापक अध्यक्ष हरीश रावत ने कहा राज्य में राज्य विरोधी सावधान रहें अब समय आ गया है विरोधी ताकतों को राज्य से बाहर करने का क्योंकि पर्वतीय अस्मिता संस्कृति और संसाधनों की रक्षा के लिए अब पर्वतीय समाज संकल्पित हो चुका है। इस दौरान महिला नगर अध्यक्ष कविता जीना, जिला प्रभारी नैनीताल हिमांशु शर्मा, कैलाश चंद्र, तारा चंद्र पांडे, दिनेश चंद्र अधिकारी, भारत सिंह नेगी, ममता बिष्ट, शुसमा बोरा, रीता मेहरा, कविता रावत आदि रहे।

सर्वेक्षण | राजस्थान के भीलवाड़ा जिले से रिकॉर्ड की गई टाइनी ग्रास ब्लू जिज़ुला हिलैक्स

भारत की सबसे छोटी तितली को लेकर संशय दूर

राकेश सनवाल, भीमताल

अमृत विचार: भारत की सबसे छोटी तितली कौन है? इस पर आज तक संशय बना हुआ था। राजस्थान के भीड़वाला जिले से भारत में अब तक की सबसे छोटी तितली पाई गई है। टाइनी ग्रास ब्लू जिजुला हिलैक्स की यह तितली को अब तक भारत की सबसे छोटी तितली माना जा रहा है।

बटर फ्लाई शोध संस्थान भीमताल के निदेशक पीटर स्मैटाचैक बताते हैं कि अगस्त में राजस्थान के भीड़वाला में एक सर्वेक्षण के दौरान अनिल सरसावन ने यह तितली देखी और उत्तेजित होकर जाल की मांग करने लगे जाल मिलते ही उन्होंने तितली को कैद कर लिया। तितली को नापने के लिए बटरफ्लाई शोध संस्थान भीमताल लाया गया। आपके लिए आवश्यक प्रक्रिया अपनाते हुए जब इसको नापा गया और पता चला कि यह 13.2 मिमी चौड़ी है। इस प्रजाति के अन्य तितली 16 से 24 मिली मीटर चौड़ी होती है। इससे यह निष्कर्ष निकाला गया कि राजस्थान की यह तितली न केवल अपनी प्रजाति की सबसे छोटी तितली है परंतु आज तक भारत में पाई गई सबसे छोटी तितली है। यह तितली की प्रजाति दक्षिण अफ्रीका से उत्तरी अफ्रीका सऊदी अरब से भारत और ऑस्ट्रेलिया तक पाई जाती है।

यह तितली मादा है। कीटों में अक्सर मादा बड़ी होती है क्योंकि उनको एंड ढोने होते हैं। यह सबसे छोटी तितली मादा है और अनुमान लगाया जा रहा है कि इसके लार्वा को पर्याप्त खुराक न मिलने के कारण वह छोटी रह गई। इसी दौरान नेपाल में पोखरा स्थित नेचुरल हिस्ट्री म्यूजियम में एक असामान्य छोटी तितली नापी गई।

यह तितली पूर्व शोधकर्ताओं के द्वारा 12 मिमी की नापी गई थी परंतु नाप की उचित प्रक्रिया के अनुसार वह भी 13.2 मिमी की है यह नेपाली तितली लेसर ग्रास ज्वेल फ्रीरिया पुतली है अर्थात भारत की सबसे छोटी तितली टाइनी ग्रास ब्लू प्रजाति है और नेपाल की सबसे छोटी तितली लेसर ग्रास ज्वेल फ्रीरिय है। दोनों की माप बराबर की है। इस तितली का उल्लेख साइंटिफिक पत्रिका बाय नोट्स के सितंबर 2025 के अंक में भी किया गया है।

टाइनीग्रास ब्लू ज़िज़ुलाहिलैक्स।

> खुशी हुई कि सबसे छोटी तितली होने का प्रश्न का उत्तर मिल चुका है। आशा है कि शीघ्र ही इससे भी छोटी तितली मिले ताकि हमारा ज्ञान बढ़ सके। –**पीटर स्मैटाचैक** निदेशक बटर फ्लाई शोध संस्थान भीमताल

नगदी के साथ धरा गया सटोरिया

हल्द्वानी : पुलिस ने गश्त के दौरान एक सटोरिये को रंगेहाथ दबोच लिया। पुलिस के मुताबिक, बीती 23 नवंबर को एसआई जगबीर सिंह, कांस्टेबल सुनील कुमार और दिलशाद अहमद गश्त पर थे। खबर मिली कि उत्तर उजाला में रहमान मेडिकल के पास स्थित एक घर में सट्टा खेला जा रहा है।

पुलिस मौके पर पहुंची तो एक व्यक्ति कुर्सी-मेज लगाकर सट्टे की खाई-बाड़ी कर रहा था। पुलिस ने आरोपी को मौके से दबोच लिया और उसके पास से 4770 रुपये के साथ सट्टा-पर्ची आदि बरामद की। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम इरफान अहमद पुत्र इकबाल अहमद निवासी मोहम्मदी मस्जिद इन्द्रानगर बनभूलपुरा हल्द्वानी बताया। कहा कि वह कई लोगों से सट्टा लगवाता है।

पर्वतीय क्षेत्रों में पिछले चार साल से ज्यादा पड़ रही है ठंड

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: नैनीताल जिले के पर्वतीय क्षेत्रों में इस समय रात के समय कड़ाके की ठंड पड़ रही है। यहां ठंड पिछले चार साल से ज्यादा पड़ रही है। आने वाले दिनों में तापमान में और भी गिरावट आने के आसार हैं।

मुक्तेश्वर में अधिकतम तापमान 15.5 डिग्री और न्यूनतम तापमान 2.5 डिग्री है। सामान्य तौर पर मुक्तेश्वर में इन दिनों न्यूनतम तापमान चार से पांच डिग्री तक रहता है लेकिन हवाओं का रुख बदलने की वजह से रात के समय पारे में जबरदस्त गिरावट आ रही है। मौसम विज्ञान केंद्र देहरादून के अनुसार मुक्तेश्वर में साल 2020 में 22 नवंबर को न्यूनतम तापमान 1.7 डिग्री, 29 नवंबर 2019 को 2.3 डिग्री रहा। इसके अलावा पिछले 10 सालों में इस दूसरी बार रात के समय इतनी कड़ाके की ठंड पड़ रही है। यही हाल अन्य पर्वतीय क्षेत्रों का भी है। मैदानी इलाकों की बात करें यहां भी यही हाल हैं। हल्द्वानी में अधिकतम तापमान 25 डिग्री और न्यूनतम तापमान 6.8 डिग्री है। पिछले पांच सालों में यह सबसे कम पारा है। रात के समय अब सर्द हवाओं से हल्की गलन भी हो रही है। एकदम से मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है।

पश्चिमी हवाओं की वजह से बदला मौसम

हल्द्वानी : मौसम विज्ञान केंद्र देहरादून के अनुसार इस समय पश्चिमी हवाएं चल रहीं हैं। पश्चिमी हवा ही पश्चिमी विक्षोभ भी लाती हैं। पश्चिम से आने वाली हवा सर्द होती है जबकि पूर्व से आने वाली हवा अपेक्षाकृत गर्म होती है। पश्चिमी हवाओं की वजह से ही उत्तराखंड में तापमान में एकदम से गिरावट आ रही है। राजधानी देहरादून में न्यूनतम तापमान 8 .4 डिग्री है जो पिछले पांच सालों में सबसे कम है। यही हाल रहे तो अगले चार से पांच दिनों में ठंड में और भी बढ़ोत्तरी होगी।

सिटी ब्रीफ

सेवा संस्था की सचिव बनीं पूनम चंद

हल्द्वानी: मानव विकास सेवा संस्था में पूनम चंद को सचिव की जिम्मेदारी मिली है। सोमवार को संस्था कार्यालय में हुई बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया। संस्था के संरक्षक जीएस रावत, कोषाध्यक्ष साक्षी बेलवाल, उपाध्यक्ष अमन सिंह अरोड़ा, राजा, राजू शर्मा, कार्यकारिणी सदस्य राजीव कुमार शर्मा, प्रदीप बर्गली, बहादुर सिंह, शंकर कोहली व दिव्या आदि ने शुभकामनाएं दी हैं।

इनर व्हील क्लब ने भेंट की वृद्धजनों को सामग्री

हल्द्वानी: इनर व्हील क्लब राइजिंग स्टार ने सोमवार को निरमला ओल्ड एज होम में वरिष्ठ नागरिकों के लिए डोनेशन ड्राइव का कार्यक्रम आयोजित किया। क्लब की ओर से वृद्धजनों को ऊनी शॉल, मोजे और इलेक्ट्रॉनिक हीटिंग वाटर बैग दिए गए, जिससे उन्हें ठंड के मौसम में राहत मिल सके। क्लब सदस्यों ने वृद्धाश्रम की आवश्यकता के अनुसार घर पर विशेष रूप से तैयार पौष्टिक भोजन भी वितरित किया। वरिष्ठजनों ने इस आयोजन के लिए क्लब का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में क्लब अध्यक्ष सीमा गोयल के साथ अन्य सदस्य भी शामिल रहीं। सभी ने वृद्धजनों के साथ समय बिताया और उनके प्रति स्नेह, सम्मान और सहयोग का संदेश दिया।

बागजाला में शुरू होगा सड़क निर्माण का कार्य

हल्द्वानी: मालिकाना अधिकार देने, बागजाला को राजस्व गांव बनाने, पंचायत चुनावों में मताधिकार को बहाल करने और निर्माण कार्यों पर लगी रोक हटाने सहित आठ सूत्रीय मांगों को लेकर बागजाला में चल रहा अनिश्चितकालीन धरना सोमवार को भी जारी रहा। धरना स्थल पर एसडीएम हल्द्वानी, एसडीओ वन विभाग और एई पीडब्ल्यूडी पहुंचे और आंदोलनकारियों से बात की। अखिल भारतीय किसान महासभा के प्रदेश अध्यक्ष आनंद सिंह नेगी के नेतृत्व में आंदोलनकारियों ने अपनी मांगों को रखा। एसडीएम ने आंदोलनकारियों को आश्वासन दिया कि रुकी हुई सड़क का निर्माण कार्य एक सप्ताह के भीतर शुरू कर दिया जाएगा। एसडीएम राहुल शाह ने कहा कि निर्माण कार्य और विकास कार्यों पर लगी रोक को हटाने के संबंध में जल्द ही एक प्रस्ताव तैयार किया जाएगा। पेयजल योजना को लेकर भी सहमति बनी कि जल संस्थान जैसे ही प्रस्ताव भेजेगा, वन विभाग त्वरित रूप से स्वीकृति देगा।

एनटीपीसी अफसरों ने ट्रंचिंग ग्राउंड का किया निरीक्षण

थर्मल प्लांट लगाने के लिए कवायद शुरू, नगर निगम और एनटीपीसी के बीच शीघ्र ही होगा औपचारिक अनुबंध

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: शहर की कूड़ा निस्तारण व्यवस्था को मजबूत करने के लिए नगर निगम और एनटीपीसी ने मिलकर कदम बढ़ाया है। नगर आयुक्त परितोष वर्मा ने एनटीपीसी के अधिकारियों के साथ बैठक की और इसके बाद ट्रंचिंग ग्राउंड का संयुक्त निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान एनटीपीसी के अधिकारियों ने थर्मल प्लांट लगाने के लिए चयनित जगह के लिए बाउंड्री वॉल, पानी की उपलब्धता सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं पर सुझाव दिए। उन्होंने निगम से प्लांट लगाने के लिए उनकी आवश्यकताओं के अनुसार जरूरी कार्य शीघ्र पूरे किए जाने के लिए कहा। नगर आयुक्त ने एनटीपीसी के अधिकारियों को आश्वस्त किया कि उनकी जरूरत के अनुरूप निगम कार्य करेगा, ताकि कूड़ा निस्तारण प्लांट लगाने के लिए कार्य शुरू किया जा सके। इधर, नगर आयुक्त ने बताया कि फिलहाल निगम और एनटीपीसी के बीच अनुबंध की प्रक्रिया गतिमान है। उन्होंने बताया कि शीघ्र ही दोनों संस्थाओं के बीच औपचारिक अनुबंध होगा। जिसके बाद प्लांट लगाने को लेकर कार्य शुरू किया जाएगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि नए साल में अनुबंध होने की उम्मीद है। निरीक्षण में एनटीपीसी के अधिकारी राजीव भाटिया, हिमांशु फुलोरिया आदि मौजूद रहे।

ट्रंचिंग ग्राउंड का निरीक्षण करते नगर आयुक्त परितोष वर्मा व एनटीपीसी के अधिकारी। ● अमृत विचार

थर्मल प्लांट में होगा एसटीपी के ट्रीटेड पानी का उपयोग

हल्द्वानी: नगर निगम की ओर से इंद्रानगर स्थित एसटीपी प्लांट से लेकर ट्रंचिंग ग्राउंड तक पाइपलाइन बिछाई जाएगी। इस पाइपलाइन के जरिये एसटीपी से फिल्टर होकर निकलने वाला पानी सीधे ट्रंचिंग ग्राउंड में प्रस्तावित एनटीपीसी प्लांट में उपयोग किया जाएगा। प्रोजेक्ट पर 1.10 करोड़ रुपये की लागत आएगी, जिसके बाद कूड़ा निस्तारण प्रक्रिया में पानी की कमी को दूर करते हुए प्लांट के संचालन में मदद मिलेगी। फिल्टर पानी के उपयोग से न केवल प्लांट को नियमित पानी उपलब्ध होगा, बल्कि पर्यावरण प्रदूषण नियंत्रण में भी सहायक होगा। पाइपलाइन बिछाने का कार्य जल्द शुरू किया जाएगा, ताकि एनटीपीसी प्लांट को निर्धारित समय पर चालू करने के लिए तैयारियां पूरी की जा सकें। एसटीपी के ट्रीटेड पानी का उपयोग होने से जमीन में छोड़े जा रहे अतिरिक्त पानी का भी सदुपयोग हो सकेगा। नगर आयुक्त परितोष वर्मा ने बताया कि एनटीपीसी के थर्मल प्लांट में एसटीपी का अधिकतर ट्रीटेड पानी इस्तेमाल होगा, जबकि पूर्व की तरह उन्हें अपनी जरूरत के अनुसार पानी उपलब्ध रहेगा। बताया कि प्रदूषण के मानकों के अनुसार भी पानी का उपयोग जरूरी है। नगर आयुक्त ने बताया कि इसके लिए शीघ्र ही बजट आवंटित होगा, जिसके बाद टेंडर प्रक्रिया शुरू की जाएगी और चयनित कार्यदायी संस्था को कार्य सौंपा जाएगा।

ट्रंचिंग ग्राउंड के कूड़े से बनाया जाएगा चारकोल

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : ट्रंचिंग ग्राउंड के कूड़े से चारकोल बनाए जाने का प्रोजेक्ट अब शीघ्र धरातल पर उतरने की उम्मीद है। इसके लिए नगर निगम की ओर से तैयारियां तेज कर दी गई हैं। एनटीपीसी की ओर से ट्रंचिंग ग्राउंड में प्लांट लगाया जाना है, जिसके लिए यहां जमा लाखों मीट्रिक टन कूड़े को हटाया जा रहा है। जगह खाली होने के बाद एनटीपीसी यहां प्लांट लगाने का काम शुरू करेगा, जिसके बाद रोजाना पहुंचने वाले कूड़े से चारकोल बनाया जाएगा।

पूर्व में निगम ने एनटीपीसी के साथ यहां वेस्ट टू चारकोल प्लांट लगाने को अनुबंध किया था। लेकिन खाली जगह उपलब्ध नहीं होने के कारण आज तक प्लांट नहीं लग पाया है। एनटीपीसी को दस एकड़ जमीन उपलब्ध होने के बाद ही काम शुरू होना है। इसके लिए, निगम ने बीते अप्रैल में लीगेसी वेस्ट प्लांट से काम शुरू भी कर दिया। लेकिन अभी भी यहां बड़ी मात्रा में कूड़ा जमा है। टेंडर शर्त के अनुसार 1.39 लाख मीट्रिक टन कूड़ा हटाया जाना है। जिसमें से करीब 90 हजार मीट्रिक टन कूड़ा हटाया जा चुका है।

वर्तमान में दो लीगेसी प्लांट की मदद से जमा कूड़े में से प्लास्टिक, धातु और अन्य कचरे को अलग कर शेष कूड़े से खाद बनाई जा रही है। अब निगम इस खाद को चयनित खाली जगह पर डाल रहा है, ताकि शीघ्र प्लांट लगाने के लिए जगह खाली की जा सके। इससे यहां एनटीपीसी को वेस्ट टू चारकोल प्लांट का निर्माण शुरू करने के लिए जगह मिल जाएगी। प्लांट चालू होने के बाद 25 साल तक एनटीपीसी संचालन करेगा। नगर आयुक्त परितोष वर्मा ने बताया लीगेसी प्लांट से प्रोसेस किए गए कूड़े को खाली जगह पर डालकर नए साल से पूर्व एनटीपीसी के थर्मल प्लांट लगाने को पर्याप्त जगह बनाई जा रही है।

हल्द्वानी में कई दिन बिजली गुल, यहां रहेगा शटडाउन

हल्द्वानी: शहर में 33/11 केवी उपसंस्थानों पर मेंटेनेंस कार्यों के चलते कई क्षेत्रों में बिजली गुल रहेगी। शहरी क्षेत्र के ईई प्रदीप कुमार ने बताया कि 11 केवी मुखानी फीडर का लोड कम करने और नई 11 केवी की केबल लाइन बिछाने के तहत गायत्री नगर और गौलापार क्षेत्र में 11 केवी लाइन व केबल बदलने का कार्य किया जाना है।

विभाग की जानकारी के अनुसार 25, 27 और 29 नवम्बर 2025 को 33/11 केवी हाईडिल गेट, काठगोदाम सब स्टेशन से जुड़े मुखानी फीडर से जुड़े क्षेत्रों में 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक शटडाउन रहेगा। इसी प्रकार 01 और 03 दिसम्बर को 33/11 केवी सुभाष सब स्टेशन के नवाबी रोड-1 फीडर व 05 दिसम्बर को 33/11 केवी गौलापार सब स्टेशन के कालीचौड़ फीडर से जुड़े क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति प्रभावित रहेगी। इसके अलावा 24, 25, 26 और 28 नवम्बर को 33/11 केवी एचएमटी रानीबाग व गौलापार सब स्टेशन के अंतर्गत आने वाले गायत्री नगर, नलकूप, दानीबंगर, कालीचौड़ फीडर से जुड़े क्षेत्रों में भी शटडाउन रहेगा। 28 नवम्बर को सुबह 9:30 बजे से 3:30 बजे तक चलेगा।

उपनल कर्मियों का धरना-प्रदर्शन जारी

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: नियमितीकरण की मांग को लेकर उपनल कर्मियों का आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है। बुद्ध पार्क में छठे दिन भी कर्मचारियों ने प्रदर्शन कर सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। कर्मियों का कहना है कि न्यायालय ने भी उपनल कर्मचारियों के पक्ष में फैसला दिया है, इसके बावजूद सरकार आदेशों का पालन नहीं कर रही है।

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि दस साल से अधिक समय से सेवाएं दे रहे कर्मचारियों को अब तक नियमित नहीं किया गया, जो सरासर अन्याय है। प्रदेश अध्यक्ष प्रताप सिंह बोरा और कुमाऊं मंडल अध्यक्ष मोहन सिंह रावत ने आरोप लगाया कि सरकार आठ से दस घंटे काम लेने के बावजूद कर्मचारियों को मूलभूत सुविधाओं से भी वंचित रख रही है और वेतन तक समय से जारी नहीं किया जाता। कर्मचारियों का कहना है कि उपेक्षा और उत्पीड़न से उनका धैर्य टूट रहा है। चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा कि यदि मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो वे सड़क पर उतरकर उग्र आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

बुद्ध पार्क में धरना देते उपनल कर्मचारी। ● अमृत विचार

मांगों को लेकर राष्ट्रीय संघर्ष समिति ने की बैठक

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : राष्ट्रीय संघर्ष समिति की हल्द्वानी इकाई की बैठक सोमवार को उत्तराखंड परिवहन निगम डिपो वर्कशॉप, काठगोदाम में हुई। बैठक में एफसीआई, परिवहन निगम, लालकुआं पेपर मिल, नेपा पेपर मिल, केमू, कुमाऊं मंडल विकास निगम, वन निगम, एचएमटी सहित विभिन्न निगमों के सेवानिवृत्त कर्मियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

बैठक की अध्यक्षता राजेन्द्र वालिया ने की, जबकि संचालन जगत सिंह डोबाल ने किया। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि केंद्रीय समिति के निर्देश के अनुसार 3 और 4 दिसंबर को दिल्ली के जंतर-मंतर पर बड़े स्तर पर धरना दिया जाएगा। उनका कहना था कि पेंशनर्स केवल 7500 प्लस डीए, चिकित्सा सुविधा और अपेक्स कोर्ट के फैसले के सही क्रियान्वयन की मांग कर रहे हैं, लेकिन सरकार इन मांगों को नजरअंदाज कर रही है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2020 और 2022 में न्यूनतम पेंशन बढ़ाने का आश्वासन दिया था और श्रम मंत्री मनसुखभाई मंडविया भी लिखित रूप से आश्वासन दे चुके हैं, लेकिन अभी तक कोई सकारात्मक परिणाम सामने नहीं आया है। बैठक के बाद पेंशनर्स ने ईपीएफ आयुक्त के माध्यम से श्रम मंत्री, वित्त मंत्री और गृह मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा और नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। इसके बाद सिटी मजिस्ट्रेट को भी ज्ञापन सौंपा। समिति ने निर्णय लिया कि बड़ी संख्या में लोग दिल्ली धरने में भाग लेंगे। प्रांतीय समन्वयक भूपेंद्र अधिकारी, जिला महामंत्री गणेश मेलकानी, राज्य सचिव बृज मोहन सिजवाली, उपाध्यक्ष भुवन कांडपाल, अध्यक्ष केएमवीएन राकेश शर्मा, यूटीसी सुरेश जोशी, पेपर मिल प्रयाग जोशी और वीरेंद्र परिहार, ललित शाह, भुवन शाह रहे।

सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपते पेंशनर्स। ● अमृत विचार

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि०
कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड (ग्रामीण)
33/11 केवी उपसंस्थान परिसर, कमलुवागांजा रोड, कमलुवागांजा, हल्द्वानी (नैनीताल)

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि०

E-mail: erddh@yahoo.co.in, फोन : (05946) 292040, फैक्स : (05946) 298318

पत्रांक : 3934/वि०वि०ख०ग्रा०(ह०)/ दिनांक : 24-11-2025

अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा जी०एस०टी०, ई०पी०एफ०, आयकर में पंजीकृत एवं विद्युत सुरक्षा निदेशालय में 'ए' श्रेणी में पंजीकृत अनुभवी, प्रतिष्ठित ठेकेदारों/फर्मों से निम्न कार्यों हेतु मुहरबन्द निविदायें निर्धारित निविदा प्रारूप पर निविदा खुलने की तिथि 16.12.2025 को समय 3.00 अपरान्ह तक आमंत्रित की जाती हैं जो उसी दिन अपरान्ह 3:30 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष अधोहस्ताक्षरकर्ता या उनके मनोनीत अधिकारी द्वारा खोली जायेंगी। निविदा के प्रथम भाग में धरोहर राशि जो एफ.डी.आर./सी.डी.आर./एन.एस.सी. के रूप में होगी एवं अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड (ग्रामीण) के पदनाम प्रतिभूत होगी एवं आयकर एवं जी०एस०टी० पंजीकरण प्रमाणपत्र, विद्युत सुरक्षा निदेशालय का पंजीयन एवं सम्बन्धित प्रमाण पत्र। निविदा के भाग-2 निविदा की वैधता (रू० 10 के स्टाम्प पेपर पर) एवं दरें होंगी। सशर्त एवं बिना धरोहर राशि के निविदा स्वीकार नहीं होंगी। निविदा सम्बन्धी विवरण क्रमानुसार पढ़ा जाय-क्रम सं०, कार्य का विवरण, धरोहर राशि, निविदा सं० एवं निविदा प्रपत्र का शुल्क जी०एस०टी० सहित।

1. प्रणाली सुधार मद में विद्युत वितरण खण्ड (ग्रामीण), हल्द्वानी के अन्तर्गत उपखण्ड कमलुवागांजा के 33/11 केवी उपसंस्थान, कठघरिया क्षेत्र में विद्युत समस्या के समाधान हेतु विभिन्न स्थानों में नये विद्युत परिवर्तकों की स्थापना एवं सम्बन्धित सामग्री की आपूर्ति का कार्य, रू० 20000.00, 54/2025-26, रू० 590.00 (कर सहित)।
2. प्रणाली सुधार मद में विद्युत वितरण खण्ड (ग्रामीण), हल्द्वानी के अन्तर्गत उपखण्ड कमलुवागांजा के 33/11 केवी उपसंस्थान, कठघरिया क्षेत्र में विद्युत समस्या के समाधान हेतु विभिन्न स्थानों में नये विद्युत परिवर्तकों की स्थापना एवं सम्बन्धित सामग्री की आपूर्ति का कार्य, रू० 28500.00, 55/2025-26, रू० 590.00 (कर सहित)।
3. प्रणाली सुधार मद में विद्युत वितरण खण्ड (ग्रामीण), हल्द्वानी के अन्तर्गत उपखण्ड कमलुवागांजा के 33/11 केवी उपसंस्थान, कठघरिया के ब्लॉक बिठोरिया क्षेत्र में विद्युत समस्या के समाधान हेतु विभिन्न स्थानों में नये विद्युत परिवर्तकों की स्थापना तथा परिवर्तको की क्षमता वृद्धि एवं सम्बन्धित सामग्री की आपूर्ति का कार्य, रू० 15000.00, 56/2025-26. रू० 295.00 (कर सहित)।
4. प्रणाली सुधार मद में विद्युत वितरण खण्ड (ग्रामीण), हल्द्वानी के अन्तर्गत उपखण्ड कमलुवागांजा के 33/11 केवी उपसंस्थान, कमलुवागांजा क्षेत्र में विद्युत समस्या के समाधान हेतु विभिन्न स्थानों में नये विद्युत परिवर्तकों की स्थापना तथा परिवर्तको की क्षमता वृद्धि एवं सम्बन्धित सामग्री की आपूर्ति का कार्य, रू० 38000.00, 57/2025-26, रू० 1180.00 (कर सहित)।
5. प्रणाली सुधार मद में विद्युत वितरण खण्ड (ग्रामीण), हल्द्वानी के अन्तर्गत 33/11 केवी उपसंस्थान, फुटकुआं में 2x5 MVA to 2x12.5 MVA पावर परिवर्तक की क्षमता वृद्धि एवं सम्बन्धित सामग्री की आपूर्ति का कार्य, रू० 40000.00, 58/2025-26, रू० 1180.00 (कर सहित)।

निविदा प्रपत्र, इस कार्यालय से कार्य दिवस में दिनांक 15.12.2025 तक निविदा प्रपत्र की कीमत अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड (ग्रामीण), हल्द्वानी के नाम बैंक ड्राफ्ट/ बैंकर्स चैक से भुगतान करने पर प्राप्त किये जा सकते हैं। अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा प्राप्त निविदाओं में से किसी एक अथवा समस्त निविदाओं को निरस्त करने का अधिकार रखता है। निविदा खुलने की तिथि को अवकाश होने की स्थिति में निविदा अगले कार्य दिवस में प्राप्त एवं खोली जायेगी।

"Customer Care Toll Free No. 1912"
"Pay Electricity Bill Online 24x7 from www. upcl.org"
"विद्युत बिलों के 24x7 आनलाईन भुगतान हेतु www.upcl.org पर जाएँ"
"राष्ट्रहित में विद्युत बचायें"

अधिशासी अभियन्ता

इशानी को भरतनाट्यम में प्रथम पुरस्कार

संवाददाता, हल्दूचौड़

अमृत विचार: डीपीएस हल्द्वानी की कक्षा-6 में अध्ययनरत 11 वर्षीय छात्रा हल्दूचौड़ निवासी प्रेम शंकर जोशी एवं हेमा जोशी की सुपुत्री इशानी जोशी ने दिल्ली के डॉ. बीआर अंबेडकर ऑडिटोरियम, आंध्र भवन में आयोजित गीतांजलि राष्ट्रीय उत्सव एवं प्रतियोगिता में भरतनाट्यम में प्रथम पुरस्कार तथा उत्कृष्टता प्रमाण पत्र प्राप्त कर क्षेत्र, विद्यालय और परिवार को गौरवान्वित किया है। यह प्रतियोगिता 22-23 नवम्बर 2025 को गीता जयंती के उपलक्ष्य में नृत्यांजलि संस्था द्वारा कला और संस्कृति के हेतु आयोजित की गई थी। बाल प्रतिभा इशानी ने अपनी भरतनाट्यम नृत्य प्रस्तुति से निर्णायक मंडल को अत्यंत प्रभावित किया और सर्वश्रेष्ठ कलाकार के रूप में चयनित हुई। इशानी ने अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय और राज्यस्तरीय प्रतियोगिताओं में अनेक पुरस्कार और सम्मान प्राप्त किए हैं। वे अपनी सफलता का श्रेय अपने गुरु शुभम खोवल को देती हैं, जिनके मार्गदर्शन में निरंतर कठोर अभ्यास करती रही हैं।

पुरस्कार के साथ इशानी जोशी।

इशानी की माता हेमा जोशी शिक्षिका हैं, जो संसाधनविहीन ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों को शिक्षित कर रही हैं। वहीं, उनके पिता प्रेम शंकर जोशी युवा उद्यमी हैं। इशानी की उपलब्धि से हल्दूचौड़, हल्द्वानी और डीपीएस विद्यालय परिवार में हर्ष की लहर है। इशानी को उनके गुरुजन, परिवार, विधायक डॉ. मोहन सिंह बिष्ट, पूर्व मंत्री हरीश चंद्र दुर्गापाल, पूर्व विधायक नवीन दुम्का, युवा प्रदेश महामंत्री भाजपा दीप कोश्यारी, चेयरमैन सुरेंद्र सिंह लोटनी, कांग्रेसी नेता हरेन्द्र बोरा, पूर्व नपं अध्यक्ष राम बाबू मिश्रा, समाजसेवी हेमवती नंदन दुर्गापाल, ग्राम प्रधान संगठन जिलाध्यक्ष गोपाल अधिकारी, प्रधान पूजा बिष्ट, क्षेपं सदस्य चिंतामणि पांडे, रुक्मणि नेगी, उमा शंकर जोशी व कैलाश दुम्का ने बधाई दीं हैं।

गुरु तेग बहादुर का शहीदी पर्व आज, सजेगा दीवान

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: गुरुद्वारा गुरु नानकपुरा ठंडी सड़क में गुरु तेग बहादुर के साढ़े 350वें शहीदी पर्व में आज विशेष दीवान सजाए जाएंगे। कीर्तन दरबार में संगत गुरुबाणी कीर्तन और कथा का आयोजन होगा।

कीर्तन दरबार में बाहर से आए प्रसिद्ध कीर्तनी जत्थों के साथ कथावाचक गुरसेवक सिंह, ज्ञानी गुरबाज सिंह आजाद और ज्ञानी सतपाल सिंह (दिल्ली) गुरुबाणी कीर्तन व गुरु साहिब के जीवन के बारे में जानकारी देंगे। गुरुद्वारे के स्टेज सचिव अमरजीत सिंह आनंद ने बताया कि सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। गुरुद्वारे के स्टेज सेक्रेटरी अमरजीत सिंह आनंद ने बताया कि 10 बजे से कार्यक्रम आरंभ हो जाएगा और 3 बजे दिन का कार्यक्रम का समापन होगा। रात के दीवान शाम 7 से 10 तक सजाए जाएंगे, साथ ही लंगर भी लगाया जाएगा। गुरु तेग बहादुर साहिब के स्कूल के बच्चे और खालसा स्कूल के बच्चों ने शहीदी दिवस को समर्पित प्रभात फेरी निकाली। यह प्रभात फेरी ठंडी सड़क होते हुए गुरु नानकपुरा गुरुद्वारा साहिब पहुंची। सभी बच्चों ने गुरु साहिब के दर्शन किए, जिसके बाद ज्ञानी ठाकुर सिंह ने गुरु तेग बहादुर साहिब की जीवन के बारे में बच्चों को जानकारी दी।

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि०
कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड (ग्रामीण)
कमलुवागांजा, कमलुवागांजा रोड, हल्द्वानी (नैनीताल)

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि०

E-mail: erddh@yahoo.co.in, फोन : (05946) 292040, फैक्स : (05946) 298318

संख्या : 3933/वि०वि०ख०ग्रा०(ह०)/ ई निविदा सूचना दिनांक : 24/11/2025

क्र० सं०	ई निविदा संख्या	सामग्री का नाम	निविदा प्रपत्र मूल्य जी० एस०टी० सहित (रु०) (बैंक ड्राफ्ट)	धरोहर धनराशि (रु० में) (एफ०डी०आर०/ सी०डी०आर०)	ई निविदा क्रय करने हेतु अन्तिम तिथि एवं समय	ई निविदा अपलोड करने की तिथि एवं समय	ई-निविदा भाग-1 खुलने की तिथि एवं समय
1	ई०डी०डी० आर०(एच०)/ ई-निविदा 53/2025-26	अनुसांगिक मद में विद्युत वितरण खण्ड (ग्रामीण), हल्द्वानी के अन्तर्गत 6 नग डेस्कटॉप, 6 नग यू०पी०एस० एवं 4 नग प्रिन्टर की आपूर्ति का कार्य।	590.00	15500.00	11/12/2025 (15:00 बजे तक)	12/12/2025 (12:30 बजे तक)	12/12/2025 (02:00 बजे)

कार्य की मदें एवं शर्तें विभागीय वैब साईट www.uktenders.gov.in पर देखी जा सकती है।

"राष्ट्रहित में विद्युत बचायें"
"विद्युत बिलों के 24x7 ऑनलाईन भुगतान हेतु WWW.UPCL.Org पर जायें"
"Customer Toll Free No. 1912"

अधिशासी अभियन्ता
विद्युत वितरण खण्ड (ग्रामीण),
हल्द्वानी

एमबी इंटर कॉलेज मैदान में सहकारिता मेला आज से

हल्द्वानी : जनपद नैनीताल में 25 नवंबर से 1 दिसंबर तक सात दिवसीय सहकारिता मेला लगाया जाएगा। इस मेले में सरकारी महकमों के साथ ही महिला स्वयं सहायता समूहों के स्टॉल भी लगाए जाएंगे।

सोमवार को नैनीताल रोड स्थित कैंप कार्यालय में डीएम ललित मोहन रयाल ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के उपलक्ष्य में जिला प्रशासन, सहकारिता विभाग एवं नैनीताल जिला सहकारी बैंक लिमिटेड की ओर से सहकारिता मेला-2025 लगाया जा रहा है। सात दिवसीय मेला 25 नवंबर से 1 दिसंबर 2025 तक एमबी इंटर कॉलेज मैदान में लगाया जाएगा। बताया कि मेले में सरकारी विभागों के 25 स्टॉलों के साथ ही महिला स्वयं सहायता समूहों के भी स्टॉल समेत 130 स्टॉल लगाए जाएंगे। किसानों, महिला स्वयं सहायता समूहों एवं विभागीय योजनाओं के लाभार्थियों को चेक वितरण होगा। स्थानीय एवं व्यावसायिक उत्पादों की बिक्री की जाएगी। स्कूली बच्चों के लिए, निबंध, चित्रकला, ऐपण, रंगोली प्रतियोगिताएं होंगी। मेले में प्रतिदिन सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे।

ब्रीफ न्यूज

दुकान सामान लेने गया किशोर लापता

काशीपुर : दुकान से सामान लेने गया एक 15 वर्षीय किशोर संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया। ग्राम सरवरखेड़ा निवासी इकबाल ने कुंडा पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसका 15 वर्षीय पुत्र बीती 21 नवंबर की सुबह करीब 6 बजे घर से दुकान में सामान खरीदने गया था, जो वापस नहीं आया। काफी खोजबीन के बाद उसका कुछ पता नहीं चला। पुलिस ने तहरीर के आधार पर किशोर की गुमशुदगी दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

बाइक फिसलने से युवक घायल

काशीपुर : शंकरपुरी निवासी ध्रुव शर्मा घर से बाइक पर सवार हो बाजार की ओर जा रहे थे। रास्ते में अचानक बाइक फिसल गई। इससे वह घायल हो गए। सूचना पर पहुंची 108 एंबुलेंस ने उन्हें एलडी भट्ट राजकीय उप जिला चिकित्सालय पहुंचाया। चिकित्सक ने प्राथमिक इलाज के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया।

छत से गिरकर चार वर्षीय बच्चा घायल

काशीपुर : श्यामपुरम निवासी चार वर्षीय सनी राज छत से गिर गिया। परिजनों ने उसे एलडी भट्ट राजकीय उप जिला चिकित्सालय पहुंचाया। चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पंतनगर के सेवानिवृत्त प्रोफेसर से 7.50 लाख की ठगी

यूएनडीपी में प्रोजेक्ट मैनेजर बनने का दिया झांसा, ज्वाइनिंग लेटर नहीं आने पर दी तहरीर, साइबर क्राइम में दर्ज किया मुकदमा

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः पंतनगर विश्वविद्यालय से सेवानिवृत्त हुए प्रोफेसर को यूएनडीपी में प्रोजेक्ट मैनेजर की नौकरी दिलाने का झांसा देकर लाखों रुपये की साइबर ठगी होने का मामला सामने आया है। साइबर क्राइम थाना पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार एलायंस सिटी निवासी महेंद्र पाल सिंह ने बताया कि वह जून 2025 में पंतनगर कृषि विश्वविद्यालय से प्रोफेसर के पद से रिटायर्ड हुआ था। जब वह ऑनलाइन जॉब के लिए गूगल सर्च कर रहा था कि तभी सेवानिवृत होने से पहले यूनाइटेड नेशन डेवलपमेंट प्रोग्राम में प्रोजेक्ट मैनेजर के पद पर आवेदन किया। आठ अगस्त 2025 को मेल आईडी पर मेल प्राप्त हुई। जिसमें लिखा था कि उसका चयन यूएनडीपी में हांगकांग चीन के लिए प्रोजेक्ट मैनेजर पर हुआ है। जिसके तहत ऑनलाइन ही दस्तावेज देना अनिवार्य है। लगातार मिल रहे निर्देश के तहत हांगकांग कृषि विभाग का खाता दिया और नौ सितंबर को खाते में 4200 यूएसडी, 26 सितंबर को अन्य दस्तावेज तैयार करने के लिए 4700 यूएसडी, 29 सितंबर तक 8900 यूएसडी ट्रांसफर कर दी। जो कि भारतीय मुद्रा के 7.50 लाख रुपये होते है। बताया कि जब काफी दिनों तक ज्वाइनिंग पत्र नहीं आया तो साइबर ठगी का एहसास हुआ और गूगल वेबसाइट भी बंद आने लगी। रिटायर्ड प्रोफेसर ने साइबर क्राइम थाना पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रियल एस्टेट सीईओ बताकर हड़पे 2.31 लाख

रुद्रपुर : सिंह कॉलोनी के रहने वाले एक व्यक्ति को महिला द्वारा रियल स्टेट की सीईओ बताकर लाखों रुपये हड़पने का मामला सामने आया है। साइबर क्राइम थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सिंह कॉलोनी निवासी प्रदीप सक्सेना ने बताया कि 19 सितंबर को उसके फेसबुक मैसेंजर पर मैसेज आया और शीघ्र ही सानवी पटेल नाम की युवक की कॉल आई, जो खुद को रियल स्टेट गुड़गांव की सीईओ बता रही थी। बताया कि यदि शेयर ट्रेडिंग में निवेश किया जाता है तो दोगुना मुनाफा दिया जाएगा। इसके बाद युवती ने मोबाइल में मार्केट एक्सेस डाटा लाइव नाम की वेबसाइट में लॉग इन कर दिया। बताया कि उसने 23 सितंबर से छह अक्टूबर तक 2.31लाख का भुगतान कर दिया। युवती ने आश्वासन दिया था कि मुनाफा डॉलर में होगा। कई दिन बीत जाने के बाद जब कोई मुनाफा नहीं आया तो साइबर ठगी का एहसास हुआ। साइबर क्राइम थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

क्रेडिट कार्ड का लिंक खोलते ही हो गई 70 हजार की शॉपिंग

रुद्रपुर : खाताधारक ने जैसे ही क्रेडिट कार्ड का लिंक खोला, वैसे ही खाते से हजारों रुपये की निकासी का मैसेज आया। पता चला कि साइबर ठगों ने क्रेडिट कार्ड से खरीदारी कर डाली। साइबर क्राइम थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार थाना ट्रांजिट कैंप निवासी नरदेव सिंह ने बताया कि उसका एक्सिस बैंक में बचत खाता है और वर्ष 2014-15 से कंपनी की सैलरी भी खाते में आती है। वर्ष 2023 में बैंक द्वारा क्रेडिट कार्ड भेजा था। 17 नवंबर 2025 को मोबाइल पर क्रेडिट कार्ड का लिंक आया और जैसे ही क्लिक किया। वैसे ही 70 .298 रुपये निकासी का मैसेज आया और जांच की, तो पता चला कि अज्ञात व्यक्ति द्वारा क्रेडिट कार्ड से खरीदारी की है। तहरीर के आधार पर साइबर क्राइम थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

झूठे तथ्य पेश कर बैंक से ले लिया 2.72 लाख का लोन

संवाददाता, रुद्रपुर

बैंक के सामने धरना प्रदर्शन करते व्यापारी। • अमृत विचार

- व्यापारियों ने दिया बैंक के सामने धरना, शाखा प्रबंधक को सौंपा शिकायती पत्र

अमृत विचार : कोतवाली इलाके के रहने वाले एक व्यक्ति द्वारा अपने हिस्से की जमीन को बेचने के बाद भी बैंक में झूठे तथ्य पेश कर लाखों रुपये का लोन लेने का मामला सामने आया है। जब इसकी भनक भतीजे को लगी, तो व्यापारियों ने बैंक के सामने धरना प्रदर्शन कर प्रकरण की जांच कर रिकवरी करने का मुद्दा उठाया। उन्होंने आगाह किया कि यदि बैंक प्रबंधक ने कोई कार्रवाई नहीं की तो आंदोलन किया जाएगा।

सोमवार को धरना प्रदर्शन के दौरान व्यापारी नेता संजय जुनेजा ने बताया कि इंदिरा कॉलोनी के रहने वाले आशीष बागा की पैतृक भूमि गांव मलसा गिरधरपुर में है। पिता व चाचा के भूमि बंटवारे के बाद वर्ष 2013 और वर्ष 2018 में चाचा ने अपनी हिस्से की सभी भूमि विक्रय कर दी और वर्तमान में भूमि क्रय कर्ता दो महिलाओं के नाम दर्ज है। बताया कि वर्ष 2025 में चाचा ने वर्ष 2013 में विक्रय भूमि के तथ्यों को छिपाकर फर्जी दस्तावेज लगाकर बैंक ऑफ बड़ौदा से 2.72 लाख का लोन ले लिया, जबकि वर्तमान में आरोपी के पास कोई भूमि शेष नहीं है। जब इस की जानकारी भतीजे आशीष को हुई, तो बैंक शाखा प्रबंधक से संपर्क किया और शिकायती पत्र देने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। कई बार चक्कर काटने के बाद सोमवार को भड़के व्यापारियों ने बैंक के सामने धरना प्रदर्शन किया और शिकायती पत्र देकर लोन की रिकवरी करना, भविष्य में किसी भी प्रकार का ऋण नहीं देने और फर्जीवाड़ा करने पर कार्रवाई का मुद्दा उठाया। आगाह किया कि यदि बैंक ने कोई कार्रवाई नहीं की तो आंदोलन किया जाएगा। इस मौके पर राजेश कामरा, पवन गाबा, उमेश कुमार, संतोष कुमार सिंह, राजबहादुर सिंह, दीपक कुमार, विजय कक्कड़, मनीष बांगा, राजन ठुकराल मौजूद रहे।

बरातियों के बीच हुई मारपीट में दो घायल

बाजपुरः ग्राम नंदपुर नरकाटोपा में रविवार देर रात बरातियों के बीच हुई मारपीट में दो लोग घायल हो गए। अचानक हुए विवाद के बाद समारोह में अफरातफरी मच गई।

जानकारी के अनुसार रुद्रपुर से एक बरात रविवार की रात बाजपुर क्षेत्र के ग्राम नंदपुर नरकाटोपा आई थी। शादी समारोह देर रात तक चल रहा था। बताया जाता है कि इसी दौरान किसी बात को लेकर मध्य रात्रि में बरातियों के दो पक्षों में कहासुनी हो गई। देखते ही देखते कहासुनी ने गंभीर रूप ले लिया और मारपीट शुरू हो गई।

मारपीट में दो लोग घायल हो गए, जिन्हें स्थानीय लोगों ने बीच-बचाव कर अलग कराया। मारपीट की सूचना पर ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। कुछ देर तक पूरे समारोह में अफरातफरी का माहौल बना रहा। हालांकि किसी बड़े हादसे की आशंका को देखते हुए लोगों ने विवाद शांत कराने का प्रयास किया। घटना की सूचना पुलिस तक नहीं पहुंचाई गई।

ग्रामीणों का कहना है कि विवाद शराब के नशे में हुई कहासुनी के बाद भड़का। फिलहाल घटना के बाद गांव में स्थिति सामान्य है। वहीं पुलिस ने बताया कि इस तरह की कोई शिकायत नहीं मिली है। लिखित तहरीर मिलने पर जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

गांव की संदिग्ध गतिविधि को रजिस्टर में दर्ज करें चौकीदार

- कोतवाल सुंदरम शर्मा ने गांव के चौकीदारों के साथ बैठक की
- चौकीदारों को रजिस्टर वितरित किया गया

संवाददाता सितारगंज

सितारगंज कोतवाली में चौकीदारों की बैठक लेते कोतवाल सुंदरम शर्मा।

अमृत विचार : ग्रामीण सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद रखने के लिए कोतवाल सुंदरम शर्मा ने गांव के चौकीदारों के साथ बैठक की। उन्होंने चौकीदारों से गांव में होने वाली संदिग्ध गतिविधियों पर पैनी नजर बनाए रखने और उसे रजिस्टर में अंकित करने के निर्देश दिए।

कोतवाल सुंदरम शर्मा ने बताया कि कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत करीब 40 चौकीदार हैं, जो गांव में कानून व्यवस्था बनाए रखने में अहम भूमिका निभाते हैं। यह ना सिर्फ सुरक्षा प्रहरी बल्कि जमीनी खुफिया इकाई के रूप में पुलिस का सहयोग करते हैं।

उन्होंने बताया कि रविवार को इन सभी चौकीदारों के साथ बैठक की गई। बैठक में चौकीदारों को रजिस्टर वितरित किया गया। साथ ही, गांव में होने वाली संदिग्ध गतिविधि, नशा तस्करी, अराजक तत्वों, चोरी-लूट, अपराधिक गतिविधि सहित ग्रामीण हलचलों को उसमें अंकित करने के निर्देश दिए। साथ ही, चौकीदार गांव की संदिग्ध गतिविधि को तत्काल बीट अधिकारी या संबंधित उपनिरीक्षक से साझा करेगा।

सीएससी सेंटरों में छापों पर आपत्ति जताई गई

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचारः तहसील क्षेत्र के जन सेवा केंद्र (सीएससी) संचालकों ने सोमवार को उपजिलाधिकारी कार्यालय में ज्ञापन देकर प्रशासन द्वारा की जा रही मनमानी छापेमारी और सेंटरों को सीज करने की कार्रवाई पर आपत्ति जताई। संचालकों ने कहा कि वह किसी भी प्रकार की जांच का विरोध नहीं करते, लेकिन बिना कारण सेंटर सीज किए जाना अन्यायपूर्ण है।

ज्ञापन में बाजपुर, बरहैनी, बेरिया, सुल्तानपुर पट्टी और केलाखेड़ा क्षेत्र के सीएससी संचालकों ने कहा कि कई बार ग्राहकों के मूल दस्तावेज या छायाप्रति आवेदन के दौरान केंद्र पर रह जाते हैं, जिन्हें नष्ट करना नियमों के विरुद्ध है। ऐसे दस्तावेज मिलने पर सेंटर सीज करना तर्कसंगत नहीं है।

संचालकों ने यह भी स्पष्ट किया कि किसी भी प्रमाणपत्र की जांच और निर्गमन का अधिकार प्रशासन के पास है। सीएससी संचालक केवल आवेदन भरते हैं, इसलिए किसी फर्जी प्रमाणपत्र के लिए संचालक को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। ज्ञापन में रजिस्टर में प्रमाणपत्र विवरण दर्ज करने की अनिवार्यता को डिजिटल इंडिया के उद्देश्यों के विपरीत बताया गया। साथ ही कहा गया कि सीएससी नियमों के अनुसार सेंटर पर अधिकतम चार आपरेटर नियुक्त किए जा सकते हैं, ऐसे में संचालक की अनुपस्थिति में सेंटर सीज करना अनुचित है। मनमानी कार्रवाई न की जाए।

अवैध रूप से रह रहे 119 परिवारों को दिया तीन दिन का अल्टीमेटम

संवाददाता, बाजपुर

चीनी मिल की आवासीय कॉलोनी में अंतिम चेतावनी देने पहुंची संयुक्त टीम।

अमृत विचारः चीनी मिल आवासीय परिसर में अवैध रूप से रह रहे लोगों पर मिल प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। चीनी मिल, तहसील प्रशासन और पुलिस की संयुक्त टीम ने कालोनी का निरीक्षण कर अवैध रूप से कब्जा जमाकर रह रहे 119 परिवारों को तीन दिन के भीतर परिसर खाली करने का अल्टीमेटम दिया है।

सोमवार को संयुक्त टीम ने चीनी मिल के आवासीय परिसर में अवैध कब्जा कर रह रहे लोगों के एक-एक घर पर जाकर स्पष्ट चेतावनी दी कि आगामी दो से तीन दिन में अपना सामान निकालकर कमरे खाली कर दिए जाएं। तय समय सीमा के बाद अभियान चलाकर कब्जा हटाया जाएगा। बताया गया कि पिछले लंबे समय से मिल के आवासीय परिसर से अवैध कब्जा हटाकर कब्जा मुक्त करने की प्रक्रिया चल रही है, जिसमें इन लोगों को पूर्व में कई बार नोटिस जारी करने के साथ ही लाल निशान लगाए जा चुके हैं, लेकिन बावजूद इसके अधिकांश लोग कमरे खाली करने को तैयार नहीं हैं। प्रशासनिक टीम के अनुसार, निर्धारित अवधि के बाद भी परिसर खाली न करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। टीम में चीनी मिल के सुरक्षा अधिकारी संदीप शुक्ला, सोमपाल सिंह, अश्विनी शर्मा, देवेंद्र सिंह, ओमप्रकाश शर्मा, महेश राम यादव, सुरेश बहादुर मौजूद रहे।

स्कूल में घुसकर शिक्षक से की मारपीट, रिपोर्ट दर्ज

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचारः एक सरकारी स्कूल के प्रभारी प्रधानाचार्य ने दबंगों पर स्कूल में घुसकर उनके साथ मारपीट करने व जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज महुआखेडागंज प्रभारी प्रधानाचार्य नित्यानन्द मिश्र पुत्र शिव शंकर मिश्र ने आईटीआई थाना पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 18 नवंबर को विद्यालय के प्रार्थना स्थल पर गोलू उर्फ राजेंद्र, मनोज, राजू और उनके साथी जबरदस्ती विद्यालय गेट का ताला खुलवा कर विद्यालय के अंदर आ गये। इस दौरान संगीत अध्यापक मयूर कुमार के द्वारा संगीत की जानकारी बच्चों को दी जा रही थी। आरोप है कि इन लोगों ने राजकीय ड्यूटी के दौरान उनके साथ गाली-गलौज, मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी दी। आरोपियों ने उन्हें थप्पड़ मारे, जिससे चश्मा टूट गया और बांयी आंख में चोट लग गयी। बताया कि इसके बाद आरोपी विद्यालय के अध्यापक कृष्ण मुरारी यादव को धक्का देकर और जान से मारने की धमकी देते हुए चले गये। बताया कि दूसरे दिन छात्रों के अभिभावकों ने कहा कि जिन लोगों ने मारपीट की है, वो बहुत अपराधी किस्म के लोग हैं। पीड़ित ने आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही की मांग की है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

दहेज की मांग को लेकर मारपीट

बाजपुरः दहेज की मांग को लेकर मारपीट कर घर से निकालने का आरोप लगाते हुए विवाहिता ने कोतवाली में पति सहित ससुराल पक्ष के कई लोगों के विरुद्ध तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

ग्राम दियोहरी, नमूना निवासी रुकसाना ने पुलिस को बताया कि उसकी शादी दो नवंबर 2023 को मुस्लिम रीतिरिवाज के अनुसार ग्राम नंदपुर नरकाटोपा निवासी अरमान अली से हुई थी, जिसमें मायके वालों ने सामर्थ्य अनुसार दान-दहेज दिया था। कुछ समय तक सब कुछ ठीक रहा, लेकिन उसके बाद पति, सास और ससुर कम दहेज लाने का ताना देने के साथ ही बाइक व एक लाख रुपये की मांग करने लगे। आरोप है कि इसको लेकर उसके साथ मारपीट भी की गई। इसी बीच उसने बेटी को जन्म दिया, जो इस समय करीब डेढ़ वर्ष की है।

तेज रफ्तार कार की चपेट में आकर यूपी के युवक की मौत

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचारः नेशनल हाईवे पर हुई सड़क दुर्घटना में उत्तर प्रदेश निवासी 40 वर्षीय राहगीर की तेज रफ्तार कार की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस की सूचना पर मृतक के परिजन भी किच्छा पहुंच गए। फिलहाल पुलिस ने वाहन की पहचान कर आगे कार्रवाई शुरू कर दी है।

नगर के बरेली बाईपास स्थित दरऊ चौक पर तेज रफ्तार कार ने हाईवे किनारे खड़े राहगीर को जोरदार टक्कर मार दी। घटना में ग्राम फरीदपुर, कोतवाली बहेड़ी, जिला बरेली, उत्तर प्रदेश निवासी 40 वर्षीय रामचंद्र उर्फ नाथूराम गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद मौके पर लंबा जाम लग गया।

सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने घायल रामचंद्र को तुरंत इलाज के लिए नगर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने जांच की उपरांत रामचंद्र को मृत घोषित कर दिया। पुलिस की सूचना पर बहेड़ी निवासी परिजन भी किच्छा पहुंच गए। रामचंद्र की मौत के बाद परिजनों में कोहराम मच गया है। पुलिस में घटना स्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरे की मदद से कार को चिन्हित कर आगे कार्रवाई शुरू कर दी है। फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

बाइक की टक्कर से मनींद्र की हालत नाजुक

रुद्रपुर : थाना ट्रांजिट कैंप में तेज रफ्तार बाइक ने एक व्यक्ति को इतनी जबरदस्त टक्कर मारी कि उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार वार्ड-11 संजय नगर खेड़ा निवासी कल्पना बडोई ने बताया कि 10 नवंबर की रात्रि दस बजे पति मनींद्र बडोई रोजमर्रा की भांति घर का कूड़ा फेंकने सरकारी कचरा दान की ओर जा रहे थे कि जैसे ही सड़क पार करने की कोशिश की, वैसे ही तेज रफ्तार बाइक आई। उस पर दो युवक सवार थे और पति को टक्कर मारकर फरार हो गए। टक्कर से पति गंभीर रूप से घायल हो गया और आनन-फानन में प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां आईसीयू में पति की हालत नाजुक बनी हुई है। शिकायतकर्ता की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर बाइक सवारों की तलाश तेज कर दी है।

खेत में पानी डालने को लेकर हुआ विवाद

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचारः खेत में पानी डालने को लेकर हुए विवाद में दो पक्ष आपस में भिड़ गए। देखते ही देखते कहासुनी गाली-गलौज और फिर मारपीट में बदल गई। मारपीट में दोनों पक्षों के दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची और घायलों को उप जिला चिकित्सालय बाजपुर पहुंचाया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने दोनों को हायर सेंटर रेफर कर दिया।

रविवार देर सायं करीब साढ़े छह बजे ग्राम रम्पुरा काजी, केलाखेड़ा निवासी 50 वर्षीय गुरमीत सिंह और दूसरे पक्ष के 18 वर्षीय गोविंद सिंह के बीच खेत में पानी जाने को लेकर विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर दोनों में हाथापाई शुरू हो गई। सूचना पर ग्रामीण मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक दोनों घायल हो चुके थे।

बाइकों की भिड़ंत में मामा-भांजे घायल

बाजपुर : बाइकों की भिड़ंत में मामा-भांजे गंभीर रूप से घायल हो गए। ग्राम रम्पुरा काजी केलाखेड़ा निवासी 22 वर्षीय बलविंदर सिंह व ग्राम इटव्वा निवासी 36 वर्षीय भजन सिंह बाइक पर नगर पंचायत केलाखेड़ा से बाजपुर आ रहे थे। बताया जाता है कि इसी बीच ग्राम गुमसानी के नजदीक दो बाइकें आपस में भिड़ गईं, जिसमें बलविंदर सिंह व भजन सिंह गंभीर रूप से घायल हरो गए। 108 एंबुलेंस से दोनों को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

प्रतिमा खंडित करने वालों के खिलाफ सौंपी तहरीर

संवाददाता, काशीपुर

- परिजन ने गला दबाकर हत्या करने का लगाया आरोप

अमृत विचारः प्रतिमा खंडित करने के मामले में भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष ने अज्ञात लोगों के खिलाफ तहरीर सौंपी है।

पं. दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा खंडित करने के प्रकरण को लेकर भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष अर्जुन सिंह ने टांडा पुलिस चौकी में तहरीर सौंपी। इसमें बताया कि बीती 19-20 नवंबर की रात कुछ अज्ञात असामाजिक तत्वों ने पार्क में पंडित उपाध्याय की प्रतिमा को खंडित कर दिया था। कहा कि इस तरह की सार्वजनिक स्थान पर हुई घटना से समाज में गलत संदेश जाता है। मांग की कि ऐसे आरोपियों को चिन्हित करके उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए। साथ ही पार्क में सुरक्षा व्यवस्था और पुलिस की निगरानी बढ़ाई जाए। तहरीर सौंपने वालों में मनोज मनराल, अमित मनचंदा, रविपाल, योगेश विश्नोई, मोनू चौधरी, निखिल सेतिया, विजय प्रताप सिंह, दिनेश नेगी आदि शामिल रहे।

युवा संसद में नेता बने छात्रों ने बताए समस्याओं के समाधान

संवाददाता, बाजपुर

बाजपुर पीजी कॉलेज में आयोजित युवा संसद कार्यक्रम में शिरकत करते विद्यार्थी, प्राध्यापक एवं अतिथि। • अमृत विचार

अमृत विचारः राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा सोमवार को युवा संसद कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों में लोकतांत्रिक जागरूकता, संसदीय प्रक्रियाओं की समझ और व्यक्तित्व कौशल विकसित करना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि ग्राम प्रधान सोहनलाल (रानी नगला फौजी कालोनी) ने दीप प्रज्वलन करके किया। उन्होंने कहा कि युवा संसद जैसे आयोजन युवाओं को लोकतंत्र की गहराई समझने में मदद करते हैं और उनमें राष्ट्रनिर्माण के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण पैदा करते हैं। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. विभेश कुमार सिंह ने कहा कि यह कार्यक्रम छात्रों को राजनीतिक चेतना और निर्णय क्षमता सिखाने का मजबूत माध्यम है। राजनीति विज्ञान विभाग की प्रभारी डा.वंदना बंसल और विभाग की टीम ने संसद की रूपरेखा तैयार की। सत्र में बेरोजगारी, युवा सशक्तिकरण, शिक्षा, डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया और महिला सुरक्षा जैसे प्रमुख राष्ट्रीय मुद्दों पर विचार-विमर्श हुआ।

करीब 40 विद्यार्थियों ने सांसद, मंत्री, विपक्ष, पत्रकार, सचिव और जनता के प्रतिनिधियों की भूमिका निभाई। महाविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षकों ने सक्रिय सहयोग दिया। जिनमें समाजशास्त्र, राजनीति विज्ञान, हिंदी, इतिहास, वाणिज्य और विज्ञान संकाय के प्राध्यापक शामिल रहे।

कार्यक्रम का संचालन डॉ.वंदना बंसल ने किया।

मानदेय वृद्धि को लेकर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने भरी हुंकार

धरने में शामिल बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने कहा -जब तक मांगें पूरी नहीं होतीं, आंदोलन वापस नहीं लिया जाएगा, सरकार पर लगाया उपेक्षा का आरोप

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचारः मानदेय वृद्धि सहित अपनी छह सूत्रीय मांगों को लेकर बाजपुर तहसील परिसर में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का धरना सोमवार को भी जारी रहा। कार्यकर्ताओं ने जोरदार नारेबाजी करते हुए सरकार के खिलाफ रोष व्यक्त किया। धरने में शामिल बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने कहा कि जब तक मांगें पूरी नहीं होतीं, आंदोलन वापस नहीं लिया जाएगा।

वहीं धरने के दौरान मौके पर पहुंचीं उत्तराखंड राज्य आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ की प्रदेश अध्यक्ष सुशीला खत्री ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की भूमिका जमीनी स्तर पर अत्यंत महत्वपूर्ण है, लेकिन शासन उनकी समस्याओं को गंभीरता से नहीं ले रहा है। सुशीला खत्री ने बताया कि वर्ष 2024 के मार्च माह में भी कार्यकर्ताओं को मानदेय वृद्धि के लिए आंदोलन करना पड़ा था। उस दौरान सरकार ने आश्वासन दिया था कि मानदेय वृद्धि पर विचार करने के लिए एक कमेटी का गठन किया जाएगा। हालांकि अब तक न तो कमेटी की रिपोर्ट सामने आई है और ना ही यह स्पष्ट किया गया है कि इस कमेटी में कौन-कौन सदस्य हैं।

उन्होंने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि सरकार की बनाई कमेटी केवल कागजों तक ही सीमित रह गई है। उन्होंने कहा कि प्रदेशभर में 14 नवंबर से आंगनबाड़ी कार्यकर्ता धरना-प्रदर्शन कर रही हैं। कई जगह कर्मिक अनशन भी जारी है। यदि सरकार जल्द कोई सकारात्मक कदम नहीं उठाती है तो कार्यकर्ता भूख हड़ताल और आमरण अनशन जैसे कठोर कदम उठाने के लिए बाध्य होंगी। प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि दो दिसंबर को देहरादून में संगठन की ओर से एक विशाल रैली प्रस्तावित की गई है, जिसमें प्रदेशभर की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता शामिल होंगी। इस मौके पर मंजू गोस्वामी, रेखा पांडेय, ललिता भट्ट, सुनीता, मालती, कांति कुमारी, खष्टी देवी, प्रेमा तिवारी, शौकीन जहां, कामला पांडेय, नवनीत कौर, रेखा, अनीता, लज्जा, गीता रानी, कविता भारती, सुरेंद्रा मैसी, मनजीत कौर, कमलेश, राजकुमारी, कविता मौर्य, पूनमलता, गुलशन, दयावती, नेमवती, ऊषा, सोमवती, सरिता, रामवती, पूनम शर्मा, देवकी, शिवानी, गुलफिजा, विरमा देवी मौजूद रहीं।

बाजपुर में धरने का समर्थन करतीं आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ की प्रदेश अध्यक्ष सुशीला खत्री।

विकास भवन परिसर में धरना-प्रदर्शन करतीं आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां।

सितारगंज में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का आठवें दिन भी धरना जारी

सितारगंज : मानदेय बढ़ाए जाने सहित तीन सूत्रीय मांग को लेकर उत्तराखंड राज्य आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ का आठवें दिन भी धरना जारी रहा। सोमवार को बाल विकास परियोजना अधिकारी कार्यालय, सितारगंज के बाहर धरना दे रही आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने बताया कि बाल विकास परियोजना में नियुक्ति के समय उन्हें छह प्रकार के कार्यों का दायित्व सौंपा गया था। जिसमें स्कूल पूर्व शिक्षा, पोषाहार, टीकाकरण, स्वास्थ्य जांच, संदर्भ सेवाएं और बाल निगरानी है। लेकिन इन छह कार्यों के अलावा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से निर्वाचन, वार्ड ड्यूटी, बीएलओ, पल्स पोलियो सहित विभिन्न विभागों के काम कराया जाता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह केवल विभाग से संबंधित कार्य के अलावा अन्य किसी भी विभाग के कार्य को नहीं करेंगी। साथ ही, उन्होंने विभाग से 800 रुपए प्रतिदिन के हिसाब से 24 हजार प्रतिमाह मानदेय देने की मांग की। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 40 हजार आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां हैं। विभाग प्रत्येक आंगनबाड़ी कार्यकत्री के वेतन से 100 प्रति माह काटती है। उन्होंने मांग की कि आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को रिटायरमेंट के बाद फंड से 10 लाख रुपए और पांच हजार रुपये पेंशन स्वरूप दिया जाए। इस मौके पर जिलाध्यक्ष रुकमणी धामी, सरिता, मंजू राणा, राधा देवी, उर्मिला, किरण, अजय लक्ष्मी, गोदावरी, आरती आदि मौजूद रही।

सितारगंज में तीन सूत्रीय मांग को लेकर धरना देतीं आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां।

अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार जारी

रुद्रपुर : लंबित मांगों को लेकर आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार 10वें दिन भी जारी रहा। इस दौरान आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने धरना-प्रदर्शन कर सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाया। सोमवार को आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ के बैनर तले बड़ी संख्या में कार्यकत्रियां विकास भवन परिसर में एकत्रित हुई और धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने कहा कि बीते वर्ष फरवरी में प्रदेशव्यापी हड़ताल के दौरान मुख्यमंत्री आवास में मिले आश्वासन पर अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। संगठन की ब्लॉक अध्यक्ष रूचिका घई ने बताया कि 7 मार्च 2024 को निदेशालय में हुई बैठक में मानदेय वृद्धि पर विचार के लिए समिति गठित करने की बात कही गई थी, किंतु डेढ़ वर्ष बीतने के बाद भी निर्णय लंबित है। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां राज्य कर्मचारी घोषित किये जाने, मानदेय बढ़ाकर प्रतिदिन 800 रुपये के हिसाब से 24 हजार रुपये मासिक किया जाने समेत कई मांगों को उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि चेतावनी दी कि यदि मांगों पर शीघ्र समाधान नहीं निकाला गया तो 2 दिसंबर को देहरादून कूच करेंगे। इस अवसर पर प्रदेश मंत्री अनीता सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष रूचिता घई, हंसा लोहानी, माधुरी शर्मा, रूबी सिंह, पुष्पा पांडे, शीतल, आराधना यादव मौजूद रहे।

सिटी ब्रीफ

किच्छा चीनी मिल ने किया 4.75 करोड़ का गन्ना भुगतान

किच्छा : चीनी मिल ने वर्तमान पेराई सत्र में गन्ना किसानों से खरीदे गए गन्ने का 4 करोड़ 74 लाख 64 हज़ार 320 (लगभग 4.75 करोड़) का भुगतान कर दिया है। यह धनराशि 16 से 22 नवंबर तक खरीदे गए गन्ने के लिए आरटीजीएस के माध्यम से गन्ना समितियों के खातों में ट्रांसफर की गई है। अधिशासी निदेशक एपी बाजपेई ने बताया कि मुख्यमंत्री और गन्ना मंत्री के निर्देशों पर यह शीघ्र भुगतान किया गया है। वर्तमान में गन्ना मूल्य निर्धारित न होने के कारण यह अग्रिम भुगतान गत वर्ष की दर से किया गया है। मिल ने अब तक 1.60 लाख क्विंटल गन्ने की पेराई कर 8,270 क्विंटल चीनी का उत्पादन किया है। निदेशक ने किसानों से अपील की है कि वे अच्छी गुणवत्ता और उच्च परता के लिए जड़, अगोला, पत्ती रहित ताजा एवं साफ सुथरा गन्ना ही मिल को आपूर्ति करें।

एक्यूप्रेशर चिकित्सा पद्धति का लाभ रहे लोग

काशीपुर : नवचेतना भवन में अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के तत्वावधान में चल रहे निशुल्क एक्यूप्रेशर चिकित्सा शिविर के दूसरे दिन बड़ी संख्या में लोग पहुंचकर शुगर, ब्लड प्रेशर, सर्वाइकल, घुटने, कमर दर्द का उपचार कराकर स्वास्थ्य लाभ उठा रहे हैं। एक्यूप्रेशर चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. एपी चंद्रवंशी ने बताया कि शिविर में प्रशिक्षण लेने वालों की भी संख्या बढ़ रही है। वहीं उन्होंने बताया कि शिविर में लगभग दर्जन भर चिकित्सा विशेषज्ञों समेत प्रशिक्षकों द्वारा विभिन्न रोगों का सफलतापूर्वक इलाज किया जा रहा है।

200 करोड़ की प्रोत्साहन राशि मिलने पर दी बधाई

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः महापौर विकास शर्मा ने उत्तराखंड को खनन सुधारों पर केंद्र सरकार से 200 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि मिलने पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि धामी सरकार की जीरो टॉलरेंस और पारदर्शी नीतियों ने खनन क्षेत्र की तस्वीर बदल दी है।

सोमवार को महापौर शर्मा ने बताया कि जहां पहले खनन राजस्व करीब 300 करोड़ तक सीमित था। वहीं सख्त निगरानी और सुधारों से यह बढ़कर 1200 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। खनन सुधारों में उत्तराखंड को देश में प्रथम स्थान प्राप्त होना इस बात का प्रमाण है कि राज्य सरकार ने केंद्र द्वारा निर्धारित माइनर मिनरल रिफॉर्म्स से संबंधित 7 में से 6 प्रमुख सुधारों को समयबद्ध, प्रभावी और पूरी पारदर्शिता के साथ लागू किया है।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने उत्तराखंड के प्रयासों को सराहा है और यह मान्यता दी है कि राज्य ने खनन क्षेत्र में सुधारों को उत्कृष्टता के साथ लागू किया है। यह उपलब्धि न केवल राजस्व बढ़ोतरी की कहानी कहती है, बल्कि शासन की नीतिगत दृढ़ता और पारदर्शिता को भी प्रमाणित करती है। उन्होंने कहा कि खनन सुधारों का लाभ सिर्फ सरकारी खजाने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका सीधा फायदा स्थानीय जनता को भी मिल रहा है।

उत्तराखंड की टीम 487 रन पर सिमटी

काशीपुरः कूच बिहार ट्रॉफी उत्तराखंड और महाराष्ट्र के खेले दूसरे दिन के खेल खत्म होने तक उत्तराखंड अपनी पहली पारी में 487 रन बनाकर ऑल आउट हो गई गई। जबकि महाराष्ट्र की टीम ने चार विकेट पर 218 रन बना लिए हैं। सोमवार को दूसरे दिन का खेल के दौरान उत्तराखंड के बल्लेबाज रक्षित डालाकोटी और आदित्य नैथानी शुरुआत की। रक्षित 210 रन पर आउट हुए। वहीं आदित्य ने 164 रन बनाकर बनाए। इसके अलावा नीशू पटेल ने 52 और सूर्यांश ने 27 रनों का योगदान दिया। उत्तराखंड की पूरी टीम 487 रनों पर ऑल आउट हो गई है। इधर महाराष्ट्र की तरफ से हर्षिल सावंत ने 5, अकरम सैयद ने 3 और अभिनंदन ने 2 विकेट लिए हैं। महाराष्ट्र की टीम ने पहली पारी में दूसरे दिन खेल खत्म होने तक 218 रन पर 4 विकेट खो दिये थे।

पंत विवि में आज से शुरू होगा नॉर्थ जोन अन्वेषण

संवाददाता, पंतनगर

अमृत विचारः जीबी पंत कृषि विश्वविद्यालय एवं भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) की ओर से देश के महत्वपूर्ण शैक्षणिक आयोजनों में से एक नॉर्थ जोन अन्वेषण 2025 स्टूडेंट रिसर्च, इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी कन्वेंशन की मेजबानी करने के लिए पूरी तरह तैयार है। कार्यक्रम का उद्घाटन मंगलवार को गांधी हाल में सुबह 10 बजे से होगा।

सोमवार को पंतनगर कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मनमोहन सिंह चौहान इस वर्ष अन्वेषण एक बड़े आयोजन के रूप में आयोजित किया जा रहा है। जिसमें पूरे भारत के विभिन्न विश्वविद्यालयों से लगभग 400 विद्यार्थी प्रतिभाग कर युवा शोधार्थी अपने नवोन्मेषी विचारों, अनुसंधान मॉडल और तकनीकी अवधारणाओं का प्रदर्शन करेंगे। जिससे यह आयोजन राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभा और रचनात्मकता का मंच बनेगा। उन्होंने बताया कि उद्घाटन सत्र में कुमाऊं विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डीएस रावत मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम का संचालन नॉर्थ जोन समन्वयक डॉ. दीपा विनय और सह-समन्वयक डॉ.आरएस जादौन करेंगे। कार्यक्रम की रूपरेखा के तहत सुबह 9 बजे से 10 बजे तक पंजीकरण के साथ प्रारंभ होगा। इसके बाद कार्यक्रम का शुभारंभ दीप जलाने, राष्ट्रगान, विश्वविद्यालय गीत, अतिथियों का स्वागत, अन्वेषण एवं एआईयू का परिचय और विशिष्ट अतिथियों के संबोधन सहित उद्घाटन समारोह आयोजित किया जाएगा।

चार श्रम संहिताओं से आक्रोश

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः ट्रेड यूनियन एक्टू से संबद्ध बजाज मोटर्स कर्मकार यूनियन ने केंद्र सरकार द्वारा पारित चार श्रम संहिताओं को लागू करने के विरोध में श्रम संहिताओं की प्रतियां जलाईं। इस दौरान यूनियन के पदाधिकारियों ने कहा कि पहले से ही सरकार के मजदूर विरोधी रुख के कारण मजदूर बदहाली में जी रहा था। अब नए श्रम संहिताओं में अपनी बदहाली के खिलाफ न्याय का दरवाजा भी नहीं खटखटा सकता है।

सोमवार को यूनियन से जुड़े पदाधिकारी परशुराम चौक ट्रांजिट कैंप में पहुंचे। इस दौरान यूनियन के महामंत्री हीरा सिंह राठौर ने कहा कि जिन चार श्रम संहिताओं को सरकार बहुत अच्छा बता रही है वे दरअसल मजदूरों की गुलामी के दस्तावेज हैं। पुराने 44 श्रम कानूनों में जो अधिकार मजदूरों को हासिल थे, उन अधिकारों में कटौती करके सरकार ने नए सिरे से 4 श्रम संहिता बना दी हैं।

चार श्रम संहिताओं की प्रतियां जलाते यूनियन से जुड़े श्रमिक। ● अमृत विचार

इस दौरान भाकपा(माले) के जिला सचिव ललित मटियाली ने कहा कि मोदी सरकार देश के हर संसाधन को पूंजीपतियों को सौंप रही है। देश के श्रम बल को पूंजीपतियों का गुलाम बनाने की कोशिश कर रही है। इस अवसर पर ऐक्टू के शहर अध्यक्ष उत्तम दास, यूनियन अध्यक्ष जगमोहन डसीला, ऐक्टू की अनिता अन्ना, हेम दुर्गापाल, विनोद कुमार, महिपाल सिंह, विनोद पंत, नवल, कैलाश कुमार, संजीव कुमार, गुड्डू कुमार, रामकोमल, बबलू सिंह, पुष्कर सिंह, उमा शंकर, संदीप हुड्डा, प्रदीप चंद, प्रकाश चंद्र, ललित लोहनी, राजेंद्र सिंह, अनिल तिवारी, कैलाश जोशी, कैलाश भट्ट, गिरीश रावत, अजय यादव, पंचदेव आदि शामिल रहे। इस दौरान लोगों ने नारेबाजी की।

शहीदी दिवस पर विद्यालय में हुई प्रतियोगिताएं

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचारः राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रेंहटा में नौवें गुरु श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम ने पूरे विद्यालय को आध्यात्मिक ऊर्जा, कृतज्ञता और प्रेरणा से भर दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य धूम बहादुर सिंह चौहान द्वारा गुरु जी के जीवन, त्याग और अटूट साहस को नमन करते हुए किया गया। उन्होंने कहा कि गुरु तेग बहादुर जी ने धर्म, मानवता और सत्य की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। उनका शौर्य, उनका धैर्य, उनका त्याग भारतीय इतिहास का ऐसा दीपस्तंभ है, जो सदैव उचित मार्ग दिखाता रहेगा। विद्यालय के विद्यार्थियों ने श्रद्धा और समर्पण के साथ निबंध प्रतियोगिता, कला प्रतियोगिता, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और गुरु जी के जीवन पर आधारित रचनात्मक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया। उनकी स्मृति में निकाली गई रैली ने पूरे क्षेत्र में धर्मनिरपेक्षता, भाईचारे और मानवीय मूल्यों का संदेश दिया। कार्यक्रम प्रभारी डीआर बाराकोटी ने बताया कि यह दिवस केवल एक स्मरण नहीं, बल्कि गुरू जी की उस अनंत प्रेरणा का उत्सव है, जो हमें अन्याय के विरुद्ध खड़े होने, सत्य का पालन करने और मानवता की रक्षा के लिए तत्पर रहने का संदेश देती है। इस मौके पर वरिष्ठ शिक्षक दीपक शर्मा, डीआर बाराकोटी, राज किशोर, देवेंद्र कुमार आदि मौजूद रहे।

बाजपुर के राउमावि रेंहटा में आयोजित कार्यक्रम में बच्चों को जानकारी देते डीआर बाराकोटी। ● अमृत विचार

काशीपुर में प्रभात फेरी निकालते स्कूली छात्र।

गुरु तेग बहादुर के शहीदी दिवस पर निकाली प्रभात फेरी

काशीपुर : उदयराज हिंदू इंटर कॉलेज में धार्मिक स्वतंत्रता और मानवीय मूल्यों की रक्षा करने के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले मानवता और नैतिक उदारता के प्रतीक गुरु तेग बहादुर की 350वीं शहीदी दिवस पर विद्यालय के छात्रों द्वारा प्रभात फेरी निकालते हुए नगर वासियों को उनके त्याग और बलिदान का संदेश दिया। सोमवार को प्रभात फेरी का शुभारंभ उप प्रधानाचार्य मेजर मुनीशकांत शर्मा ने गुरु तेग बहादुर का बलिदान, याद रखेगा हिंदुस्तान नारा लगाते हुए किया। प्रभात फेरी नागनाथ मंदिर, मो. पक्काकोट, कानूनगोयान, लाहौरियान डॉक्टर लाइन कटोरताल से होते हुए विद्यालय पहुंची। इस दौरान रोशन लाल वर्मा, मनोज कुमार शर्मा, सुनील कुमार, रणधीर सिंह, कौशलेश गुप्ता, बलजीत सिंह सुमेरिया आदि मौजूद रहे।

खटीमा से मेडल जीतने वाली अंशिका धामी। ● अमृत विचार

गुरुकुल की अंशिका को नेशनल कराटे चैंपियनशिप में कांस्य पदक

खटीमा : डायनेस्टी मॉडर्न गुरुकुल एकेडमी छिनकी फॉर्म की छात्रा अंशिका धामी ने ग्वालियर मध्य प्रदेश में आयोजित सीबीएसई नेशनल कराटे चैंपियनशिप 2025 में कांस्य पदक जीतकर प्रतिभाग किया। विद्यालय की छात्रा अंशिका धामी ने कांस्य पदक जीतकर प्रदेश को गौरवान्वित किया है। प्रबंध निदेशक धीरेंद्र चंद्र भट्ट, डायरेक्टर प्रेमा भट्ट, प्रधानाचार्य चंद्रकांत पनेरू, मनीष चंद, विक्टर आईवन, हरीश भट्ट, अशोक जोशी, सुरेश ओली, दिगंबर भट्ट, भरत बिष्ट, मनीष ठाकुर आदि ने शुभकामनाएं दी है।

ग्राम भट्टपुरी में भव्य मंगल कलश शोभायात्रा में शिरकत करते श्रद्धालु।

मंगल कलश शोभायात्रा निकाली

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचारः नवनिर्मित श्रीहनुमान देव मंदिर ग्राम भट्टपुरी नमूना में मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा एवं आठ दिवसीय श्रीमद् ज्ञान यज्ञ के उपलक्ष्य में आयोजित किया जा रहा है, जिसकी शुरुआत गांव में भव्य मंगल कलश शोभायात्रा निकालकर की गई। शोभायात्रा में महिलाओं ने बड़ी संख्या में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। विधिवत पूजा-अर्चना एवं वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ कलश यात्रा शुरू हुई, जोकि गांव की विभिन्न गली-मोहल्लों से होते हुए कार्यक्रम स्थल पर पहुंची, जहां कलशों को स्थापित किया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया जिससे पूरा वातावरण भक्तिभाव से सराबोर हो गया। डॉ.रणवीर सिंह राजपूत ने बताया कि प्राण-प्रतिष्ठा के लिए लाई गईं मूर्तियों की नगर भ्रमण शोभायात्रा 28 नवंबर को दोपहर बाद तीन बजे से सायं पांच बजे तक निकाली जाएगी। 29 नवंबर की सायं 5:30 बजे से रात्रि 8:00 बजे तक हवन-यज्ञ संपन्न होगा, जिसमें श्रद्धालु सामूहिक आहुतियां अर्पित कर क्षेत्र में खुशहाली एवं घर परिवार में सुख-समृद्धि की कामना करेंगे। तीस नवंबर को दोपहर में भंडारा आयोजित किया जाएगा।

गोपाल अध्यक्ष तो अखिल बने सचिव

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचारः उत्तर प्रदेश-उत्तराखंड मेडिकल एंड सेल्स रिप्रेजेंटेटिव एसोसिएशन की काशीपुर यूनिट की वार्षिक आम बैठक आवास विकास में संपन्न हुई। जिसमें गोपाल बिष्ट को अध्यक्ष चुना गया।

बीते दिन हुई बैठक में चुनाव जिला पर्यवेक्षक जिया उल हक की अध्यक्षता में आम सहमति से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमें गोपाल बिष्ट को अध्यक्ष, अखिल शर्मा सचिव, अनुज कौशिक कोषाध्यक्ष, पवन जोशी उपसचिव, गिरीश सुंदरियाल उपाध्यक्ष और शैलेंद्र कुमार, विशाल कांबोज, तरुण चौधरी, अबरार अहमद खान, मोहित चौहान एवं सुनील जोशी सदस्य चुने गए। जिला पर्यवेक्षक जिया-उल-हक ने नई कार्यकारिणी का फूल मालाएं पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान सभी ने एकजुटता से मिलकर साथ काम करने एवं संगठन को मजबूत बनाने पर बल दिया। उन्होंने भविष्य में संगठन द्वारा सदस्यों के हित में आयोजित किए जाने वाले सभी कार्यक्रमों को अधिक से अधिक सदस्य संख्या में भाग लेकर सफल बनाने का प्रण किया गया।

6th वार्षिकोत्सव विशेष फीचर

मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

मैं बरेली हूं, रोहिलखंड का गौरवशाली शहर। मैंने अपने भीतर चिकित्सा सुविधाओं के क्षेत्र में एक शांत, लेकिन क्रांतिकारी परिवर्तन देखा है। यह बदलाव इतना गहरा है कि मुझे अब अपने निवासियों को इलाज के लिए लखनऊ या दिल्ली की लंबी यात्राएं करते हुए देखना नहीं पड़ता, बल्कि इसके विपरीत, अब मैं गर्व से देखता हूँ कि पड़ोसी जिलों और अन्य राज्यों से भी लोग यहाँ आकर अपना इलाज करा रहे हैं।

मेरी चिकित्सा यात्रा की शुरुआत 1870 के दशक में हुई, जब अमेरिकी मेडिकल मिशनरी डॉ. क्लारा स्वैन ने यहां कदम रखा। उस समय, मैं चिकित्सा सुविधाओं से लगभग अछूता था, खासकर महिलाओं के लिए। डॉ. स्वाइन ने जो किया वह एक चमत्कार से कम नहीं था - उन्होंने एशिया का पहला महिला अस्पताल स्थापित किया। नई पीढ़ी को बताना चाहता हूं कि यहां का उपचार केवल दवाइयों तक सीमित नहीं था, इसमें सेवा और करुणा की भावना थी। यह उत्तरी भारत में नर्सिंग शिक्षा का एक प्रमुख संस्थान भी बना। क्लारा स्वाइन अस्पताल ने उस नींव को रखा जिस पर आज की आधुनिक इमारत खड़ी है।

आज़ादी के बाद और 21वीं सदी की शुरुआत तक, मेरी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली मुख्य रूप से सरकारी जिला अस्पतालों पर निर्भर थी, जिनमें अक्सर संसाधनों की कमी होती थी। यही कारण था कि मेरे निवासी, जो थोड़ा भी खर्च कर सकते थे, गंभीर बीमारियों के लिए लखनऊ के पीजीआई या दिल्ली के एम्स की ओर रुख करते थे। यह मेरे लिए निराशाजनक था। फिर बदलाव की बयार आई। निजी क्षेत्र ने इस खालीपन को भरा और स्वास्थ्य सेवा के मेरे परिदृश्य को पूरी तरह से बदल दिया। रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज, श्री राम मूर्ति स्मारक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज और राजश्री मेडिकल कॉलेजों जैसे संस्थानों ने मुझे एक नया रूप दिया। ये सिर्फ अस्पताल नहीं... अत्याधुनिक उपकरणों, समर्पित आघात इकाइयों, और सुपर-स्पेशियलिटी विभागों के साथ पूर्ण चिकित्सा केंद्र हैं। अब जटिल ऑपरेशन, एमआरआई, सीटी स्कैन और कैथ लैब जैसी सुविधाएं मेरे अपने आंगन में उपलब्ध हैं। इलाज के लिए मेरे लोगों को अब बाहर जाने की ज़रूरत महसूस नहीं होती थी।

आज, मैं बरेली हूं, एक ऐसा शहर जो अपनी चिकित्सा क्षमताओं पर गर्व करता है। मैं एक मेडिकल एजूकेशन हब बन गया हूं। अब यहां न केवल स्वास्थ्य की बेहतर सुविधाएं हैं, बल्कि यहां से पढ़कर डॉक्टर गांव देहात से लेकर बड़े शहरों तक बेहतर इलाज उपलब्ध करा रहे हैं। मेडिकल जांच के लिए मुंबई और दिल्ली जितनी सुविधाएं भी मेरे यहां है। ये प्रगति रुकी नहीं है, धीरे धीरे और मेडिकल कॉलेज बनेंगे और विश्वस्तरीय सुविधाएं भी स्थापित होंगी। मैं विकसित हुआ हूं, मैंने बदलाव अपनाया है, और मैं अपने निवासियों के स्वास्थ्य की बेहतर देखभाल करने के लिए तैयार हूं।

...बरेली यू नहीं बना मेडिकल हब

बरेली की सरजमीं पर मरीजों को संजीवनी देने के लिए रखी गई थी मिशन अस्पताल की नींव

बरेली शहर की पहचान आध्यात्मिकता और शिक्षा से बनती है, तो चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में इस पहचान को सबसे मजबूत आधार देने वाला नाम है, बरेली का क्लारा स्वैन मिशन अस्पताल। करीब 140 वर्ष का इतिहास संजोए ये अस्पताल करुणा, निष्ठा और मानवता का वास्तविक परिचायक तो बना ही लेकिन अन्य के अंदर भी बरेली को चिकित्सा क्षेत्र में नया आयाम स्थापित करने के लिए किसी प्रेरणा से कम साबित नहीं हुआ। इसका ही परिणाम है कि अब बरेली जिला 100 नहीं बल्कि तीन मेडिकल कॉलेजों के साथ ही अत्याधुनिक सुविधाओं से परिपूर्ण 625 निजी अस्पतालों का हब बन गया है।

विशेषज्ञों के अनुसार, पहले जहां सरकारी अस्पतालों में भर्ती होने पर मरीजों को खुद उनके तीमारदार ही जीवन की डोर टूटने जैसी बातें करने लगते थे लेकिन अब सरकारी अस्पतालों की तस्वीर भी साफ हो रही है। जिसका परिणाम है कि जिले में 100 बेड का जिला महिला अस्पताल, 326 बेड का जिला अस्पताल और देहात के सभी 15 ब्लॉक पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के साथ ही गांव के निकट ही प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भी स्थापित हैं।

इलाज ही नहीं निदान से भी है पहचान : गौर करने वाली बात ये है कि जिले में सिर्फ अस्पतालों में मरीजों को बेहतर इलाज से संजीवनी मिलने का विषय नहीं है बल्कि इलाज से पूर्व उपयोगी साबित होने वाली इलाज पूर्व निदान के लिए भी बरेली किसी मायने में कम नहीं हैं। यहां 300 से अधिक पैथोलॉजी लैब, 682 अल्ट्रासाउंड जांच सेंटर और दस से अधिक सीटी व एमआरआई जांच सेंटर हैं। जहां रोजाना सैंकड़ों मरीज समय पर जांच कराकर उचित इलाज से नई जिंदगी जी रहे हैं।

03 मेडिकल कॉलेज,
08 आयुर्वेदिक कॉलेज
12 नर्सिंग कॉलेज

शहर की दौड़ खत्म, घर के पास ही गूंज रही किलकारी

- पांच साल पहले तक देहात क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं के हाल बेहाल थे, डॉक्टरों की कमी व संसाधन न होने पर लोगों को आर्थिक हानि का सामना करते हुए निजी अस्पतालों में इलाज कराना पड़ रहा था, लेकिन अब स्थिति बदल गई। नवाबगंज, बिथरी, मीरगंज, भमौरा समेत अन्य सीएचसी पर इस साल से ही प्रसव शुरू हो गए है।

नशे की लत से मुक्ति दिला रहा ओएसटी : जिले में अभी तंबाकू, शराब व दवाओं से नशा करने वाले मरीजों के लिए निजी व एनजीओ के माध्यम से संचालित नशा मुक्ति केंद्र ही सहारा बन रहे थे लेकिन अब जिला अस्पताल में ही इंजेक्टेबल ड्रग यूजर्स यानि इंजेक्शन से नशा करने वाले मरीजों का इलाज के लिए ओएसटी केंद्र की स्थापना हो गई है।

आरएमसीएच से बीआईयू तक का सफर... जो रहेगा जारी

2006 में स्थापित हुआ था रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल लेकिन उच्च स्तरीय सेवाएं देने पर 2016 में बन गया बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी का हिस्सा

बरेली। बात उस दौर की है जब चिकित्सा सेवा के नाम पर बरेली में चंद अस्पताल ही थे, मरीजों को जटिल बीमारियों के इलाज के लिए दूर-दराज जैसे लखनऊ और दिल्ली के चक्कर लगाने पड़ रहे थे लेकिन वर्ष 2006 में मरीजों के लिए संजीवनी रुपी किरण के रुप में रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (आरएमसीएच) की स्थापना हुई।

इसके स्थापित होने से सिर्फ बरेली ही नहीं बल्कि उत्तराखंड के साथ ही नेपाल के मरीजों को भी काफी सहूलियत मिली। यहां मरीजों को मिल रहे उच्च स्तरीय इलाज के चलते ही इसकी चमक शासन प्रशासन तक भी पहुंची इसका ही परिणाम रहा है कि वर्ष 2016 के 16 सितंबर को यूजीसी अधिनियम 1956 के अनुसार उत्तर प्रदेश सरकार ने इसे विश्व विद्यालय की मान्यता प्रदान की। ये विश्वविद्यालय रोहिलखंड चैरिटेबल एजुकेशनल ट्रस्ट द्वारा प्रवर्तित है। अब यहां डॉक्टरी डिग्री, नर्सिंग, पैरा मेडिकल व फार्मेसी के साथ ही टेक्नीकल और मैनेजमेंट कोर्स भी संचालित हो रहे हैं।

ये है प्रबंधन का ध्येय : बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, कुलाधिपति डॉ. केशव कुमार अग्रवाल, प्रति कुलाधिपति डॉ. अशोक अग्रवाल, कुलपति डॉ. लता अग्रवाल, प्रति कुलपति डॉ. किरण अग्रवाल के कुशल नेतृत्व में नित नये आयाम स्थापित कर रहा है। प्रबंधन का प्रयास विश्व स्तरीय संकायों, अवसंरचना, सुविधाओं और प्रौद्योगिकी के समुचित सहयोग से उन्नत शिक्षण और अनुसंधान वातावरण प्रदान करके अपने विद्यार्थियों को व्यावसायिक और व्यक्तिगत जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए ज्ञान प्रदान करना और कौशल विकसित करना है।

स्वास्थ्य सेवा में 24वें वर्ष में प्रवेश

शिक्षा, चिकित्सा और सेवा में बड़ा नाम एसआरएमएस

बरेली। न्यूनतम खर्च पर विश्वस्तरीय इलाज लेना हो तो आज सभी के जेहन में एक ही नाम आता है। और वह है एसआरएमएस मेडिकल कालेज। साल दर साल एसआरएमएस में बढ़ती मरीजों की संख्या, इस पर बढ़ते विश्वास को बयान करने के लिए काफी है और यही मरीजों का विश्वास इसकी उपलब्धि है। इमरजेंसी और गंभीर बीमारियों में बरेली और आसपास के मरीज दिल्ली या लखनऊ जाने के बजाय उपचार के लिए एसआरएमएस आते हैं। स्वस्थ होकर घर वापस जाते हैं। यह भरोसा किसी उपलब्धि से कम नहीं। इसी विश्वास और उपलब्धियों के सहारे एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज चार जुलाई को स्वास्थ्य सेवा में 24वें वर्ष में प्रवेश किया।

बरेली स्थित भोजीपुरा में श्रीराम मूर्ति स्मारक मेडिकल इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज (एसआरएमएस आईएमएस) की स्थापना एसआरएमएस ट्रस्ट की ओर से चार जुलाई वर्ष 2002 में की गई। ट्रस्ट के संस्थापक, चेयरमैन श्री देव मूर्ति जी ने अपने पिता स्वतंत्रता सेनानी, पूर्व मंत्री स्वर्गीय राम मूर्ति जी के आदर्श, सबको शिक्षा और सबको स्वास्थ्य को जन जन तक पहुंचाने के लिए विश्वस्तरीय सुविधा युक्त हास्पिटल खोलने का संकल्प लिया। 2001 में वसंत पंचमी के दिन (29 जनवरी) को ट्रस्ट परिवार के सदस्यों के साथ नींव पूजन के बाद सपनों की इमारत ने आकार लेना शुरू किया। करीब डेढ़ वर्ष वर्ष बाद, बीस साल पहले, चार जुलाई 2002 को देव मूर्ति जी की मां आदरणीय रामरखी जी के सानिध्य और आशीर्वाद से क्रिटिकल केयर और आई बैंक के साथ 30 एकड़ में बने एसआरएमएस हास्पिटल का उद्घाटन हुआ। अगले ही वर्ष मरीजों के लिए यहां कार्डियोलाजी ओपीडी के साथ एमआरआई की सुविधा भी उपलब्ध हो गई। वर्ष 2005 में एमबीबीएस के पहले बैच के साथ मेडिकल कालेज भी आरंभ हो गया। एसआरएमएस आईएमएस आज लखनऊ और दिल्ली के बीच स्थित पूर्वी उत्तर प्रदेश का अत्याधुनिक संसाधनों से युक्त मल्टी सुपरस्पेशियलिटी हास्पिटल है। प्री क्लीनिकल, पैरा क्लीनिकल और क्लीनिकल डिपार्टमेंट सम्पन्न इस मेडिकल कालेज में रेडियोथेरेपी, कार्डियक साइंसेज, रीनल साइंसेज, न्यूरो साइंसेज और प्लास्टिक सर्जरी विभाग और इनकी ओपीडी भी सफलतापूर्वक संचालित हैं। इन विभागों में सबसे ज्यादा मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं। जिनकी संख्या प्रतिदिन 12 सौ से ज्यादा हो जाती है। अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों में भी इन्हीं विभागों के 85 फीसद मरीज होते हैं50 से ज्यादा मरीजों की रेडियोथेरेपी और छह सौ से ज्यादा मरीजों की मेजर सर्जरी को यहां सफलतापूर्वक अंजाम दिया जा रहा है। यहां पर 3 .0 टेस्ला एमआरआई, हाई एनर्जी लीनियर एस्सेलेरेटर- ब्रेकी थेरेपी यूनिट, मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर, इंटरवेंशनल एंजियोग्राफी के लिए कैथ लैब, एंजियोप्लास्टी और हार्ट की दूसरी जांचें, अत्याधुनिक 20 मेजर ओटी जैसे तमाम उपकरण और सुविधाएं मौजूद हैं। मरीजों के लिए सभी डॉक्टर व अन्य स्टाफ पूरे सेवाभाव के साथ कार्य कर रहा है।

हमने पहले दिन से ही हेल्थ फॉर आल, हॉस्पिटल फार आल को अपना आदर्श बनाया। हम सभी मरीजों को कम खर्च में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं दे रहे हैं। यही वजह है कि एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज पर बरेली और आसपास के मरीजों का भी भरोसा बढ़ा है। इन 23 वर्षों में मरीजों के विश्वास के साथ ही एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज ने कई उपलब्धियां भी हासिल की हैं। इनमें 100 बेड का आरआर कैंसर इंस्टीट्यूट, इनफर्टिलिटी सेंटर, अंतरराष्ट्रीय मानकों के साथ 110 बेड की क्रिटिकल केयर यूनिट का स्थापित होना अहम है। -**आदित्य मूर्ति**, डायरेक्टर एडमिनिस्ट्रेशन एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज

परदादा ने जेल में कैदियों की सेवा की प्रपौत्र सेना के जवानों को रख रहा स्वस्थ

बरेली के स्वास्थ्य जगत में धर्मदत्त वैध एक सम्मानित नाम हैं। अंग्रेजों के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान जेल में रहकर उन्होंने कैदियों की सेवा की और रिहाई के बाद जीवन पर्यंत लोगों के स्वास्थ्य की देखभाल को अपना ध्येय बनाया। आज उन्हीं की विरासत को आगे बढ़ाते हुए उनके पोते डॉ. अनुपम शर्मा पत्नी डॉ. मृदुला शर्मा और प्रपौत्र डॉ. राघव शर्मा-पत्नी डॉ. निकिता, जो भारतीय सेना में हैं, उत्तम चिकित्सीय सेवा में समर्पित हैं। 1937 में भिवाड़ी (हरियाणा) से आयुर्वेदाचार्य की शिक्षा प्राप्त कर उन्होंने बरेली के बड़ा बाज़ार, मदारी गेट पर तिलक फार्मेसी की स्थापना की। यहां वे स्वयं आयुर्वेदिक दवाओं का निर्माण कर मरीजों का उपचार करते थे। भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान गिरफ्तारी के बाद चार साल की जेल हुई। जेल में कैदियों को साधारण इलाज भी न मिलता देख उन्होंने जेलर से अनुमति लेकर परिसर में जड़ी-बूटियां उगाईं और उनसे तैयार दवाओं से कैदियों का इलाज शुरू किया-यह सेवा पूरे चार वर्षों तक जारी रही। रिहा होने के बाद वे पुन: तिलक फार्मेसी में बैठकर लोगों की सेवा करते रहे।1953 में उन्होंने धर्मदत्त आयुर्वेदिक चिकित्सालय की स्थापना की। 1989 में उन्होंने सेवाभाव से भरा जीवन पूर्ण किया। उनकी शुरू की गई संस्था आज भी बरेली आयुर्वेद कॉलेज के सहयोग से समाज को सेवा दे रही है।

प्रपौत्र लेफ्टिनेंट कर्नल डॉ. राघव शर्मा पत्नी के साथ कर रहे जवानों का इलाज : परदादा और पिता की प्रेरणा से लेफ्टिनेंट कर्नल (डॉ.) राघव शर्मा ने भी चिकित्सा को ही अपना कर्मक्षेत्र चुना। राममूर्ति कॉलेज बरेली से एमबीबीएस और देश के अग्रिणी मेडिकल कॉलेज एएफएमसी,पुणे से एमडी करने के बाद वे असम स्थित गुवाहाटी आर्मी हॉस्पिटल में सैनिकों की सेवा में जुटे हैं। उनकी पत्नी लेफ्टिनेंट कर्नल (डॉ) निकिता, जिन्होंने उनके साथ ही एमबीबीएस और एमडी किया, वही सेना के कर्मियों की चिकित्सा सेवा में समान रूप से योगदान दे रही हैं।

पोते डॉ. अनुपम शर्मा - धर्मदत्त वैध की सेवा परंपरा का आधुनिक रूप : 1980 में एमबीबीएस और 1990 में एमडी करने के बाद डॉ. अनुपम शर्मा ने दिल्ली के सफदरजंग, राममनोहर लोहिया जैसे प्रतिष्ठित अस्पतालों में सेवा दी। एक वर्ष तक भारत सरकार के विशेष अनुबंध पर ईरान में कार्य किया। 1998 में उन्होंने बरेली में दादा व पिता भूपेंद्र नाथ शर्मा जो मीरगंज से विधायक रहे से प्रेरित हो धर्मदत्त सिटी हॉस्पिटल की स्थापना कर स्वास्थ्य सेवाओं को नई दिशा दी। आज यह अस्पताल गुणवत्तापूर्ण इलाज के लिए जाना जाता है। वे वर्तमान में एपीआई (एसोसिएशन ऑफ फिजिशियंस ऑफ इंडिया) 2025, बरेली के अध्यक्ष हैं। उनकी पत्नी डॉ. मृदुला शर्मा, दिल्ली से प्रशिक्षित स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ, 2024 में फोगसी बरेली ब्रांच की अध्यक्ष रहीं। दोनों के 20 से अधिक शोधपत्र प्रकाशित हो चुके हैं और देश-विदेश के मेडिकल कांफ्रेंस में व्याख्यान दे चुके हैं। दोनों शिक्षा जगत में भी अहम भूमिका निभा रहे हैं, ब्रह्मा देवी इंटर कॉलेज, मीरगंज सहित चार शिक्षण संस्थानों का संचालन देख रहें हैं।

आरसीआई में पाया इलाज... कैंसर को दी मात अब खिलखिला रही जिंदगी

बरेली। बीते वर्षों में कैंसर का नाम सुनते ही लोगों की आंखों के सामने मौत नाचने लगती थी, वर्ष 2022 से बड़ी संख्या में गंभीर रोगियों ने कैंसर को मात दी है और अब जिंदगी खिलखिला रही है उनको ये नई जिंदगी देने के लिए ढाल बना है बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी का रोहिलखंड कैंसर इंस्टीट्यूट (आरसीआई)।

रोहिलखंड कैंसर संस्थान मध्य में स्थित 200 बेड का अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित कैंसर संस्थान है। जिसकी स्थापना वर्ष 2022 में प्रतिष्ठित रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल परिसर में की गई थी। इसका उद्देश्य रोहिलखंड क्षेत्र और आसपास के जिलों के कैंसर रोगियों की अपूर्ण आवश्यकताओं की पूर्ति करना था। यह लखनऊ से 245 किलोमीटर और दिल्ली से 255 किलोमीटर दूर है। यह हवाई और रेल मार्ग से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है। बरेली हवाई अड्डा केवल 2 किलोमीटर और रेलवे जंक्शन 5 किलोमीटर दूर है।

इन सुविधाओं से कैंसर से मिल रही मात : आरसीआई के निदेशक डॉ. अर्जुन अग्रवाल बताते हैं कि यहां जर्मन की कोबाल्ट आधारित सैगिनोवा 25 चैनल वाली अत्याधुनिक ब्रैकी थेरेपी इकाई, रेडियोथेरेपी सिमुलेशन और योजना के लिए एक समर्पित वाइड बोर सीटी स्कैन मशीन उपलब्ध है। इतना ही नहीं रोहिलखंड कैंसर संस्थान इस क्षेत्र में पीईटी-सीटी सेवाएं प्रदान करने वाला पहला संस्थान है। वहीं डीएम मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट के तहत साइटोटॉक्सिक कीमोथेरेपी रोगियों को किफायती और मामूली शुल्क पर व्यापक कैंसर देखभाल के साथ अंतरराष्ट्रीय मानकों की अत्याधुनिक रेडियोथेरेपी सुविधा के साथ ही बाह्य बीम रेडियोथेरेपी के लिए अत्याधुनिक ट्रू बीम एसटीएक्स लिनैक मशीन उपलब्ध है। यह एसआरएस, एसबीआरटी, आईजीआरटी, आईएमआरटी, वीएमएटी, 3डी सीआरटी जैसी फोटॉन थेरेपी पद्धतियों से भी मरीजों को इलाज दिया जा रहा है। पूर्व में मरीजों को इलाज के लिए अलग-अलग अस्पतालों में भटकना पड़ता था लेकिन संस्थान में एक ही छत के नीचे जांच के साथ ही इलाज की सभी सुविधाएं मिल सकेंगी।

- डॉ. अर्जुन अग्रवाल ने बताया कि इंस्टीट्यूट में गामा कैमरा हाई डोज थैरेपी और बोन मैरो ट्रांसप्लांट सेंटर की नींव दो माह पूर्व रखी गई है। यूनिट का निर्माण आरंभ है। इस आधुनिक तकनीक से गंभीर रोगियों को बेहतर इलाज मिल सकेगा। अभी तक पैट स्कैन, गामा कैमरा थैरेपी के लिए मुंबई, दिल्ली जैसे शहरों के चक्कर लगाने पड़ते थे। लेकिन अब ही बरेली मंडल में पैट स्कैन और गामा थैरेपी का आरंभ होना किसी गौरव से कम नहीं है।

प्रस्तुति : अंकित चौहान (भाग-1)

एक राजा को अपनी प्रजा के प्रति पिता के समान होना चाहिए।
–श्री रामचंद्र जी

अत्यावश्यक अपील

जी–20 शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा कृत्रिम बुद्धिमत्ता के दुरुपयोगों को रोकने के लिए एक वैश्विक समझौते की अपील वर्तमान भू–राजनीतिक और तकनीकी परिस्थितियों में अत्यंत महत्वपूर्ण और समयोचित है। एआई आधारित प्रणालियों को दुनिया जिस तेजी से अपना रही है, उसी गति से दुरुपयोग की आशंकाएं भी बढ़ी हैं। चाहे वह चुनावी हस्तक्षेप हो, साइबर हमले, डीपफेक प्रोपगेंडा या आर्थिक अपराध। ऐसे में इस मुद्दे को जी–20 के उच्चतम राजनीतिक मंच पर उठाना साबित करता है कि भारत तकनीकी नैतिकता और मानव सुरक्षा को लेकर वैश्विक नेतृत्व की भूमिका में आना चाहता है।

जी–20 के देश, अमेरिका से लेकर यूरोप, भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया तक सभी डीपफेक, डेटा चोरी, साइबर फ्रॉड और डिजिटल चुनावी हेरफेर जैसी तमाम चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। भारत खुद सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक क्षेत्र में डीपफेक के जोखिमों को झेल रहा है। मतलब यह समस्या सार्वभौमिक है और इसे राष्ट्रीय सीमाओं के भीतर रहकर हल नहीं किया जा सकता। साइबर युद्ध में एआई हथियार बन रहा है। आतंकवादी संगठन एआई मॉडल्स का उपयोग भर्ती, फेक आइडेंटिटी, हैकिंग और ड्रोन ऑपरेशन के लिए करने लगे हैं। यदि संयुक्त नियम नहीं बनाए गए, तो तकनीकी अराजकता वैश्विक स्थिरता के लिए खतरा बन सकती है, इसीलिए प्रधानमंत्री मोदी द्वारा डेटा सुरक्षा, एआई डेवलपमेंट, एथिक्स और डीपफेक नियंत्रण जैसे मानकों पर वैश्विक संधि का प्रस्ताव एक निर्णायक कदम हो सकता है, क्योंकि यह तकनीकी समाधान के साथ-साथ राजनीतिक इच्छाशक्ति का भी प्रश्न है। जी–20 देश मिलकर ग्लोबल एआई रिस्क रजिस्टर, क्रॉस–बॉर्डर साइबर अटैक प्रोटोकॉल और डीपफेक ट्रैकिंग नेटवर्क जैसे कई मॉडल विकसित कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी का यह कहना कि महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियां वित्त-केंद्रित की जगह मानव–केंद्रित होनी चाहिए, बहुत दूरगामी सोच है। यह मुनाफे को प्राथमिकता देने वाली पूंजी संचालित टेक–इकोसिस्टम कंपनियों की उन खामियों की ओर इशारा है, जिसका दुष्प्रभाव समाज, गोपनीयता तथा नैतिकता पर पड़ता है। मानव–केंद्रित तकनीक का मतलब है, समावेशी डिज़ाइन, डिजिटल सुरक्षा, पर्यावरणीय संतुलन और सामाजिक हित को सर्वोपरि रखना। बदल चुके भू-राजनीतिक परिदृश्य में प्रधानमंत्री का संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बदलाव की अनिवार्यता पर जोर उचित है। भारत जैसे देशों की आर्थिक, जनसांख्यिकीय और रणनीतिक भूमिका आज पहले से कहीं अधिक शक्तिशाली है, लेकिन वैश्विक छवि मजबूत होने के बावजूद भारत की सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता आसान नहीं, क्योंकि यह मौजूदा शक्तियों, विशेषकर चीन की राजनीति और वीटो संरचना से जुड़ा सवाल बन जाता है। प्रधानमंत्री ने इब्सा यानी भारत–ब्राज़ील–दक्षिण अफ्रीका की भूमिका भी रेखांकित की, ये मिलकर ग्लोबल साउथ की आवाज़ को मजबूत कर सकते हैं और संयुक्त राष्ट्र सुधार पर सामूहिक दबाव बढ़ा सकते हैं। तीनों देशों की लोकतांत्रिक साख और उभरती अर्थव्यवस्थाएं इस दिशा में नैतिक और राजनीतिक जोर प्रदान कर सकती हैं।

प्रसंगवश

तेग बहादुर सी क्रिया करी न किनहूं आन

संसार भर के इतिहास में ऐसी कोई मिसाल नहीं मिलती कि किसी महापुरुष ने दूसरे धर्म के लिए अपनी कुर्बानी दी हो। सिखों के नौवें गुरु साहिब श्री गुरु तेग बहादुर जी का प्रकाश (जन्म) माता नानकी जी की कोख से सिखों के छठे गुरु मीरी पीरी के मालिक गुरु हरि गोबिन्द साहिब जी के घर पहली अप्रैल 1621 को अमृतसर साहिब में हुआ। बचपन उनका राजकुमार जैसा ही व्यतीत हुआ। शस्त्र विद्या उन्होंने बचपन में ही सीख ली थी, बहुत उदार होने के बावजूद शस्त्र विद्या विशेष कर तलवार चलाने में उनको महारत हासिल थी। तलवार के धनी होने के कारण पिता गुरु हरिगोबिंद जी ने इनका नाम तेग बहादुर रखा।

मालिक सिंह कालड़ा
अध्यक्ष, गुरुद्वारा मॉडल टाउन, बरेली

जब हिंदू संस्कृति मुगलों के हमलों की मार सहारने में असमर्थ महसूस करने लगी, तत्कालीन बादशाह औरंगजेब की जिद थी कि वह भारत में केवल इस्लाम धर्म ही रहने देगा। कश्मीरी पंडितों पर बढ़ते दबाव के कारण पंडित कृपा राम की अगुआई में औरंगजेब द्वारा मिली कुछ समय की मोहलत लेकर उसके अत्याचार से दुखी होकर अपने साथियों के जत्थे के साथ सभी आनंदपुर साहिब श्री गुरु तेग बहादुर साहिब की शरण में पहुंच गए। उन्होंने हिंदू धर्म की रक्षा करने की उनसे फरियाद की।

बातचीत के दौरान ही गुरु तेग बहादुर साहिब के नौ वर्षीय पुत्र गोबिंद राय जी भी आ गए। माहौल गमगीन देखकर उन्होंने गुरु पिता से इसका कारण पूछा। गुरु तेग बहादुर जी ने कहा कि सनातन धर्म बहुत खतरे में है। बादशाह औरंगजेब सबको इस्लाम अपनाने के लिए मजबूर कर रहा है। गोबिंद राय जी ने जब गुरु पिता से इसका समस्या का हल पूछा तो गुरु जी ने बताया कि इसका हल भी एक ही है कि कोई महान पुरुष अपना बलिदान दे, तभी सनातन धर्म बच सकता है। इस पर गोबिन्दराय ने कहा, फिर देरी किस बात की। आप से अधिक महान शख्सियत और कौन हो सकता है। आप अपना बलिदान देकर इनके धर्म की रक्षा करें।

यह सुनकर गुरु-पिता बहुत प्रसन्न हुए और पंडित जी से कहा कि जाओ औरंगजेब से कह दो कि अगर गुरु तेग बहादुर ने इस्लाम कबूल कर लिया तो हम सब भी इस्लाम कबूल कर लेंगे। अपने नौ वर्षीय पुत्र गोबिंदराय को औपचारिक रूप से गुरता गद्दी प्रदान कर गुरु तेग बगदुर जी पांच सिखों भाई मतीदास जी भाई, सती दास जी, भाई दयाला जी, भाई गुरदित्ता जी एवं भाई ऊदा जी के साथ दिल्ली की ओर कूच कर गए।

औरंगजेब को जब इस बात का पता चला, उसने तुरंत गुरु तेग बहादुर जी की गिरफ्तारी का वारंट जारी कर दिया। गुरु तेग बहादुर जी भी इधर आगरा होते हुए औरंगजेब के दरबार दिल्ली पहुंच गए। बादशाह ने बहुत नरमी से उन्हें चंदन की चौकी पर बिठाया। अपने कर्मचारियों द्वारा किए गए नावाजिब सलूक के लिए उसने माफी भी मांगी और कहा कि आप बाबा नानक के गद्दी-नशीं हो। आप इस्लाम धर्म कबूल कर लो, ताकि आप हिंदुओं के साथ मुसलमानों के भी पीर बन जाओगे। इस पर गुरु जी ने कहा कि उस परमात्मा/खुदा के बनाए तौर-तरीकों को बदलने का प्रयास करना तुम्हारा गलत है। यदि उस खुदा की भी यही चाहत होती तो वह अलग-अलग धर्म बनाता ही क्यों? उसकी रजा में दखल का तुम्हें कोई अधिकार नहीं है। हर एक को अपना ही धर्म प्यारा है। बादशाह प्रजा का पिता होता है। उसकी जिम्मेदारी है। सबको एक सा समझे। हर धर्म के लोगों को उनके हिसाब से ही उनकी आराधना करने दी जाए। आपके मत के प्रचार-प्रसार से यदि कोई इस्लाम कबूल करे तो कोई एतराज नहीं, लेकिन जबरिया धर्म परिवर्तन करना महापाप है।

दुनिया के अन्य मंदिरों से भिन्न है राम मंदिर

राजेंद्र कुमार पांडेय
अयोध्या

श्री राम मंदिर कई मायनों में दुनिया के अन्य मंदिरों से भिन्न है। मंदिर विश्वव्यापी श्री राम की जन्म भूमि पर बनना, समाज को एक सूत्र में बांधने वाला मंदिर होना, इसे विश्व के दूसरे मंदिरों से अलग करता है। दुनिया का शायद यह ऐसा पहला मंदिर है, जहां समाज में तुच्छ समझी जाने वाली गिलहरी अपनी कथा कह रही है। सामाजिक एकता के सूत्रधार समाज को प्रेरणा देने वाले और ईश्वरत्व को प्राप्त राम के मंदिर परिसर में उनके लीला सहचरों के विग्रह भी इसे अन्य मंदिरों से अलग करता है।

क्षेत्रफल और बनावट की दृष्टि से दुनिया में अन्य बहुत से हिंदू मंदिर हैं। क्षेत्रफल की दृष्टि कंबोडिया का अंकोरवाट मंदिर दुनिया का सबसे बड़ा 402 एकड़ में फैला मंदिर है। अमेरिका के न्यू जर्सी में स्थापित बीएपीएस स्वामी नारायण अक्षरधाम मंदिर 183 एकड़ में फैला है। तमिलनाडु के चिरुचिरापल्ली में 156 एकड़ में फैला श्री रंगनाथ स्वामी मंदिर का फैलाव 156 एकड़ में है। इसी राज्य के वेल्लोर में श्री लक्ष्मी नारायण देवी मंदिर श्री पुरम् का मंदिर 40 एकड़ में फैला है। इंडोनेशिया का परब्रह्मनन मंदिर, भारत का प्रेम मंदिर वृंदावन जैसे तमाम ऐसे मंदिर हैं, जो श्रद्धा के केंद्र होने के साथ ही बड़े क्षेत्रफल में फैले हैं।

राम मंदिर की बड़ी खासियत यह है कि यह श्रीराम की तरह समाज का प्रतिनिधित्व करता है। यह शायद अकेला मंदिर है, जहां देवी–देवताओं के साथ मानव, ऋषि मुनियों से पशु–पक्षियों तक को परिसर में स्थान मिला है।

कंबोडिया के अंकोरवाट मंदिर भगवान महाविष्णु को समर्पित है। इसी तरह तमिलनाडु का श्री रंगनाथ स्वामी मंदिर में भी महाविष्णु ही हैं। वेल्लोर के थिरूमलाईकोडी स्थित श्री लक्ष्मी नारायणी देवी मंदिर में लक्ष्मी नारायण विराजते हैं। इंडोनेशिया के ब्रंबनन मंदिर में ब्रह्मा, विष्णु और महेश के विग्रह हैं। दिल्ली के छत्तरपुर में 70 एकड़ में फैले मंदिर में भगवती कात्यायनी का विग्रह है। इसी तरह न्यू जर्सी और दिल्ली के मंदिर में भगवान स्वामी नारायण की मूर्तियां हैं।

खास बात है यह कि इन बड़े मंदिरों में ज्यादातर वैष्णव संप्रदाय के भगवान महाविष्णु के मंदिर हैं। महाविष्णु के ही अवतार श्री राम हैं। श्री राम का जन्म अयोध्या में हुआ। दुनिया में भगवान महाविष्णु की तरह श्री राम भी व्याप्त हैं। इंडोनेशिया, मलेशिया, मारीशस जैसे दुनिया के विभिन्न देशों में श्री राम आस्था और विश्वास के प्रतीक हैं। इंडोनेशिया में राजा उनके नाम की उपाधि धारण करते हैं। नगरों के नाम श्री राम और रामायण के पात्रों पर हैं। हिंदुओं में अयोध्या को पवित्र स्थल माना जाता है। यह सृष्टि के उदभव काल से ही माना जा रहा है।

अयोध्या में श्री राम के पांच हजार से भी ज्यादा मंदिर हैं। पवित्र अयोध्या में हर घर में श्री राम का मंदिर है, लेकिन उनके जन्म स्थान पर अब तक विवाद के चलते वैसा मंदिर नहीं था, जिसकी गणना दुनिया के इन मंदिरों के साथ की जा सके। मंदिर की दृष्टि से पूरी दुनिया को संस्कृति और संस्कार की रोशनी देने वाले श्रीराम की जन्मभूमि पर अंधेरा रहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से ध्वज आरोहण के साथ राम मंदिर अपनी पूर्णता को प्राप्त कर रहा है।

राम मंदिर का क्षेत्रफल 70 एकड़ है। 2.7 एकड़ के गर्भगृह में राम लला के मंदिर का निर्माण है। राम लला का विग्रह यहीं स्थापित है। राम मंदिर के लिए दुनिया के लोगों का आकर्षण सबसे ज्यादा अनुभव किया जा रहा है। आने वाले श्रद्धालुओं के आंकड़े भी इस बात की गवाही देते हैं। अयोध्या में उनके जन्म स्थान पर बने श्री राम मंदिर की बड़ी खासियत है कि यह श्री राम की तरह समाज का प्रतिनिधित्व करता है। यह शायद अकेला मंदिर है, जहां देवी-देवताओं के साथ मानव, ऋषि-मुनियों से लेकर पशु-पक्षियों तक को स्थान मिला।

यह वही ऋषि-मुनि हैं, जिन्होंने समाज को धर्म और अध्यात्म विज्ञान का ज्ञान दिया। समाज को संस्कृति और संस्कार दिया। स्वयं श्री राम को इन्हीं ऋषि-मुनियों ने अयोध्या के राम लला से वैश्विक श्री राम बनाया। भले ही वह महाविष्णु के अवतार थे, लेकिन मानव रूप में मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम बनाने का श्रेय भी इन्हीं ऋषियों को है, जिनके विग्रह अब अयोध्या के श्री राम मंदिर में प्रतिष्ठित किए गए हैं। यह केवल श्री राम की लीला सहचर ही नहीं थे। समाज का प्रतिनिधित्व करते हैं। उनके मंदिर तो अलग-अलग स्थानों पर मिल सकते हैं, लेकिन श्री राम के साथ उनके मंदिर शायद कहीं और उन्हें नहीं मिला। यह दुनिया का पहला मंदिर है, जहां सप्तर्षियों में शामिल महर्षि वाल्मीकि, वशिष्ठ, विश्वामित्र, अगस्त्य की मूर्तियां प्रतिष्ठित हैं। ऋषियों के साथ श्री राम का विराजना विशिष्ट है।

राम मंदिर में राम लला, श्री राम दरबार में सीता, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न के विग्रह हैं। इनके साथ ही हनुमान जी और माता अन्नपूर्णा की मूर्तियां स्थापित हैं। लक्ष्मण का शेषावतार मंदिर, कुबेर टीला पर भगवान भोले का मंदिर है। मंदिर की एक विशिष्टता यह भी है कि श्री राम के जन्म स्थान पर अन्य हिंदू देवी देवताओं के साथ पंचायतन गणपति, सूर्य, शिव, जगदंबा, राम के मंदिर भी हैं।

अयोध्या का श्री राम मंदिर अतीत से भविष्य के समाज को जोड़ने की दृष्टि से भी खास है। इस दौर में जब विभिन्न तरह से समाज को तोड़ने के प्रयास किए जा रहे हों, यहां श्री राम मंदिर में समाज का प्रतिनिधत्व करने वाली अहिल्या, माता शबरी, निषादराज गुह की मूर्तियां समाज को जोड़ने में सहायक होंगी।

राम लला और देवी-देवताओं के साथ अधम की श्रेणी में माने जाने वाले जटायु और समाज में तुच्छ समझी जाने वाली गिलहरी की मूर्ति की स्थापना से जीवों के प्रति प्रेम की भावना समाज में जागेगी। श्री राम मंदिर, श्री राम के विराट व्यक्तिव के साथ समाज का प्रतिनिधत्व करेगा। यहां पहुंचे नासिक के संत स्वामी नारायणदास कहते हैं, "राम लला के मंदिर का आकर्षण राम लला तो हैं ही, लेकिन यहां ऋषि, मुनि के साथ पशु पक्षियों से मानवता के प्रति प्रेम का संदेश मिलता है। यह श्री राम की वैश्विक छवि के अनुरूप है।"

आमने

बिहार में 65 लाख लोगों का नाम काट दिया गया। उनसे पहचान छीन ली गई। मैं आप सबसे कहना चाहता हूं, अगर कोई आपका नाम काटने लिए आए तो उसे बंद करो और मुझे फोन कर दो। मेरे आने के बाद ही ताला खोलना।

–इरफान अंसारी
झारखंड के मंत्री

सामने

मंत्री सरकारी अधिकारियों को बंधक बनाने की बात कर रहे हैं। यह अराजकता को बढ़ावा देना है। मंत्री ने संविधान और कानून को बनाए रखने की शपथ ली है और जब वह इस तरह संवैधानिक नियमों के खिलाफ बोलते हैं, तो उन्हें निकाल देना चाहिए।

–प्रतुलनाथ शाहदेव
भाजपा प्रवक्ता

संघ के संकल्प से सिद्ध हुआ राम मंदिर निर्माण

सर्वेश कुमार सिंह
वरिष्ठ पत्रकार

अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का ये लक्ष्य क्या इतनी ही आसानी से प्राप्त हो गया। इस दिन को देखने और स्वप्न को साकार करने के लिए विधिवत योजना बनी और यह योजना बनाई राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने। इसके लिए संघ के तत्कालीन सरसंघचालक मधुकर दत्तात्रेय देवरस (बाला साहब देवरस) ने सभी परिस्थितियों, संघ की सामर्थ्य, समाज की आकांक्षा और मनोदशा का गहन अध्ययन, विश्लेषण कर उन कार्यकर्ताओं को श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन को आगे बढ़ाने और लक्ष्य तक पहुंचने की अनुमति दी, जो इस आंदोलन को स्थानीय स्तर पर पश्चिमी उत्तर प्रदेश में खासकर मुरादाबाद, मेरठ और कुमायूं मंडलों में चला रहे थे।

संघ के सरसंघचालक से आंदोलन की सफलता और संघ का मार्गदर्शन मांगने वालों में मुरादाबाद निवासी दो सूत्रधार थे, एक मुरादाबाद के पूर्व विभाग प्रचारक और तत्कालीन हिंदू जागरण मंच के पश्चिमी उत्तर प्रदेश के संयोजक दिनेश चंद्र त्यागी (शिक्षा एम एससी फिजिक्स), दूसरे कांग्रेस के प्रखर नेता पूर्व मंत्री, तीन बार कांग्रेस से विधायक रहे मुरादाबाद निवासी दाऊ दयाल खन्ना। बाला साहब से आंदोलन की योजना और विस्तार के लिए यह चर्चा बदायूं में 26 दिसंबर 1983 को लगे संघ के शीत शिविर में हुई। यहां बाला साहब देवरस दो दिन के प्रवास पर शिविर में आए थे।

मंदिर निर्माण का ये लक्ष्य क्या इतनी ही आसानी से प्राप्त हो गया? इस दिन को देखने और स्वप्न को साकार करने के लिए विधिवत योजना बनी और यह योजना बनाई राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने।

इस वार्ता में संघ के सरसंघचालक ने कहा कि आंदोलन को संघ को चलाना चाहिए अथवा नहीं इस पर गंभीरता से विचार आवश्यक है। यदि आंदोलन को चलाना है तो यह मानकर आगे बढ़ाया जाए कि इसे हर हाल में सफल करना है, चाहे फिर कितना भी संघर्ष और त्याग क्यों ने करना पड़े। साथ ही उन्होंने यह भी कह दिया कि लक्ष्य प्राप्ति में कम से कम 30 से 40 वर्ष लगेंगे, इसलिए संघ को विचार करना पड़ेगा। उन्होंने अपने सहयोगियों से भी विचार विमर्श किया। उनका मानना था कि यदि संघ इसे अपने हाथ में ले तो सफलता तक संघर्ष जारी रखना पड़ेगा। इसके बाद बाला साहब ने दाऊ दयाल खन्ना और दिनेश चंद्र त्यागी से कहा कि आंदोलन चलाइए संघ सहयोग करेगा।

आगे चलकर आंदोलन की प्रखरता और लोकप्रियता को देखते हुए इसे संघ ने अपने समविचार परिवार के संगठन विश्व हिंदू परिषद् को आंदोलन चलाने के लिए कहा। दिल्ली के विज्ञान भवन में सात और आठ अप्रैल 1984 को हुई धर्म संसद में विश्व हिंदू परिषद् ने आंदोलन अपने हाथ में ले लिया। यही विहिप की देखरेख में श्रीराम जन्मभूमि मुक्ति यज्ञ समिति का गठन किया गया। इसके अध्यक्ष गोरक्षपीठाधीश्वर महंत अवैद्यनाथ और महामंत्री दाऊ दयाल खन्ना को बनाया गया। आगे का आंदोलन इस समिति के नेतृत्व में आरंभ हुआ।

राम मंदिर के संकल्प को साकार करने के लिए संघ ने व्यापक योजना बनाई। आंदोलन के लिए लगभग एक दर्जन से अधिक प्रचारकों को विश्व हिंदू परिषद् में भेजा गया। इन प्रचारकों ने अपने जीवन को इस लक्ष्य के लिए समर्पित कर दिया। बंगलौर में 1981 में हुई संघ की बैठक में दिल्ली प्रांत प्रचारक अशोक सिंघल को दायित्व से मुक्त कर विश्व हिंदू परिषद् में नया दायित्व दिया गया। आंदोलन की पूरी सांगठनिक संचरचना के मूल केंद्र रहे चंपतराय को भी 1986 में पश्चिम उत्तर प्रदेश में मेरठ विभाग प्रचारक से विश्व हिंदू परिषद में भेज दिया।

वर्ष 1984 में संघ ने आंदोलन की कमान विश्व हिंदू परिषद को सौंपने का महत्वपूर्ण और दूरगामी लक्ष्य प्राप्ति के संकल्प के लिए निर्णय लिया। यह निर्णय आसान नहीं था, क्योंकि संघ ने अपने एक महत्वपूर्ण संगठन को एक ऐसे आंदोलन के लिए दांव पर लगा दिया था, जिसकी सफलता की राह बहुत कठिन थी। संघर्ष बहुत लंबा था। सुयोग्य, साहसी, समर्पित प्रचारकों की एक बड़ी टीम की आवश्यकता थी, लेकिन संघ ने हिंदू समाज के स्वाभिमान की रक्षा के लिए ये निर्णय किया।

प्रचारक गिरिराज किशोर, ओंकार भावे, सूर्यकृष्ण, श्यामजी गुप्त, राजेंद्र सिंह पंकज, उमाशंकर, पुरुषोत्तम नारायण सिंह, तुलसीराम नाना भागवत, सदानंद काकडे, गुरुजन सिंह, सूबेदार सिंह सरीखे प्रखर प्रचारकों की एक बड़ी टीम संघ से विहिप में भेजी गई। बाद में भी कई प्रमुख प्रचारक संघ से आंदोलन में प्रमुख भूमिका निभाने के लिए विश्व हिंदू परिषद् में भेजे गए। इनमें दिल्ली के क्षेत्र प्रचारक बड़े दिनेश कुमार जी का नाम प्रमुख है।

संघ में ही रहकर वरिष्ठ प्रचारक मोरोपंत पिंगले ने आंदोलन की योजना और रचना की। वे विहिप के मार्गदर्शक बनाए गए। मोरोपंत जी की ही योजना से विहिप ने एकात्मकता यात्राएं निकाल कर जन जागरण किया। राम ज्योति और शिला पूजन जैसे आयोजन हुए। इन कार्यक्रमों ने हिंदू समाज की सुप्तावस्था में रही शाश्वत चेतना और स्वाभिमान को जगा दिया। फलस्वरूप जागरूक समाज ने वर्ष 1990 और 1992 में अपने इष्ट के मंदिर निर्माण के लिए कूच कर दिया। दो बार कारसेवा संपन्न हुई। आंदोलन में दो अलग-अलग मोर्चों पर संघर्ष की रणनीति विहिप ने बनाई। एक थी प्रत्यक्ष आंदोलन, यानी सभा, सम्मेलन, प्रदर्शन, गोष्ठी, धार्मिक आयोजन, धर्म संसद, संत सम्मेलन आदि। दूसरी न्यायालय में विचाराधीन वादों की सुव्यवस्थित ढंग से पैरवी करना।

सोशल फोरम

तुम्हें क्या? कोई तुम्हारे लिए बेहाल हो जाए!

इमरोज़ ने अमृता को ख़त लिखा- किसी चीज़ में मन नहीं लगता, घर ख़ाली लगता है। कोई क्यों इतना पागल हो जाता है किसी के लिए? क्यों? पर तुम्हें क्या? ओ, चुप हो जाने वाली! ओ, ख़त न लिखने वाली! ओ, मेरी सेबों वाली! तुम्हें क्या? कोई तुम्हारे लिए हाल से बेहाल हो जाए! अच्छा, तुम एक बार आओ तो सही। मैं अपनी बदनसीबी से दो-दो हाथ कर लूंगा।

सुजाता चोखेरबाली
ब्लॉगर

एक ख़त में लिखते हैं- ऐ मेरी दौलत आओ जितनी ख़र्ची जाए, उतनी जीने के लिए ख़र्च लें। आओ, एक-दूसरे का नोट भुना लें।

दोनों पागल थे एक दूसरे के प्यार में। कभी किसी नाम से संबोधित करते, कभी किसी तरह से। इमरोज़ ने समूची अमृता को प्यार किया। स्टेशन पर इंतज़ार किया तो अमृता की नज़्में, साड़ियां, कुर्ते, चूड़ियां सबके साथ उसके लिए इंतज़ार किया। उसकी बेटी को अपनी बेटी की तरह पालते हुए इंतज़ार किया। उसकी रचनाओं के लिए इंतज़ार किया। अमृता ने भी इमरोज़ के दराज में पड़े रंगों को सहलाया, पोंछा और यह चाहत की कि वह पेंटिंग करता रहे, जिनमें वह अर्थ तलाशती रहे। अमृता ने इमरोज़ को टूटकर प्यार किया।

उसने लिखा- जी करता है तुम अभी कहीं से उजागर हो जाओ। चाहे धरती से उगो चाहे अंबर से गिरो। कभी लिखा- तुम्हारी कला को सौ-सौ नमस्कार! तुम्हारे हाथों के आगे मस्तक झुकाती हूं। कलाकार के हाथ उसकी कोख होते हैं।

दोनों के ख़तों में मिलता है बेइंतहा प्यार, बेक़रारी, साथ न हो पाने की मजबूरी और ख़लिश, साथ होने की बेसब्री, नाराज़गी और मनाना। मैं पढ़ रही थी और सब बहुत अच्छा चल रहा था कि अचानक इमरोज़ लिखते हैं एक ख़त में- कल रात सपने में देखा तुम गोभी के पराठे बना रही थीं, मैं और सैली दाएं-बाएं बैठे खा रहे थे। आज दिन भर भूख नहीं लगी। कल रात ज़्यादा खा लिया था न!

मेरा फेमिनिस्ट मन अभी चिढ़ने ही वाला था कि कि हंस पड़ा, मुझे बाक़ी ख़त याद आ गए। अमृता अक्सर विदेशी यात्राओं पर रहती थीं। उन्हें ख़ूब न्यौते आते थे। इमरोज़ लिखते हैं- ये तीन महीने अमृता के अमृता के साथ हैं, तीन महीने के लिए घर की ज़िम्मेदारियां हमारे ऊपर छोड़ दो। भोपी (अमृता की बेटी) के इस अंकल में मम्मी भी शामिल जो गई हैं। मैं तुम्हारी तरह दिन भर काम करता हूं और दिन भर घर पर रहता हूं। घर के लिए और अपनी दोनों बेटियों के लिए। मेरा हर ख़त तुम्हारे नाम एक टोस्ट होगा।

सामयिकी

ग्रामीण इलाकों की पहली जरूरत हैं अस्पताल

गांव की चौपाल पर बैठे बुजुर्ग अक्सर कहा करते हैं कि लहलहाती फसल जितनी जरूरी है, उतना ही जरूरी स्वास्थ्य और उसको बनाए रखने के लिए अस्पताल भी हैं। खेती से अनाज मिलता है, लेकिन अस्पताल से जीवन सुरक्षित होता है। जब बच्चे बीमार पड़ते हैं, गर्भवती महिलाओं को देखभाल की जरूरत होती है या बुजुर्ग अचानक बीमार हो जाते हैं, तब घर-परिवार की सारी चिंता सिर्फ एक सवाल पर टिक जाती है कि कैसे जल्दी अस्पताल पहुंच कर मरीज़ को समय पर इलाज मिल जाए। यही चिंता आज भी देश के लाखों गांवों की है।

अक्सर गांवों से अस्पताल काफी दूर होत हैं। वहां तक जाने के लिए सुगम रास्ते न होना सबसे बड़ी समस्या है। गांव के कच्चे रास्तों, धूल-भरी हवाओं और तेज़ गर्मी में यह यात्रा कठिन हो जाती है। वहीं मानसून में ये कच्चे रास्ते कीचड़ से भर जाते हैं, जिससे होकर गुज़रना किसी भी गाड़ी के लिए मुश्किल हो जाता है। गर्भवती महिलाओं के लिए यह दूरी सबसे बड़ा संकट बन जाती है। कई बार सड़कें टूटी होने से सफर लंबा हो जाता है और महिलाओ की रास्ते में ही डिलीवरी हो जाती है। इससे मां और बच्चे दोनों का जीवन दांव पर लग जाता है।

कोमल
एक्टिविस्ट

कई बार साधारण खांसी और बुखार भी बिगड़कर बड़ी समस्या बन जाती है। गांव के बुजुर्ग अक्सर ब्लड प्रेशर, डायबिटीज या सांस की बीमारियों से जूझते हैं। ऐसी बीमारियों में नियमित दवा और समय-समय पर जांच बहुत जरूरी होती है। मगर जब जांच और दवा के लिए भी दूसरे गांव जाना पड़े तो बुजुर्ग अक्सर इलाज टाल देते हैं। धीरे-धीरे उनकी हालत बिगड़ती जाती है और परिवार को अचानक किसी गंभीर स्थिति का सामना करना पड़ता है।

ग्रामीण भारत में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति इसी तरह की चुनौतियों से घिरी हुई है। भारत सरकार की Rural Health Statistics 2021-22 रिपोर्ट बताती है कि देश में उप स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ग्रामीण स्वास्थ्य ढांचे की रीढ़ है। रिपोर्ट के अनुसार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) में विशेषज्ञ देखभाल प्रदान करने वाले बुनियादी ढांचे में भारी खामियां थीं। सीएचसी में 83.2 प्रतिशत आवश्यक सर्जन, 74.2 प्रतिशत आवश्यक प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ, 79.1 प्रतिशत चिकित्सक और 81.6 प्रतिशत आवश्यक बाल रोग विशेषज्ञ उपलब्ध नहीं थे। कुल मिलाकर मौजूदा सीएचसी की आवश्यकता की तुलना में 79.5 प्रतिशत विशेषज्ञों की कमी थी। रिपोर्ट के अनुसार 31 मार्च, 2022 तक भारत में 161,829 उप स्वास्थ्य केंद्र थे जिनमें से 157,935 ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत थे। लगभग 24,935 पीएचसी ग्रामीण क्षेत्रों में और 6,118 शहरी क्षेत्रों में स्थित थे।

वर्ष 2005 से देश में उप स्वास्थ्य केंद्रों की संख्या में 11,909 की वृद्धि हुई है। इनमें सबसे अधिक राजस्थान (3,011), गुजरात (1,858), मध्य प्रदेश (1,413) और छत्तीसगढ़ (1,306) में वृद्धि हुई है। रिपोर्ट कहती है कि एक उप केंद्र द्वारा कवर की गई औसत ग्रामीण आबादी 5,691 व्यक्ति थी, जबकि औसतन, एक पीएचसी और सीएचसी ने ग्रामीण क्षेत्रों में क्रमशः 36,049 और 164,027 व्यक्तियों को कवर किया था। पांच हज़ार लोगों की आबादी पर एक सब-सेंटर, तीस हज़ार की आबादी पर एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और एक लाख बीस हज़ार की आबादी पर एक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र संचालित होने चाहिए। दुर्गम इलाकों में यह मानक और छोटा है, जैसे तीन हज़ार पर एक सब-सेंटर, लेकिन वास्तविक स्थिति इस मानक से बहुत दूर है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित। संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक - अमित शर्मा* 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।

राम नगरी अयोध्या

अलौकिक से अद्भुत हुई

5 00 वर्ष के लंबे संघर्ष और इंतजार के बाद 25 नवंबर को वो शुभ घड़ी आ गई, जब देश- दुनिया के आस्था के केंद्र प्रभु श्रीराम की नगरी अयोध्या में भव्य राम मंदिर पूर्ण हो जाएगा। बाबर की शह पर 1528 में रामनगरी में जिस मंदिर को तोड़ दिया गया था, वहां भव्य श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के निमार्ण की पांचवी सदी से चली आ रही प्रतीक्षा समाप्त होने का ऐतिहासिक पल आ गया है। 25 नवंबर मंगलवार को शुभ मुहूर्त दोपहर 12 से 12: 30 बजे के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंदिर के 191 फिट ऊंचे शिखर पर सूर्य के मध्य अंकित 'ॐ' व कोविदार वृक्ष का केसरिया ध्वज चढ़ाएंगे और श्रीराम मंदिर निर्माण कार्य पूरा होने की घोषणा करेंगे। 9 नवंबर 2019 को सुप्रीम कोर्ट के पांच जजों की बेंच द्वारा श्रीराम जन्मभूमि के पक्ष में फैसला सुनाने के बाद 25 मार्च 2020 को पूरे 28 साल बाद रामलला टेंट से निकलकर फाइबर मंदिर में शिफ्ट हुए थे। इसके बाद 5 अगस्त 2020 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राम जन्मभूमि परिसर में भूमि पूजन कर श्रीराम मंदिर निर्माण की आधारशिला रखी। इसके बाद 22 जनवरी 2024 को रामलला की मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा हुई। आज करोड़ों लोग भगवान राम के दर्शन के लिए अयोध्या आ रहे हैं। आज जो भगवान के दर्शन हो रहे हैं, उसके पीछे दशकों तक चली लंबी कानूनी लड़ाई है। राम मंदिर निर्माण का सफर काफी चुनौतियों भरा रहा है। बाबरी विवाद, अदालतों में चली लंबी लड़ाई और फिर शीर्ष अदालत के फैसले के बाद मंदिर का निर्माण शुरू हुआ।

विवेक सक्सेना
अयोध्या

अब तक के इतिहास के अहम पड़ाव

- 1528 : अयोध्या में राम जन्मभमूमि पर मस्जिद बनने से शुरू हुआ विवाद

मुगल शासक बाबर के सूबेदार मीरबाकी ने 1528 में अयोध्या में एक मस्जिद बनवाई। यह मस्जिद उसी जगह बनी जहां भगवान राम का जन्म हुआ था। बाबर के सम्मान में मीर बाकी ने इस मस्जिद का नाम बाबरी मस्जिद रखा। 19 वीं सदी में हिंदुओं ने यह मामला उठाया और कहा कि भगवान राम के जन्मस्थान मंदिर को तोड़कर मस्जिद बना ली गई। इसके बाद से रामलला के जन्मस्थल को वापस पाने की लड़ाई शुरू हुई।

- 1858 : बाबरी मस्जिद बनने के 330 साल बाद हुई पहली एफआईआर

मीरबाकी के मस्जिद बनाने के 330 साल बाद 1858 में लड़ाई कानूनी हो गई, जब पहली बार परिसर में हवन, पूजन करने पर एक एफआईआर हुई। अयोध्या रिविजिटेड किताब के मुताबिक एक दिसंबर 1858 को अवध के थानेदार शीतल दुबे ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि परिसर में चबूतरा बना है। ये पहला कानूनी दस्तावेज है, जिसमें परिसर के अंदर राम के प्रतीक होने के प्रमाण हैं। इसके बाद तारों की एक बाड़ खड़ी कर विवादित भूमि के आंतरिक और बाहरी परिसर में मुस्लिमों और हिंदुओं को अलग-अलग पूजा और नमाज की इजाजत दी गई।

- 1885 : जब अदालत पहुंची राम के लिए पक्के घर की बात

1858 में हुई लड़ाई के 27 साल बाद 1885 में राम जन्मभूमि के लिए लड़ाई अदालत पहुंची। जब निर्मोही अखाड़े के मंहत रघुबर दास ने फैजाबाद के न्यायालय में स्वामित्व को लेकर दीवानी मुकदमा दायर किया। दास ने बाबरी ढांचे के बाहरी आंगन में स्थित राम चबूतरे पर बने अस्थायी मंदिर को पक्का बनाने और छत डालने की मांग की। जज ने फैसला सुनाया कि वहां हिंदुओं को पूजा-अर्चना का अधिकार है, लेकिन वे जिलाधिकारी के फैसले के खिलाफ मंदिर को पक्का बनाने और छत डालने की अनुमति नहीं दे सकते।

- 1949 : मूर्तियों का प्रकटीकरण

देश के आजाद होने के दो साल बाद 22 दिसंबर 1949 को ढांचे के भीतर गुंबद के नीचे रामलला की मूर्तियों का प्रकटीकरण हुआ। हिंदू पक्ष का कहना था कि राम प्रकट हुए हैं, जबकि मुस्लिमों ने आरोप लगाया था कि किसी ने रातों-रात मूर्तियां रख दीं। इसके बाद इसे विवादित ढांचा मानकर ताला लगवा दिया गया था।

- 1950 : आजादी के बाद पहला मुकदमा

आजादी के बाद पहला मुकदमा हिंदू महासभा के सदस्य गोपाल सिंह विशारद ने 16 जनवरी, 1950 को सिविल जज, फैजाबाद की अदालत में दायर किया। विशारद ने ढांचे के मुख्य गुंबद के नीचे स्थित भगवान की प्रतिमाओं की पूजा-अर्चना की मांग की। करीब 11 महीने बाद 5 दिसंबर 1950 को ऐसी ही मांग करते हुए महंत रामचंद्र परमहंस ने सिविल जज के यहां मुकदमा दाखिल किया। मुकदमे में दूसरे पक्ष को संबंधित स्थल पर पूजा-अर्चना में बाधा डालने से रोकने की मांग रखी गई। 3 मार्च 1951 को गोपाल सिंह विशारद मामले में न्यायालय ने मुस्लिम पक्ष को पूजा-अर्चना में बाधा न डालने की हिदायत दी। ऐसा ही आदेश परमहंस की तरफ से दायर मुकदमे में भी दिया गया।

- 1959 : निर्मोही अखाड़े ने मांगी पूजा-अर्चना की अनुमति

17 दिसंबर 1959 को रामानंद संप्रदाय की तरफ से निर्मोही अखाड़े के छह व्यक्तियों ने मुकदमा दायर कर इस स्थान पर अपना दावा ठोका। साथ ही मांग रखी कि रिसीवर प्रियदत्त राम को हटाकर उन्हें पूजा-अर्चना की अनुमति दी जाए। यह उनका अधिकार है। मुकदमों की कड़ी में एक और मुकदमा 18 दिसंबर 1961 को दर्ज किया गया। ये मुकदमा उत्तर प्रदेश के केंद्रीय सुन्नी वक्फ बोर्ड ने दायर किया। कहा कि यह जगह मुसलमानों की है। ढांचे को हिंदुओं से लेकर मुसलमानों को दे दिया जाए। ढांचे के अंदर से मूर्तियां हटा दी जाएं। ये मामले न्यायालय में चलते रहे।

- 1982 : हिंदू धर्मस्थलों की मुक्ति का अभियान

1982 वो साल था जब विश्व हिंदू परिषद ने राम, कृष्ण और शिव के स्थलों पर मस्जिदों के निर्माण को साजिश करार दिया और इनकी मुक्ति के लिए अभियान चलाने का एलान किया। दो साल बाद 8 अप्रैल 1984 को दिल्ली में संत-महात्माओं, हिंदू नेताओं ने अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि स्थल की मुक्ति और ताला खुलवाने को आंदोलन का फैसला किया।

- 1986 : परिसर का ताला खुला

कानूनी लड़ाई में एक फैसला 1 फरवरी 1986 को आया जब फैजाबाद के जिला न्यायाधीश केएम पांडेय ने स्थानीय अधिवक्ता उमेश पांडेय की अर्जी पर इस स्थल का ताला खोलने का आदेश दे दिया। फैसले के खिलाफ इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ खंडपीठ में दायर अपील खारिज हो गई।

इतिहास में दर्ज हो रही है एक-एक तिथि

राम मंदिर शिलान्यास, फिर प्राण प्रतिष्ठा और अब ध्वजारोहण। एक एक तिथि अब इतिहास में दर्ज हो रही है। अयोध्या की अलौकिकता अद्भुत बन गई है। शिलान्यास के बाद से रामनगरी में निरंतर विशिष्ट आयोजनों की श्रृंखला नए कीर्तिमान गढ़ रही है। प्राण प्रतिष्ठा समारोह में जहां रामोत्सव के रंग क्षितिज पर छाए थे, वहीं योगी सरकार द्वारा लगातार आठ भव्य दीपोत्सव के आयोजनों ने अयोध्या को विश्व पटल पर आच्छादित कर दिया। अब जब राम मंदिर पूर्ण स्वरूप में अपनी आभा बिखेर रहा है, तो 25 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा होने वाला ध्वजारोहण अनुष्ठान उत्सव रामनगरी के लिए ही नहीं, बल्कि सनातन समाज को आह्लादित कर देने वाला है।

राम जन्मभूमि पर बने भव्य राम मंदिर ने अब अपना पूर्ण स्वरूप धारण कर लिया है। शिलान्यास के पावन क्षण से शुरू हुई यात्रा अब ध्वजारोहण के साथ एक और स्वर्णिम अध्याय लिखने को तैयार है। 25 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं भगवा ध्वज चढ़ाकर मंदिर को पूर्णता प्रदान करेंगे। यह आयोजन केवल एक अनुष्ठान नहीं, बल्कि पांच सदी के संकल्प की पराकाष्ठा है। 5 अगस्त 2020 को प्रधानमंत्री ने जब राम मंदिर का शिलान्यास किया था, तब करोड़ों रामभक्तों की आंखें नम थीं। उस दिन अयोध्या ने सदियों का इंतजार समाप्त होते देखा। इसके बाद 22 जनवरी 2024 को प्राण प्रतिष्ठा के साथ रामलला अपने नवीन मंदिर में विराजमान हुए। देश-दुनिया के कोने-कोने से आए श्रद्धालु उस अलौकिक दृश्य के साक्षी बने, जब प्रभु श्रीराम की मूर्ति में प्राण फूंके गए। अब जब मंदिर का गर्भगृह, नृत्य मंडप, सिंह द्वार और भेय खंड पूरे हो चुके हैं, तब ध्वजारोहण का क्षण आया है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट द्वारा ध्वजारोहण को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर लीं गईं हैं। राम मंदिर में ध्वजारोहण को लेकर विशेष अनुष्ठान भी प्रारंभ हो गया है। अनुष्ठान से पहले निकली कलश यात्रा ने नई आध्यात्मिक चेतना का संचार किया है।

अयोध्यावासियों ने ही नहीं संपूर्ण सनातन समाज को प्राण प्रतिष्ठा की तरह ही अब राम मंदिर पर लहराने वाली धर्म ध्वज पताका की प्रतीक्षा है। राष्ट्रीय बौद्धिक परिषद प्रमुख विजयशंकर पांडेय कहते हैं कि यह सनातन समाज के स्वप्नों का पूर्ण साकार रूप हैं, मंदिर पर ध्वजारोहण विश्व में मर्यादा पुरुषोत्तम के प्रति श्रद्धा के नवीन प्रकटीकरण का संवाहक होगा।

योगी सरकार के अयोध्या को आध्यात्मिक राजधानी का संकल्प भी पूर्ण

योगी आदित्यनाथ सरकार ने आठ वर्षों में अयोध्या को विश्व की आध्यात्मिक राजधानी बनाने का जो संकल्प लिया था, वह अब साकार हो रहा है। दीपोत्सव के आठ आयोजन तो केवल झांकी थे। 2024 में 28 लाख दीपों ने जब सरयू तट को दुल्हन की तरह सजाया था, तब दुनिया ने देखा कि रामनगरी अब वैभव की नई परिभाषा लिख रही है। चौदह कोसी और पंचकोसी परिक्रमा मार्ग, नव्य सरयू घाट, राम की पैड़ी हर ओर भव्यता का विस्तार हुआ है।

ऐतिहासिक है 25 नवंबर ध्वजारोहण दिवस

25 नवंबर का दिन इसलिए भी ऐतिहासिक है, क्योंकि यह कार्तिक पूर्णिमा के ठीक बाद का दिन है। वैदिक परंपरा में ध्वज को ब्रह्मा, विष्णु और महेश का प्रतीक माना जाता है। जब 191 फिट ऊंचे ध्वजदंड पर 36 फिट लंबा भगवा

मंदिर में रामलला को प्रणाम कर श्रद्धा निवेदित करते मुख्यमंत्री योगी (फाइल फोटो)

ध्वज फहराया जाएगा, तब ऐसा प्रतीत होगा मानो स्वयं भगवान सूर्य राम मंदिर को अपनी किरणों से अभिनंदन कर रहे हों।

विश्व सांस्कृतिक धरोहर बनी नगरी

अयोध्या अब केवल तीर्थ नहीं, विश्व की सांस्कृतिक धरोहर बन चुकी है। जहां कभी खंडहर थे, वहां आज 67 एकड़ में फैला मंदिर परिसर खड़ा है। तीन मंजिला यह मंदिर नागर शैली में बना है, जिसमें 392 स्तंभ और 44 द्वार हैं। अब ध्वजा की छाया में जब रामलला विराजेंगे, तब सचमुच यह कहना अतिशयोक्ति न होगा कि रामराज्य की पहली किरण फूट पड़ी है। 25 नवंबर को जब प्रधानमंत्री ध्वज चढ़ाएंगे, उस क्षण करोड़ों भारतीयों का हृदय एक ही स्वर में गूंजेगा जय सिया राम। यह ध्वजारोहण केवल एक झंडे का चढ़ाना नहीं होगा, यह 500 वर्षों के तप, त्याग और संघर्ष का विजय पताका होगा, जो सनातन धर्म के पुनर्जागरण का घोष करता हुआ आकाश में लहराएगा।

शिलान्यास से भव्य निर्माण तक

1989: राम जन्मभूमि पर मंदिर का शिलान्यास

जनवरी 1989 में प्रयाग में कुंभ मेले के दौरान मंदिर निर्माण के लिए गांव-गांव शिला पूजन कराने का फैसला हुआ। साथ ही 9 नवंबर 1989 को श्रीराम जन्मभूमि स्थल पर मंदिर के शिलान्यास की घोषणा की गई। काफी विवाद और खींचतान के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने शिलान्यास की इजाजत दे दी। बिहार निवासी कामेश्वर चौपाल से शिलान्यास कराया गया।

1990: आडवाणी ने शुरू की रथ यात्रा आंदोलन को दी धार

सितंबर 1990 को लाल कृष्ण आडवाणी रथ यात्रा लेकर निकले। इस यात्रा ने राम जन्मभूमि आंदोलन को और धार दे दी। आडवाणी गिरफ्तार हुए। गिरफ्तारी के साथ केंद्र में सत्ता परिवर्तन भी हुए।

1992: विवादित ढांचा गिरा, कल्याण सरकार बर्खास्त

6 दिसंबर 1992 को अयोध्या पहुंचे हजारों कारसेवकों ने विवादित ढांचा गिरा दिया। इसकी जगह इसी दिन शाम को अस्थायी मंदिर बनाकर पूजा-अर्चना शुरू कर दी। केंद्र की तत्कालीन पीवी नरसिम्हा राव सरकार ने राज्य की कल्याण सिंह सरकार सहित अन्य राज्यों की भाजपा सरकारों को भी बर्खास्त कर दिया। जन्मभूमि थाना में ढांचा ध्वंस मामले में भाजपा के कई नेताओं समेत हजारों लोगों पर मुकदमा दर्ज कर दिया गया।

1993: दर्शन-पूजन की मिली अनुमति

बाबरी ढहाए जाने के दो दिन बाद 8 दिसंबर 1992 को अयोध्या में कर्फ्यू लगा था। वकील हरिशंकर जैन ने उच्च न्यायालय की लखनऊ खंडपीठ में गुहार लगाई कि भगवान भूखे हैं। राम भोग की अनुमति दी जाए। करीब 25 दिन बाद 1 जनवरी 1993 को न्यायाधीश हरिनाथ तिलहरी ने दर्शन-पूजन की अनुमति दे दी। 7 जनवरी 1993 को केंद्र सरकार ने ढांचे वाले स्थान व कल्याण सिंह सरकार द्वारा न्यास को दी गई भूमि सहित यहां पर कुल 67 एकड़ भूमि का अधिग्रहण कर लिया।

2002: हाईकोर्ट में शुरू हुई मालिकाना हक पर सुनवाई

अप्रैल 2002 में उच्च न्यायालय की लखनऊ खंडपीठ ने विवादित स्थल का मालिकाना हक तय करने के लिए सुनवाई शुरू हुई। उच्च न्यायालय ने 5 मार्च 2003 को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को संबंधित स्थल पर खुदाई का निर्देश दिया। 22 अगस्त 2003 को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने न्यायालय को रिपोर्ट सौंपी। इसमें संबंधित स्थल पर जमीन के नीचे एक विशाल हिंदू धार्मिक ढांचा (मंदिर) होने की बात कही गई।

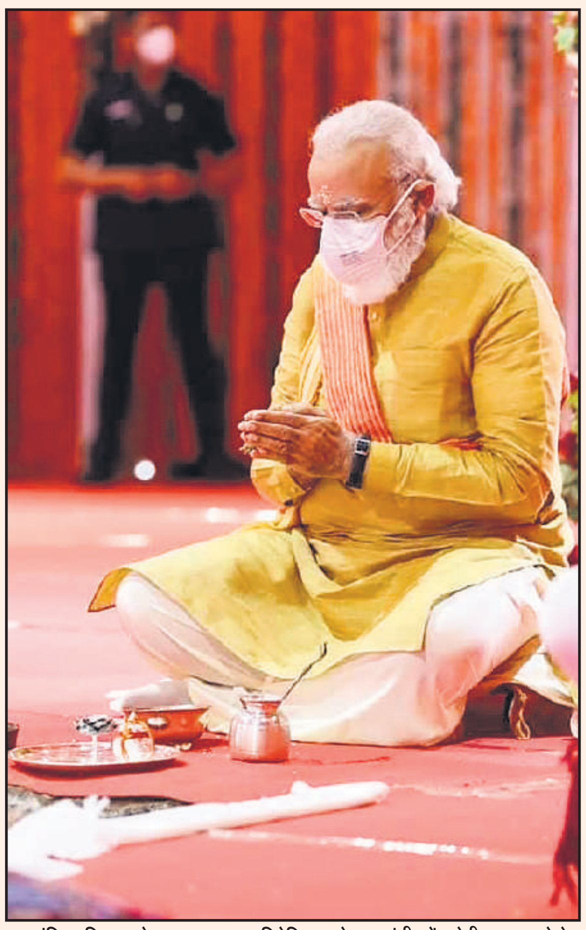

राम मंदिर भूमि पूजन के अवसर पर श्रद्धा निवेदित करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी (फाइल फोटो)

2010: इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने दिया ऐतिहासिक फैसला

30 सितंबर 2010 को इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने इस स्थल को तीनों पक्षों श्रीराम लला विराजमान, निर्मोही अखाड़ा और सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड में बराबर-बराबर बांटने का आदेश दिया। न्यायाधीशों ने बीच वाले गुंबद के नीचे जहां मूर्तियां थीं, उसे जन्मस्थान माना। इसके बाद मामला सर्वोच्च न्यायालय पहुंचा।

2017 : सर्वोच्च न्यायालय द्वारा मध्यस्थता की पेशकश

21 मार्च 2017 को सर्वोच्च न्यायालय ने मध्यस्थता से मामले सुलझाने की पेशकश की। यह भी कहा कि दोनों पक्ष राजी हों, तो वह भी इसके लिए तैयार है।

2019 : सुप्रीम फैसला और मंदिर निर्माण का रास्ता साफ

6 अगस्त 2019 को सर्वोच्च न्यायालय ने प्रतिदिन सुनवाई शुरू की। 16 अक्तूबर 2019 को सर्वोच्च न्यायालय में सुनवाई पूरी हुई और कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया। इससे पहले 40 दिन तक लगातार सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। 9 नवंबर 2019 को 134 साल से चली आ रही लड़ाई में सर्वोच्च न्यायालय ने संबंधित स्थल को श्रीराम जन्मभूमि माना और 2 .77 एकड़ भूमि रामलला के स्वामित्व की मानी। वहीं, निर्मोही अखाड़ा और सुन्नी वक्फ बोर्ड के दावों को खारिज कर दिया गया। इसके साथ ही कोर्ट ने निर्देश दिया कि मंदिर निर्माण के लिए केंद्र सरकार तीन महीने में ट्रस्ट बनाए और ट्रस्ट निर्मोही अखाड़े के एक प्रतिनिधि को शामिल करे। साथ ही यह भी आदेश दिया कि उत्तर प्रदेश की सरकार मुस्लिम पक्ष को वैकल्पिक रूप से मस्जिद बनाने के लिए 5 एकड़ भूमि किसी उपयुक्त स्थान पर उपलब्ध कराए।

2020: अयोध्या में मंदिर की आधारशिला के साथ निर्माण कार्य शुरू

इसी के साथ दशकों से चली आ रही लंबी कानूनी लड़ाई समाप्त हो गई। 5 फरवरी 2020 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अयोध्या में मंदिर निर्माण के लिए राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की घोषणा की। इसके छह महीने बाद 5 अगस्त 2020 को प्रधानमंत्री ने अयोध्या में राम मंदिर की आधारशिला रखी।

2024: रामलला की प्राण प्रतिष्ठा

134 साल चली कानूनी लड़ाई के बाद राम जन्मभूमि पर मंदिर के पहले चरण का काम पूरा होने के बाद इसमें रामलला को स्थापित किया गया। 22 जनवरी 2024 की वह ऐतिहासिक तारीख थी, जब मंदिर में भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा हुई। 23 जनवरी से मंदिर आम लोगों के लिए खुल गया था।

सोत्र- गजेटियर, हिन्दू चेतना स्मारिका

मासूम से दुष्कर्म में बुजुर्ग बाइज्जत बरी हुआ

निचली अदालत से आजीवन कारावास की मिली थी सजा, बयान से मुकरी शिकायतकर्ता, हाईकोर्ट ने सुनाया फैसला

विधि संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: उत्तराखंड हाईकोर्ट ने आठ साल की मासूम के साथ दुराचार करने के जुर्म में निचली अदालत से आजीवन कारावास की सजा पाए एक बुजुर्ग को गवाहों के विरोधाभासी बयानों के आधार पर बाइज्जत बरी करने के निर्देश दिए है। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति रविन्द्र मैठाणी व न्यायमूर्ति आलोक मेहरा की खंडपीठ में हुई।

दिनेशपुर, ऊधमसिंह नगर निवासी अमल बढोही को पॉक्सो एक्ट में आजीवन कारावास की सजा मिली थी। उसने सजा को चुनौती दी थी। अमल बढोही के खिलाफ एक बुजुर्ग महिला ने अपनी पुत्री व 8 वर्षीय नातिन के साथ दुराचार करने की शिकायत की थी जिसके आधार पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ था और वह गिरफ्तार कर लिया गया था। तब अमल बढोही की उम्र करीब 68 वर्ष थी। इस मामले की गवाही के दौरान रिपोर्ट कर्ता बुजुर्ग महिला सहित अन्य गवाह अपने आरोपों से मुकर गए थे लेकिन 8 वर्षीय पीड़िता के बयानों व मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर निचली अदालत ने आरोपी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।

इस मामले में आरोपी अमल बढोही की ओर से कोर्ट को बताया गया कि इस कथित घटना की रिपोर्ट 42 दिन बाद दर्ज हुई है और उसके कई दिन बाद पीड़िता के 164 के तहत बयान दर्ज हुए। बाद में बुजुर्ग महिला, उसकी पुत्री दुराचार के आरोपों से मुकर गए। इन तथ्यों के आधार पर कोर्ट ने आरोपी को निर्दोष ठहराते हुए बरी करने का आदेश दिया है।

यूसीसी पर अब 5 दिसंबर को होगी सुनवाई

नैनीताल, अमृत विचार : उत्तराखंड में 27 जनवरी 2025 से सरकार द्वारा लागू किए गए समान नागरिक संहिता (यूसीसी) बिल को चुनौती देती कई याचिकाओं पर सुनवाई की। मामले की सुनवाई के बाद मुख्य न्यायाधीश जी. नरेंद्र व न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ ने अगली सुनवाई के लिए पांच दिसंबर की तिथि नियत की है। मामले के अनुसार, उत्तराखंड जमात-ए-उलमा हिन्द के अध्यक्ष मो. मुकीम निवासी हल्द्वानी, सचिव तंजीम (हरिद्वार), सदस्य शोएब अहमद (मल्लीताल नैनीताल), मो. शाह नजर (देहरादून), अब्दुल सत्तार (देहरादून) ने यूसीसी के कई प्रावधानों को चुनौती दी थी। इसी तरह एक अन्य रिट देहरादून के नईम अहमद, बिजनौर के हिजाब अहमद, देहरादून के जावेद अख्तर व आकिब कुरैशी के साथ-साथ यूसीसी के कुछ प्रावधानों को अधिवक्ता आरुषि गुप्ता ने जनहित याचिका के जरिये चुनौती दी है। भीमताल निवासी सुरेश सिंह नेगी ने भी यूसीसी में लिव इन रिलेशनशिप के प्रावधानों को जनहित याचिका के जरिये चुनौती दी है जबकि देहरादून के एलमसुद्दीन व अन्य ने रिट याचिका दायर कर यूसीसी को चुनौती दी है। याचिकाओं में कहा गया कि राज्य सरकार को किसी व्यक्ति विशेष को यह बिल पास करके उनकी व्यक्तिगत संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकारों को हनन करने की अनुमति नहीं देता। यह उनकी निजता का हनन है इसलिए इसमें सुधार करने की आवश्यकता है जिस पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने 5 दिसम्बर की तिथि नियत की है।

कॉर्बेट पार्क के नए जिप्सी चालकों की दें मानक रिपोर्ट

विधि संवाददाता, नैनीताल

- हाईकोर्ट ने जिप्सी संचालन को लेकर याचिका पर की सुनवाई

अमृत विचार: उत्तराखंड हाईकोर्ट ने कॉर्बेट पार्क में जिप्सी संचालन को लेकर नए पंजीकृत स्थानीय वाहन स्वामियों को पार्क के द्वारा जारी लिस्ट में शामिल नहीं करने के मामले में दायर जनहित याचिका पर सुनवाई की।

सुनवाई के बाद खंडपीठ ने रीजनल ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी और निदेशक कॉर्बेट पार्क से नए जिप्सी संचालको के लिए क्या मानक तय किए गए है, उसकी विस्तृत रिपोर्ट पेश करने को कहा है। मामले में सुनवाई के लिए 5 दिसंबर की तिथि नियत की गई है। मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश जी. नरेंद्र व न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ में हुई। मामले के अनुसार, चक्षु करगेती, सावित्री अग्रवाल व अन्य ने उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर कहा है कि कॉर्बेट पार्क में जिप्सी के लिए लॉटरी प्रक्रिया भाग लेने के लिए जो गाइडलाइन बनाई गई है, सभी परमिट होल्डर जिनके पास वैलिड परमिट है और शर्तों को पूरा कर रहे हैं। चाहें वे पुराने परमिट धारक हो या फिर नए, उन सब को लॉटरी प्रक्रिया में भाग लेने का अधिकार है लेकिन जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क द्वारा विशेष कैटेगरी जिप्सी स्वामी को ही पंजीकृत किया जा रहा है और 2 वर्ष पुराने पंजीकृत जिप्सियों को प्रतिभाग नहीं करने दिया जा रहा है जबकि इन लोगों के पिछले वर्ष आरटीओ से परमिट प्राप्त किए हैं। साथ ही, कोर्ट के पूर्व आदेशों का उल्लंघन है। प्रतिभाग न करने की वजह से जिप्सी संचालक बेरोजगार हो गए हैं।

समीक्षा बैठक को संबोधित करते मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन।

पीएमश्री स्कूलों में एक माह के भीतर बनाई जाएं कम्प्यूटर लैब

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- मुख्य सचिव ने समीक्षा बैठक में दिए अधिकारियों को निर्देश

अमृत विचार: पीएमश्री स्कूलों में कम्प्यूटर लैब एवं पुस्तकालयों की स्थापना में तेजी लाने के साथ ही एक माह में कम्प्यूटर लैब स्थापित की जाएं। यह निर्देश मुख्य सचिव (सीएस) आनन्द बर्द्धन ने सोमवार को सचिवालय में पीएमश्री स्कूलों की समीक्षा के दौरान दिए।

उन्होंने कहा कि स्कूलों में पुस्तकालयों के लिए शीघ्र बजट आवंटित किया जाए। 32 पीएमश्री स्कूलों में एकीकृत विज्ञान प्रयोगशालाओं की स्थापना में भी तेजी लायी जाए। जिनका बजट जारी किया जाना है, एक माह के भीतर बजट जारी कराया जाए। उन्होंने टिंकरिंग लैब शीघ्र उपलब्ध कराए जाने के लिए आईआईटी कानपुर से लगातार संवाद कर निर्धारित समय सीमा के अंदर कार्य को पूर्ण कराए जाने के निर्देश दिए। सीएस ने सभी पीएमश्री स्कूलों में खेल के मैदान उपलब्ध कराए जाने पर भी शीघ्रातिशीघ्र कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिए।

बैठक के दौरान बताया गया कि प्रदेश में कुल 226 विद्यालयों को पीएमश्री विद्यालयों के रूप में चुना गया है। इसमें 34 प्राथमिक एवं 192 माध्यमिक विद्यालय शामिल हैं। इसके साथ ही 15 और अन्य विद्यालयों को स्वीकृति मिली है। बताया गया कि पीएमश्री के 22 कम्पोनेंट्स में से 16 को 100 प्रतिशत लागू कर लिया गया है। बाकि 6 कम्पोनेंट्स का कार्य विभिन्न चरणों में गतिमान है।

जाइका का वित्तीय एवं भौतिक प्लान तैयार करें

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- मुख्य सचिव ने उच्चस्तरीय बैठक में दिए निर्देश

अमृत विचार: मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन की अध्यक्षता में सोमवार को सचिवालय में जाइका से वित्त पोषित उत्तराखंड एकीकृत उद्यान विकास परियोजना की उच्च स्तरीय/ संचालन समिति की बैठक संपन्न हुई।

बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने अधिकारियों को परियोजना का वित्तीय एवं भौतिक प्लान तैयार किए जाने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने वरिष्ठ अधिकारियों को जनपदों में भ्रमण कर समीक्षा कर फीडबैक लेने के लिए लगातार दौरे करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने निर्देश दिए कि अन्य विभागों की फल एवं सब्जियों से जुड़े आजीविका की योजनाओं को भी इसमें शामिल किया जाए। मुख्य सचिव ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए वार्षिक कार्ययोजना जनवरी माह तक पूर्ण किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्धारित अवधि में कार्य पूर्ण हो सकें, इसके लिए जनपदों के लिए भी लक्ष्य निर्धारित किए जाएं।

संपूर्ण प्रोजेक्ट का भी वर्षवार लक्ष्य निर्धारित करते हुए प्लान तैयार कर लिया जाए। इस अवसर पर बैठक में सचिव श्रीधर बाबू अद्दांकी, डॉ. एस.एन. पांडेय, महानिदेशक कृषि एवं उद्यान वंदना सहित कृषि, उद्यान एवं सगन्ध पौधा केंद्र के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

गुरु की शरण में जाने से मानव का जीवन सफल : प्रेमानंद

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: गणेशपुर की पुलिया स्थित कांता यादव के आवास पर पहुंचे संत ध्यान प्रेमानंद जी महाराज ने कहा कि गुरु की शरण में जाने से मानव का जीवन सफल हो जाता है।

हरियाणा के फतेहाबाद से आए संत ध्यान प्रेमानंद जी महाराज आज सोमवार की सुबह गणेशपुर की पुलिया पर स्थित कांता यादव के आवास पर पहुंचे। इस मौके पर उन्होंने मौजूद संगत को कहा कि गुरु की भक्ति करने से मानव का जन्म सफल हो जाता है। उन्होंने बताया कि सतगुरू को अपना बनाने से मानव के सभी कष्ट दूर हो जाते हैं। इस मौके पर भजनों में सतगुरू से कर ले प्यार ओ नादान मुसाफिर पर झूम उठे श्रद्धालु। इसके बाद प्रसाद वितरित किया गया। जहां पर संत विचार सांतानंद, संत आलोक प्रेमानंद, संत अध्यात्म प्रेमानंद, अनामिका, कांता यादव, रितु खुराना, हिमानी खुराना, अग्रिमा यादव, बाला खुराना, दीक्षांत यादव, महक, अक्षित यादव, किट्टू, तुलाराम यादव, कुलदीप कौर, अभिजोत, युवराज, दर्शन राम, वैशाली अरोरा, सिमरत कौर, अंगद आदि मौजूद रहे।

सत्संग के दौरान प्रवचन सुनाते संत ध्यान प्रेमानंद जी महाराज। ● अमृत विचार

सीएम के मीडिया समन्वयक पहुंचे एसएसजे विवि

अल्मोड़ा, अमृत विचार : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के मीडिया समन्वयक मदन मोहन सती सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय पहुंचे। यहां उन्होंने कुलपति प्रो. सतपाल सिंह बिष्ट से मुलाकात की। आगामी दिसंबर में प्रस्तावित उत्तराखंड राज्य भविष्य, संभावनाएं और चुनौतियां आदि दृष्टिकोण विषय पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम को लेकर चर्चा की। मौके पर मदन मोहन सती ने सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय पहुंच विवि के शैक्षिक, अकादेमिक और संरचनात्मक विकास को लेकर जानकारी ली। विभिन्न संकायों की समस्याओं से अवगत हुए। उन्होंने विश्वविद्यालय में परफार्मिंग आर्ट, जर्नलिज्म, पर्यटन आदि जैसे नवीन पाठ्यक्रमों के भविष्य और उनके संचालन को लेकर चर्चा की। कुलपति प्रो. सतपाल सिंह बिष्ट ने उनको विश्वविद्यालय की समस्या, जन संसाधनों की स्थिति और चुनौतियों के बारे में बताया।

बग्गा 54 में धान बिक्री को लेकर मारामारी

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: ग्राम बग्गा 54 के किसानों को धान की बिक्री को लेकर मारामारी का सामना करना पड़ रहा है। यहां चल रहे यूसीएफ के दोनों क्रय केन्द्रों में लगभग 10 दिनों से धान की बिक्री नहीं हो पा रही है। किसान धान खरीद केन्द्रों की लिमिट बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। बग्गा 54 के किसानों ने भारतीय किसान यूनियन (चढूनी) जिलाध्यक्ष मनजीत सिंह भुल्लर की देखरेख में उपजिलाधिकारी तुषार सैनी को ज्ञापन भेजा और धान की लिमिट बढ़ाने की मांग की। ट्रैक्टर ट्रॉलियों से तहसील परिसर पर पहुंचे सरपुड़ा बग्गा 54 के ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम सभा में चलने वाले दोनों धान क्रय केन्द्रों में पिछले 10 दिन से धान खरीद बंद चल रही है। क्रय केन्द्र प्रभारी खरीद लिमिट खत्म होने की जानकारी देकर धान खरीद नहीं कर रहे हैं। किसानों ने बताया कि आधे से अधिक धान अभी किसानों के पास पड़ा है।

धान खरीद बंद होने से किसान अपनी पैदावार औने-पौने भावों में बिचौलियों को सौंपने को मजबूर हैं। किसान नेता मनजीत सिंह भुल्लर ने एसडीएम तुषार सैनी से बात की उन्होंने उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। ज्ञापन देने वालों में ग्राम प्रधान रमेश लाल, धर्म सिंह, पुष्कर सिंह, सुंदर सिंह, जोगेंद्र प्रसाद, देवेंद्र सिंह, उमेश, भगवान सिंह, त्रिभुवन सिंह, लक्ष्मण सिंह, शमशेर सिंह, कृपाल सिंह आदि मौजूद रहे।

वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश किया, नेपाल तक था नेटवर्क

संवाददाता, हरिद्वार

- हरिद्वार और नेपाल सीमा से चोरी की बाइकें बरामद

अमृत विचार: हरिद्वार के रानीपुर क्षेत्र में सिलसिलेवार हो रही दोपहिया वाहन चोरियों पर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मोटरसाइकिल तस्करी करने वाले गैंग का सोमवार को भंडाफोड़ किया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) हरिद्वार प्रमेन्द्र सिंह डोबाल के निर्देशन में बनी टीम ने तकनीकी सहायता और सीआईयू की मदद से चोरी की वारदातों की कड़ियां जोड़ीं और न्यू शिवालिक नगर टिहरी विस्थापित रपटे के पास जांच के दौरान मुख्य आरोपी सुमित चौहान निवासी गाजियाबाद और अजीजुर्रहमान उर्फ रहमान मलिक निवासी रामपुर (उत्तर प्रदेश) को चोरी की दो पल्सर मोटरसाइकिलों समेत गिरफ्तार किया। पूछताछ में सामने आया कि गैंग मास्टर-की के जरिए मोटरसाइकिल चुराकर मुरादाबाद होते हुए खटीमा और जंगल के रास्ते नेपाल पहुंचाता था, जहां इन वाहनों को महंगे दामों में बेचा जाता था।

एसएसपी ने बताया कि, आरोपियों की निशानदेही पर ज्वालापुर क्षेत्र स्थित एक खंडहर भवन से आठ और चोरी की मोटरसाइकिलें और स्कूटी बरामद की गईं। जबकि नेपाल सीमा पर छिपाई गई दो बुलेट मोटरसाइकिलों को बरामद करने के लिए पुलिस टीम रवाना कर दी गई है। पुलिस अब तक चोरी की 10 मोटरसाइकिलें बरामद कर चुकी है, जिससे रानीपुर, ज्वालापुर और सिडकुल क्षेत्र से दर्ज कई मामलों की गुत्थियां सुलझ गई हैं। यह खुलासा रानीपुर पुलिस और सीआईयू की संयुक्त मेहनत का नतीजा रहा।

एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल।

खटीमा में एनसीसी डे पर रैली निकालते कैडेट्स। ● अमृत विचार

एनसीसी कैडेट्स ने मनाई 77वीं वर्षगांठ

खटीमा : पीएमश्री अटल उत्कृष्ट थारू राजकीय इंटर कॉलेज खटीमा में आज एनसीसी कैडेट के द्वारा एनसीसी की 77वीं वर्षगांठ धूमधाम से मनाई। इस अवसर पर एनसीसी कैडेट ने स्वच्छता अभियान चलाया और शहर में एक जागरूकता रैली निकाली। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य संतोष कुमार ने कहा कि एनसीसी एक बहुत महत्वपूर्ण संगठन है। इसका सदस्य बनना आप सबके लिए गर्व की बात है। एनसीसी अधिकारी नरेंद्र सिंह रौतेला एनसीसी प्रमाण पत्र के द्वारा दिए जाने वाले लाभ पर विस्तृत चर्चा की। इस अवसर पर अच्छा कार्य करने वाले एनसीसी कैडेट को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में जागेश तिवारी, अजय कुमार अवस्थी, विवेक जोशी आदि उपस्थित रहे।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष की फोटो प्रसारित करने पर मुकदमे की मांग

संवाददाता, पिथौरागढ़

अमृत विचार: कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल की तस्वीर टॉय बंदूक के साथ सोशल मीडिया में पोस्ट करने के मामले में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा नेता के खिलाफ अभियोग दर्ज करने की मांग पर कोतवाली में तहरीर दी। कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ प्रदर्शन भी किया।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष मुकेश पंत के नेतृत्व में कार्यकर्ता कोतवाली पहुंचे और कोतवाल ललित मोहन जोशी को तहरीर दी। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि, बीती 21 नवंबर को प्रदेश में वन्य जीव और मानव संघर्ष से हो रही जनहानि को लेकर देहरादून में वन मुख्यालय परिसर में धरना दिया गया था। इस दौरान वन्य जीवों पर अंकुश लगाने की मांग को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने प्लास्टिक की बंदूक (टॉय गन) पकड़ी थी। आरोप है कि भाजपा ने एआई के जरिए इसे असली बंदूक बताकर तस्वीर सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए उनकी छवि को धूमिल करने का काम किया। इसके पीछे एक भाजपा नेता शामिल है। ऐसे में विधि अनुसार संबंधित के खिलाफ केस दर्ज कर उचित कार्रवाई होनी चाहिए। कांग्रेसियों ने चेतावनी देते हुए कहा कि, यदि ऐसा नहीं हुआ तो कांग्रेस सड़कों पर उतरेगी। इस मौके पर दीपक लुंठी, मनु ठकराठी, शिबा भंडारी, शंकर लाल, रजत वर्मा, सुधीर चौहान मौजूद रहे।

पिथौरागढ़ कोतवाली में प्रदर्शन करते कांग्रेस कार्यकर्ता।

पहल | गोवा में 56वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के अन्तर्गत आईएफएफआई वेव्स फिल्म बाजार 2025

देश-विदेश के फिल्म निर्माता उत्तराखंड में शूटिंग को इच्छुक

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: गोवा में आयोजित 56वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (इफ्फी) के अन्तर्गत आयोजित आईएफएफआई वेव्स फिल्म बाजार 2025 में विभिन्न देशों एवं भारत के विभिन्न राज्य सरकारों के पवेलियन बनाए गए हैं। वेव्स फिल्म बाज़ार में उत्तराखंड पवेलियन सभी फिल्म निर्माताओं एवं निर्देशकों के लिए आकर्षण का केंद्र बना रहा।

उत्तराखंड फिल्म विकास परिषद के संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं नोडल अधिकारी डॉ. नितिन उपाध्याय ने सोमवार को बताया कि फिल्म बाज़ार में उत्तराखंड राज्य द्वारा प्रतिभाग किया गया। उत्तराखंड पवेलियन में देश-विदेश के फिल्म निर्माता और निर्देशकों द्वारा राज्य की फिल्म नीति के बारे में जानकारी ली गई। बंगाली, तमिल, मलयालम, गुजराती, मराठी आदि भाषाओं के फिल्म निर्माताओं द्वारा भी फिल्मों की शूटिंग में रुचि दिखाई गई है। राज्य सरकार द्वारा दिए जाने वाले सहयोग एवं सुविधाओं की सराहना भी की गई। कई विदेशी फिल्म निर्माता और निर्देशकों द्वारा उत्तराखंड में शूटिंग करने पर सहमति प्रदान की गई है।

फिल्म बाजार में आगामी वर्ष 2026 में होने वाली राजजात यात्रा के बारे में भी फिल्म निर्माताओं को जानकारी दी गई, जिसमें कई विदेशी फिल्म मेकर द्वारा डॉक्यूमेंट्री शूट करने की बात की गई है। डॉ. उपाध्याय ने बताया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा दिए गए निर्देशों का ही परिणाम है कि आज उत्तराखंड की फिल्म नीति की सराहना देश दुनिया में हो रही है।

उत्तराखंड पवेलियन में ऑस्ट्रेलियन फिल्म मेकर सुवीं ग्राहम द्वारा बताया गया कि उनके द्वारा आगामी फरवरी माह में उत्तराखंड भ्रमण कर शूटिंग लोकेशन देखने आएंगी। इसके साथ ही फिल्म आर्ट हांगकांग, फ़िनलैंड वेगा, रूस, स्टेट सिनेमा सेण्टर-किर्ग़िज़स्तान, जेट्रो -जापान, न्यूजीलैंड फिल्म कमीशन, जीरो ग्रेविटी पिक्चर्स के प्रतिनिधियों द्वारा राज्य की फिल्म नीति के बारे में जानकारी ली गई। अंतर्राष्ट्रीय फिल्म निर्माता और बॉम्बे बर्लिन फिल्म प्रोडक्शंस के सीईओ अरफ़ी लांबा द्वारा भी राज्य की फिल्म नीति की सराहना की गई। उन्होंने बताया कि उनकी कम्पनी देश विदेश के फिल्म निर्माताओं के साथ कार्य करती है। उनका प्रयास रहेगा कि विदेशी फिल्म निर्माताओं को उत्तराखंड लाया जाय। सूचना मंत्रालय, भारत सरकार डायरेक्टर फिल्म्स राजेश कुमार शर्मा एवं उनकी टीम द्वारा भी उत्तराखंड पवेलियन का भ्रमण किया गया एवं राज्य सरकार की फिल्म नीति की सराहना की गई।

गोवा वेव्स फिल्म बाजार में चर्चा करते डॉ. नितिन उपाध्याय।

उत्तराखंड को पीएमजीएसवाई-1 में 130 करोड़ जारी

देहरादून, अमृत विचार : भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय ने उत्तराखंड राज्य में प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना-1 के अंतर्गत किये गए कार्यों के लंबित भुगतान के लिए 130.9680 करोड़ रुपये जारी किये हैं।

स्वीकृत धनराशि को पीएमजीएसवाई-1 के 31 मार्च 2025 तक बनी देनदारियों के भुगतान के लिए जारी किया गया है। केंद्र सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय से इस संबंध में जारी आदेश में कहा गया है कि उक्त स्वीकृति सिर्फ 31 दिसम्बर 2025 तक वैध रहेगी और इस तिथि के बाद इसमें से कोई भी खर्च नहीं किया जाएगा। इस स्वीकृत धनराशि से केवल उन कार्यों का भुगतान होगा जो 31 मार्च 2025 तक पूरे हो गए हों या फिर उन कार्यों का कुछ भाग जो उक्त तिथि तक पूरा हो गया हो। राज्य को बाकी हिस्सा सिर्फ़ स्टेट फंड से पूरा करना होगा। पीएमजीएसवाई-1 के अंतर्गत कुल 384 योजनाओं का भुगतान होना है, जिनमें से 212 सड़कें और 172 पुल शामिल हैं।

उत्तराखंड खनन नीति को हाईकोर्ट में चुनौती

विधि संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: उत्तराखंड खनन नीति को हाईकोर्ट में चुनौती मिली है। हाईकोर्ट ने सरकार, सचिव खनन, राज्य प्रदूषण बोर्ड, डीएम ऊधमसिंह नगर को नोटिस जारी कर 8 दिसंबर तक सभी पक्षकारों को जारी नोटिस पर जवाब दाखिल करने का समय दिया है। मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश जी. नरेंद्र व न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ में हुई।

बाजपुर, ऊधमसिंह नगर निवासी रमेश लाल ने हाईकोर्ट में जनहित याचिका दाखिल कर खनन नीति के लिए बनाई गई 18 सितंबर 2024 के नोटिफिकेशन को चुनौती दी है। याचिका में कहा गया है कि खनन नीति में कई खामिंया हैं। इसमें खनन भंडारण की अनुमति के लिए डीएम को अधिकृत किया गया है, जो गलत है। वहीं, खनन अधिकारी और तहसीलदार को ही कमेटी में रखने और प्रदूषण बोर्ड को इस कमेटी से बाहर करने को भी गलत बताया गया है।

याचिका में कहा गया है कि खेती वाली भूमि में खनन स्टॉक की अनुमति दी जा रही है, जिससे अवैध खनन लगातार बढ़ रहा है और राजस्व का भी नुकसान हो रहा है। वहीं, याचिका में कहा गया है कि धार्मिक स्थलों और आवास से दूरी को 5 मीटर रखा गया है जबकि फॉरेस्ट से दूरी को 10 मीटर किया गया है। याचिका में खनन स्टॉक की जांच करने और नोटिफिकेशन को निरस्त करने की मांग कोर्ट से की गई है।

ब्रीफ न्यूज

सीआईएसएफ के सब इंस्पेक्टर भोपाल चन्द के निधन पर शोक

भोपाल चंद। (फाइल)

बनबसा : सीआईएसएफ के सब इंस्पेक्टर भोपाल चंद उम्र 58 वर्ष का निधन हो गया है। उनके निधन पर गोरव सैनानी कल्याण समिति पूर्व सैनिक संगठन ने शोक व्यक्त किया है। संगठन के अध्यक्ष कैप्टन भानी चंद ने बताया कि सब इंस्पेक्टर भोपाल चंद वर्तमान में टनकपुर पावर स्टेशन पर तैनात थे। अचानक उनके निधन की सूचना मिली। उनके आकस्मिक निधन पर क्षेत्र में शोक की लहर है। क्षेत्र के अनेक लोगों ने उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की है।

पैराग्लाइडिंग उड़ान अभ्यास नाम से दिया जा रहा सोलो पैराग्लाइडिंग पायलट का प्रशिक्षण

पैराग्लाइडिंग के क्षेत्र में पहचान बना रहा डांडा ककनई क्षेत्र

- लोहाघाट के बाणासुर किला क्षेत्र से भी उड़ान भर चुके हैं पैराग्लाइडर

संवाददाता, टनकपुर

डांडा ककनई में पैराग्लाइडिंग उड़ान का नजारा। ● अमृत विचार

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के पर्यटन क्षेत्र में रोजगार बढ़ाने के निर्देशों के क्रम में चम्पावत जनपद में साहसिक पर्यटन को ऊंचाईयों पर ले जाने के लिए बाणासुर के बाद अब डांडा ककनई क्षेत्र भी पैराग्लाइडिंग प्रशिक्षण शुरू कर दिया गया है। वर्तमान में डांडा में 'पैराग्लाइडिंग उड़ान अभ्यास' नाम से सोलो पैराग्लाइडिंग पायलट प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रतिभागी 100 घंटे की उड़ान पूरी होने पर वे टैंडम (कामर्शियल) पायलट बनने के लिए पात्र होंगे।

जिला पर्यटन विकास अधिकारी लता बिष्ट ने बताया कि डांडा में छह नवंबर से प्रथम बैच का प्रशिक्षण दिया जा रहा है जो 25 नवम्बर तक चलेगा। 26 नवम्बर से 16 दिसम्बर तक दूसरे बैच का प्रशिक्षण दिया जाएगा। पूर्व में पैराग्लाइडिंग पायलटों ने लोहाघाट के समीप बाणासुर किला क्षेत्र से उड़ान भरी थी। ककनई साइट पैराग्लाइडिंग के लिए अधिक उपयुक्त पाए जाने के बाद यहां एयरो स्पोर्ट्स गतिविधियों को पंख लगने की उम्मीद है। विशेषज्ञों के अनुसार डांडा में उड़ान भर रहे पायलट करीब तीन घंटे तक आसमान में रोमांचक उड़ान का अनुभव कर रहे हैं। यह स्थल पैराग्लाइडिंग के सभी मानकों पर खरा उतर रहा है। यहां बेहतर थर्मल, उपयुक्त हवा का रुख और सुरक्षित लैंडिंग ग्राउंड उपलब्ध है। महाराष्ट्र से आए प्रशिक्षक आकाश ने भी ककनई को पैराग्लाइडिंग के लिए अत्यंत उपयुक्त बताया और कहा कि भविष्य में यहां राष्ट्रीय स्तर की पैराग्लाइडिंग प्रतियोगिताएं आयोजित की जा सकती हैं। प्रशिक्षण समन्वयक एवं साहसिक खेल अधिकारी भीमताल बलवंत सिंह कपकोटी के निर्देशन में संचालित किया जा रहा है। जिलाधिकारी मनीष कुमार ने बताया कि पर्यटन सचिव धीराज गर्ब्याल की पहल पर प्रदेश में नई पैराग्लाइडिंग साइट्स चिह्नित की जा रही हैं। डांडा ककनई क्षेत्र पर्यटन और साहसिक खेलों के मानचित्र पर तेज़ी से उभरेगा। चम्पावत में परैराग्लाडिंग के लिए दो स्थलों के विकसित होने से स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार और एडवेंचर टूरिज्म के नए अवसर पैदा होंगे तथा जनपद साहसिक पर्यटन का प्रमुख केंद्र बनकर उभरेगा।

अल्मोड़ा में गुरु तेग बहादुर शहीदी दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते बच्चे।

निबंध में मनीषा व चित्रकला में आदर्श ने मारी बाजी

अल्मोड़ा : अल्मोड़ा में सोमवार को गुरु तेग बहादुर की 350 वें शहीदी दिवस मनाया गया। इस अवसर पर वाद विवाद, निबंध और चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। नगर के मल्ला महल में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि मेयर अजय वर्मा और विशिष्ट अतिथि गुरुद्वारा के ग्रंथि मक्खन सिंह ने किया। उन्होंने कहा कि यह दिन 1675 में धर्म और मानवाधिकारों की रक्षा के लिए उनके बलिदान की याद दिलाता है। प्रतियोगिता के वाद विवाद में जीजीआईसी की मनीषा बिष्ट ने प्रथम, कूर्मांचल एकेडमी की गरिमा और गोकुल मंडोला ने द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया। जबकि निबंध में भी मनीषा और चित्रकला आदर्श मेहरा ने बाजी मारी। इस मौके पर यहां क्षेत्रीय पुरातात्विक अधिकारी चंद्र सिंह चौहान, हेमलता वर्मा आदि मौजूद रहे।

वरिष्ठजनों और महिलाओं के सम्मान से ही संरक्षित है हमारी संस्कृति : गीता धामी

सीएम पुष्कर सिंह धामी के पत्नी ने बमनपुरी में वरिष्ठजनों, ग्रामीणों एवं कृष्ट आश्रम निवासियों से किया संवाद

संवाददाता, टनकपुर

बमनपुरी में महिलाओं का अभिवादन करतीं गीता धामी। ● अमृत विचार

अमृत विचार : सेवा संकल्प (धारिणी) फाउंडेशन की फाउंडर ट्रस्टी मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की धर्मपत्नी गीता धामी ने बमनपुरी पहुँचकर वरिष्ठजनों, ग्रामीणों एवं कृष्ट आश्रम में निवासरत रोगियों से आत्मीय संवाद स्थापित किया।

कार्यक्रम के दौरान दर्जा राज्य मंत्री श्याम नारायण पांडे ने फाउंडेशन ट्रस्टी गीता धामी का स्वागत किया तथा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में हो रहे विकास कार्यों के लिए आभार व्यक्त किया। ग्राम प्रधान वैशाली राणा ने सभी अतिथियों का स्वागत किया, जबकि महिला मंगल दल की सदस्य राखी ने गाँव में कच्ची शराब बंद कराने, बाड़ सुरक्षा के लिए बंदा निर्माण तथा सड़क निर्माण के लिए धन्यवाद प्रकट किया। धामी ने सबसे पहले बमनपुरी के वरिष्ठ नागरिकों एवं ग्रामीणों से भेंटकर उनके ने स्वास्थ्य, आजीविका, मूलभूत सुविधाओं तथा स्थानीय समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि किसी भी समाज की वास्तविक शक्ति उसके ग्रामीण ताने-बाने, बुजुर्गों के सम्मान और उनकी समुचित देखभाल में निहित होती है। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति वृद्धजनों और महिलाओं के सम्मान से ही संरक्षित रहती है, तथा उपस्थित सभी लोगों से नशामुक्ति और पर्यावरण संरक्षण के लिए सक्रिय प्रयास करने की अपील की।इसके उपरांत धामी ने कृष्ट आश्रम बमनपुरी का भ्रमण कर वहाँ रह रहे देव राम (85), शंकर लाल (70), पार्वती देवी (61) सहित अन्य से भेंट की और उनकी स्वास्थ्य स्थिति, देखभाल, दैनिक आवश्यकताओं तथा आश्रम की जरूरतों की जानकारी ली।

आश्रम प्रबंधक बेंसन चौहान से वार्ता करते हुए उन्होंने आश्रम की छत की मरम्मत करवाने तथा रोगियों की नियमित चिकित्सकीय जाँच के लिए वाहन उपलब्ध कराने के लिए सम्बन्धित को दिशानिर्देश दिए। इस अवसर पर धामी ने आश्रम के निवासियों को फल एवं आवश्यक सामग्री भी भेंट की। इस दौरान दर्जा मंत्री श्याम नारायण पांडे, भाजपा जिलाध्यक्ष गोविंद सामंत, ब्लॉक प्रमुख अंचला बोरा, मुख्य विकास अधिकारी डॉ जी एस खाती, एपीडी विम्मी जोशी, सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

हस्तशिल्प व स्थानीय उत्पादों का निरीक्षण

बनबसा : टनकपुर पावर स्टेशन एनएचपीसी सभागार में आयोजित जेंडर संवेदीकरण कार्यशाला में महिला स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं के साथ मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की पत्नी गीता धामी ने संवाद किया। इस दौरान महिलाओं द्वारा तैयार हस्तशिल्प, स्थानीय उत्पादों, नवाचारों का निरीक्षण किया। इस दौरान महिलाओं ने बताया कि वे आज विभिन्न क्षेत्रों में अपने-अपने हस्तशिल्प एवं स्थानीय उत्पादों का निर्माण कर रही हैं, जिससे उनकी आजीविका में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। हमारी बहनों के आत्मविश्वास, कार्यकुशलता और निरंतर प्रगति को देखकर बड़ी प्रसन्नता हुई। इस अवसर पर गीता धामी ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा 'लखपति दीदी योजना', महिला स्वयं सहायता समूहों को बिना ब्याज ऋण उपलब्ध कराने की पहल एवं आर्थिक-सामाजिक सशक्तिकरण हेतु चलाई जा रही योजनाएं वास्तव में जमीनी स्तर पर उल्लेखनीय प्रभाव डाल रही हैं। सेवा संकल्प (धारिणी) फाउंडेशन की ओर से महिलाओं को उपहार भेंट कर प्रोत्साहित किया गया।

अग्निवीर दीपक सिंह को श्रद्धांजलि देते क्षेत्र के लोग। ● अमृत विचार

अग्निवीर दीपक को सैकड़ों लोगों ने नम आंखों से दी अंतिम विदाई

- अग्निवीर दीपक सिंह को सामने से लगी थी 3 से 4 गोलियां
- 2 साल पहले ही हुए थे भर्ती, 10 दिन पहले भी छुट्टी बिताकर ड्यूटी पर लौटे थे

संवाददाता, चम्पावत

दीपक सिंह।

अमृत विचार: चम्पावत जिले के पाटी विकासखंड के खरही गांव के अग्निवीर जवान दीपक सिंह को नम नेत्रों से अंतिम विदाई दी गई। सैन्य सम्मान के साथ सोमवार को उनका अंतिम संस्कार स्थानीय घाट में किया गया। इस मौके पर सैन्य अधिकारी, प्रशासन और पुलिस के अधिकारी भी मौजूद रहे। पुलिस क्षेत्राधिकारी शिवराज सिंह राणा ने बताया कि शव लेकर आए सैन्य अधिकारी द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक अग्निवीर दीपक सिंह को सामने से 3 से 4 गोली लगी हैं।

चम्पावत जिले के पाटी विकासखंड के खरही गांव निवासी दीपक सिंह (23) पुत्र शिवराज सिंह जम्मू कश्मीर के पुंछ जिले में एलओसी (नियंत्रण रेखा) के पास सेना की अग्रिम चौकी में तैनात थे। वे 2 साल पहले ही अग्निवीर में भर्ती हुए थे। प्रशिक्षण पूरी करने के बाद उन्हें जम्मू कश्मीर के पुंछ जिले की मेंढर तहसील में नियंत्रण रेखा के पास सेना की अग्रिम चौकी में तैनाती मिली थी। 22 नवंबर को दोपहर करीब ढाई बजे संदिग्ध परिस्थितियों में गोली चलने से दीपक सिंह की मौत हो गई। सूबेदार दीपक के नेतृत्व में आए जवान जैसे ही पार्थिव शव लेकर पहुंचे, तो माहौल बेहद गमगीन हो गया। सैन्य सम्मान के साथ अग्निवीर जवान का स्थानीय घाट में अंतिम संस्कार किया गया। प्रशासन की ओर से एसडीएम अनुराग आर्य, सीओ शिवराज सिंह राणा, विधायक खुशाल सिंह अधिकारी, पूर्व विधायक पूरन सिंह फर्त्याल, पाटी के ब्लॉक प्रमुख शंकर सिंह अधिकारी, भाजपा प्रदेश मंत्री निर्मल माहरा, जिला महामंत्री मुकेश कलखुड़िया, पूर्व जिलाध्यक्ष सुभाष बगौली, जिला पंचायत सदस्य सोनू बोहरा, पूर्व जिला पंचायत सदस्य भोला सिंह बोहरा, मुकेश महराना मौजूद रहे।

दीर्घकालीन अवकाश का मानदेय देने की मांग उठाई

- मानदेय नहीं मिलने पर अतिथि शिक्षक संघ नाराज
- जल्द मांग पूरी नहीं होने पर 28 नवंबर से धरना प्रदर्शन की चेतावनी

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: माध्यमिक अतिथि शिक्षक संघ ने दीर्घकालीन अवकाश का मानदेय दिए जाने की मांग उठाई है। सोमवार को मामले को लेकर शासन को ज्ञापन भेजा। वहीं, बीईओ पर आदेशों की अवहेलना का आरोप लगाया।

ज्ञापन में कहा कि अतिथि शिक्षकों को जनवरी और जून दो माह का दीर्घकालीन मानदेय नहीं दिया गया है। जबकि अल्मोड़ा को छोड़ कुमाऊ के सभी जिलों में अतिथि शिक्षकों को मानदेय दिया गया। कहा कि मानदेय को लेकर पूर्व में भी अधिकारियों को अवगत कराया गया, लेकिन अब तक मामले में कोई भी सकारात्मक कार्रवाई नहीं हुई है। जिससे शिक्षकों में रोष व्याप्त है।

संघ के जिलाध्यक्ष हरीश चौहान ने चेतावनी दी कि यदि जल्द दीर्घकालीन अवकाश का मानदेय नहीं दिया गया तो समस्त अतिथि शिक्षक 28 नवंबर से बीईओ कार्यालय में धरना प्रदर्शन को बाध्य होंगे। जिसकी समस्त जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी।

नशा मुक्ति व पर्यावरण संरक्षण को दौड़े लोग

संवाददाता, अल्मोड़ा

अल्मोड़ा में आयोजित मैराथन दौड़ में अव्वल प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। ● अमृत विचार

अमृत विचार: शारदा पब्लिक स्कूल की ओर से नशा मुक्ति एवं पर्यावरण संरक्षण को लेकर मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

दौड़ का शुभारंभ मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक मनोज तिवारी, मेयर अजय वर्मा, बैडमिंटन एसोसिएशन के प्रदेश सचिव बीएस मनकोटी, हरीश कनवाल, शेखर लखचौरा ने हरी झड़ी दिखाकर किया। इसके बाद प्रतिभागियों ने नशा मुक्ति, स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ जागरूकता रैली निकाली।

बच्चों ने पोस्टर और स्लोगन के माध्यम से पहाड़ों में बढ़ते पर्यावरणीय खतरे के प्रति लोगों को जागरूक किया। कार्यक्रम के समापन पर विद्यालय की प्रधानाचार्या ने छात्रों को सम्मानित कर कहा कि पहाड़ी क्षेत्रों में प्रकृति संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने मैराथन में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों, अभिभावकों व स्थानीय नागरिकों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। यहां पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष रवि रौतेला, व्यापार मंडल जिलाध्यक्ष सुशील साह, अजय वर्मा, अरूण बग्याल, मनीष कनवाल, वैभव पांडे, दीपक वर्मा समेत कई खेल प्रेमी मौजूद रहे।

रानीखेत में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की लीग में सम्मिलित छात्र। ● अमृत विचार

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रीमियर लीग का आयोजन

रानीखेत, अमृत विचार : ब्लॉक संसाधन केंद्र ताड़ीखेत में प्रथम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रीमियर लीग 2025 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी ,ताड़ीखेत हरेंद्र शाह और विशिष्ट अतिथि अंजना कैलब प्रवक्ता जीव विज्ञान राजकीय बालिका इंटर कॉलेज ताड़ीखेत रही। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन कर किया गया। क्विज में सर्वप्रथम बहुविकल्पीय प्रश्नों पर आधारित लिखित परीक्षा आयोजित की गई व फिर मौखिक परीक्षा आयोजित की गई।कार्यक्रम का संचालन चारु चन्द्र पांडे, प्रवक्ता जीव विज्ञान द्वारा किया गया व रूपरेखा दीपक संतोष प्रधानाध्यापक राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बजीना द्वारा प्रस्तुत की गई। प्रतियोगिता में निर्णायक देवेंद्र कुमार, हरीश बंगारी, रेखा कांडपाल व दीप्ति डांगी रहीं। प्रतियोगिता में ब्लॉक ताड़ीखेत के लगभग 15 विद्यालयों से 30 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

मुख्यमंत्री धामी को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता, बनबसा

मुख्यमंत्री को ज्ञापन देते पूर्व सैनिक संगठन के अध्यक्ष कैप्टन भानी चंद। ● अमृत विचार

अमृत विचार : गौरव सेनानी कल्याण समिति, पूर्व सैनिक संगठन के अध्यक्ष कैप्टन भानी चंद ने देहरादून में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से शिष्टाचार भेंट कर पूर्व सैनिकों एवं क्षेत्र की महत्वपूर्ण समस्याओं पर विस्तृत चर्चा करते हुए ज्ञापन सौंपा।

कैप्टन भानी चंद ने बताया कि क्षेत्र में पूर्व सैनिकों के लिए सामुदायिक भवन सभागार निर्माण हेतु भूमि का हस्तांतरण, वृद्ध एवं दिव्यांग पूर्व सैनिकों के लिए ईसीएचएस पॉलीक्लिनिक तक वाहन सुविधा तथा नए ईसीएचएस पॉलीक्लिनिक भवन के निर्माण को प्राथमिकता देने सम्बंधित ज्ञापन सौंपा। उधर केदारखंड पहाड़ी उत्थान सभा के मुख्य सलाहकार कैप्टन विक्रम चंद द्वारा अपने मूल क्षेत्र चनौली टूंडी जिला पिथौरागढ़ में संपर्क मार्ग निर्माण की मांग भी रखी गई। मुख्यमंत्री धामी ने इन सभी बिंदुओं पर गंभीरता से विचार करते हुए शीघ्र कार्यवाही करने का आश्वासन दिया।

बाल विज्ञानियों ने प्रस्तुत किए उत्कृष्ट मॉडल

संवाददाता, लोहाघाट

अमृत विचार : राजीव गांधी नवोदय विद्यालय में आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी में बाल विज्ञानियों ने अपनी रचनात्मकता और वैज्ञानिक सोच का प्रदर्शन करते हुए एक से बढ़कर एक मॉडल प्रस्तुत किए।

सोमवार को प्राचार्य राम कुमार मिश्रा की अध्यक्षता में आयोजित प्रदर्शनी का शुभारंभ मुख्य अतिथि आइटीबीपी के सहायक सेनानी अक्षय, विशिष्ट अतिथि अंकुर एवं इंस्पेक्टर राम बहादुर ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर किया। प्रदर्शनी में छात्र-छात्राओं ने पर्यावरण, ऊर्जा संरक्षण, तकनीकी नवाचार जैसे विषयों पर आधारित आकर्षक माडल प्रस्तुत किए। हर्षित जोशी, तनुजा, चांदनी, इशिका एवं नैंसी पहले, दूसरे, तीसरे स्थान पर रहे। प्राचार्य मिश्रा ने विजेता विजेताओं को ट्राफी, प्रमाण-पत्र एवं पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। आयोजन को सफल बनाने में नारायण दत्त जोशी, जितेंद्र पुनेठा, ज्योत्सना भट्ट, भगवान कार्की, महेंद्र सिंह घर्ती सहित अन्य शिक्षकों ने सहयोग किया। संचालन विपिन कलौनी ने किया।

अभियंताओं के निलंबन पर भड़के कर्मी

संवाददाता, अल्मोड़ा

अल्मोड़ा में लोनिवि कर्मचारियों ने प्रदर्शन किया। ● अमृत विचार

अमृत विचार: लोनिवि रानीखेत के दो अभियंताओं के निलंबन पर कर्मचारियों का आक्रोश भड़क गया है। सोमवार को नाराज कर्मचारियों ने प्रदर्शन कर जमकर नारेबाजी की। जल्द निलंबन वापस नहीं लेने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी।

डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ के बैनर तले कर्मचारियों ने लोनिवि कार्यालय अल्मोड़ा में प्रदर्शन किया। इस दौरान कर्मचारियों ने निलंबन के साथ स्पष्टीकरण की कार्रवाई पर आक्रोश जताया। सरकार के इस आदेश को सरासर गलत बताते हुए वापस लेने की मांग की। चेतावनी दी कि अगर कार्रवाई को वापस नहीं लिया गया तो सभी कार्यबहिष्कार, अनिश्चितकालीन हड़ताल और आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

यहां प्रदर्शन करने वालों में जिलाध्यक्ष गणेश चंद्र जोशी, सचिव कमल शाह, हिमाशु जोशी, रवि दानी, अंकित सिंह, भरत मेहरा, प्रदीप जोशी, रिनि पांडे, आलोक ओली, सुरेश पौडियाल, बीसी जोशी, हर्षिता सुयाल आदि मौजूद रहे।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	84,900.71	25,959.50
गिरावट	331.21	108.65
प्रतिशत में	0.39	0.42

सोना 1,25,400 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,55,000 प्रति किलो

अमृत विचार
हल्द्वानी, मंगलवार, 25 नवंबर 2025
www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2550, राज श्री 1790, फ़ॉर्चून कि. 2225, रविन्द्रा 2455, फॉर्चुन 13 किग्रा 1955, जय जवान 1975, सचिन 2020, सूरज 1975, अवसर 1890, उजाला 1920, गृहणी 13 किग्रा 1885, क्लासिक (किग्रा) 2130, मोर 2170, चक्र टिन 2315, ब्लू 2115, आशीर्वाद मस्टर्ड 2360, स्वास्तिक 2505

किराना : हल्दी निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 14000-18000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि.) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5050, शर्बती स्टीम 5200, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7400, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1-5 किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350, लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12000-13400, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7550-8900, मलका छाँटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 11800, उड़द धोवा 9800-10400, चना काला 7050, दाल चना 7450, दाल चना मोटी 7600, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8000, चना अकोला 6800, डबरा 6900-8800, सच्चा हीरा 8500, मोटा हीरा 10400, अरहर गोला मोटा 7800, अरहर पटका मोटा 8300, अरहर कोरा मोटा 8700, अरहर पटका छोटा 10000-10600, अरहर कोरी छोटी 11000

चीनी : पीलीभीत 4320, द्वारकेश 4300,

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 3800, मसूरी- 1200, बासमती- 7700, परमल- 1900

दाल दलहन : काला चना- 4640, साबुत चना दाल- 4800, मूंग साबुत- 7300, राजमा- 10000-12200, दाल उड़द- 7000, साबुत मसूर दाल- 5000, मसूर दाल- 3900, उड़द साबुत- 6400, काबुली चना- 10400, अरहर दाल- 10300, लोबिया/करमानी- 3700

भारत, कनाडा एफटीए वार्ता फिर करेंगे शुरू

केंद्रीय उद्योग मंत्री गोयल बोले- 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 50 अरब डॉलर तक बढ़ाने की योजना

नई दिल्ली, एजेंसी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत और कनाडा मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए बातचीत फिर से शुरू करने पर सहमत हो गए हैं। इसका मकसद 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 50 अरब डॉलर तक बढ़ाना है।

गोयल ने सोमवार को यहां एक कार्यक्रम में कहा कि एफटीए या व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) में कई रणनीतिक पहलू होते हैं और यह दोनों देशों के बीच विश्वास को दर्शाता है। इस समझौते से दोनों पक्षों के निवेशकों और कारोबारियों का विश्वास बढ़ेगा। मंत्री ने कहा कि हम उच्च-महत्वाकांक्षी सीईपीए पर वार्ता शुरू करने और 2030 तक दोनों देशों के बीच व्यापार को दोगुना करने पर सहमत हुए हैं। दोनों देश स्वाभाविक सहयोगी हैं और एक-दूसरे के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं करते हैं। भारत और कनाडा की ताकतें व्यवसायों एवं निवेशकों के लिए एक महत्वपूर्ण शक्ति बन सकती हैं। हम कनाडा से बहुत कुछ सीख सकते हैं और कनाडा को बहुत कुछ दे सकते हैं। महत्वपूर्ण खनिजों और महत्वपूर्ण खनिजों की प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियों में अपार संभावनाएं हैं। परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में, खासकर यूरेनियम आपूर्ति के क्षेत्र में कनाडा के साथ हमारे सहयोग को लेकर अच्छी संभावनाएं हैं।

उन्होंने कहा कि हम दोनों ओर अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता ला सकते हैं।'' कनाडा ने 2023 में भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत रोक दी थी। 2023 में हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत के संभावित संबंध होने के कनाडा के तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के आरोपों के बाद दोनों देशों के संबंधों में तनाव उत्पन्न हुआ था। भारत ने ट्रूडो के आरोपों को बेतुका बताते हुए खारिज कर दिया था। मार्च 2022 में दोनों देशों ने एक अंतरिम समझौते के लिए वार्ता फिर से शुरू की थी, जिसे आधिकारिक तौर पर प्रारंभिक प्रगति व्यापार समझौता (ईपीटीए) कहा गया था। व्यापार समझौते पर अब तक छह से अधिक दौर की वार्ता हो चुकी है। आम तौर पर किसी व्यापार समझौते में दो देश अपने बीच व्यापार की अधिकतम वस्तुओं पर सीमा शुल्क में उल्लेखनीय कमी करते हैं या उसे समाप्त कर देते हैं। वे सेवाओं में व्यापार को बढ़ावा देने और निवेश आकर्षित करने के लिए मानदंडों को भी उदार बनाते हैं।

मोदी-कार्नी की वार्ता के बाद संबंधों में आई नई ऊर्जा

कनाडा को भारत का निर्यात 2024-25 में 9.8% बढ़कर 4.22 अरब डॉलर हो गया जो 2023-24 में 3.84 अरब डॉलर था। वहीं आयात 2.33% घटकर 4.44 अरब डॉलर रह गया जो 2023-24 में 4.55 अरब डॉलर था। जून में कनाडा के कनानसकीस में जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी की अपने कनाडाई समकक्ष मार्क कार्नी के साथ हुई बातचीत के बाद दोनों देशों के बीच संबंधों में नई ऊर्जा आई। भारत और कनाडा के बीच वस्तुओं एवं सेवाओं का द्विपक्षीय व्यापार 2023 में 18.38 अरब डॉलर का था। व्यापारिक संबंधों को गति देने के लिए गोयल ने कनाडा के निर्यात संवर्धन, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार एवं आर्थिक वृद्धि मंत्री मनिंदर सिद्धू के साथ दो दौर की चर्चा की है। सिद्धू हाल ही में यहां यात्रा पर आए थे। दोनों मंत्रियों ने इस महीने की शुरुआत में यहां व्यापार एवं निवेश पर भारत-कनाडा मंत्रिस्तरीय संवाद (एमडीटीआई) की सह-अध्यक्षता भी की थी। गोयल ने कहा कि हम डेटा सेंटर, क्वांटम कंप्यूटिंग, मशीन लर्निंग सभी नए युग की प्रौद्योगिकियों के साथ एआई (कृत्रिम मेधा) जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं जहां भारत के पास एआई उभरती प्रौद्योगिकियों का लाभ उठाने के इच्छुक निवेशकों के लिए बहुत ही रणनीतिक लाभ हैं।

सिम के दुरुपयोग पर मोबाइल उपयोगकर्ता होगा जवाबदेह

- दूरसंचार विभाग ने सीएलआई का उपयोग न करने की हिदायत भी दी

नई दिल्ली, एजेंसी

अगर मोबाइल फोन उपभोक्ता के नाम पर खरीदा गए सिम का इस्तेमाल साइबर धोखाधड़ी या अवैध गतिविधि में होता है, तो उसके लिए मूल ग्राहक को कानूनी रूप से जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। सोमवार को आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई।

दूरसंचार विभाग ने कहा कि मोबाइल फोन की आईएमईआई संख्या में छेड़छाड़, फर्जी दस्तावेजों पर सिम लेना या दूसरों को सिम सौंपना गंभीर उल्लंघन है और इसके दुष्परिणाम मूल ग्राहक पर लागू होंगे। अगर उनके नाम पर लिए गए सिम कार्ड का बाद में गलत इस्तेमाल होता है, तो असली ग्राहक को भी दोषी माना जा सकता है। विभाग ने ग्राहकों से कॉलिंग लाइन आइडेंटिटी (सीएलआई) या पहचान बदलने वाले दूसरे एप एवं वेबसाइट का उपयोग न करने की हिदायत दी है। दूरसंचार अधिनियम, 2023 के तहत मोबाइल उपयोगकर्ता की पहचान में मददगार आईएमईआई एवं अन्य तरीकों से छेड़छाड़ पर 3 वर्ष कैद और 50 लाख का जुर्माना हो सकता है।

स्पैम कॉल की डीएनडी एप से करें शिकायत : ट्राई

नई दिल्ली। दूरसंचार नियामक ट्राई ने सोमवार को कहा कि केवल नंबर ब्लॉक करने से स्पैम कॉल और धोखाधड़ी वाले संदेशों पर रोक नहीं लगती है। इसके लिए ग्राहकों को ट्राई डीएनडी एप से ही स्पैम की शिकायतें दर्ज करानी चाहिए। ट्राई डीएनडी एप भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) का आधिकारिक मंच है। ट्राई ने कहा कि उपभोक्ताओं की शिकायतों पर स्पैम और फर्जीवाड़े वाले संदेश भेजने पर 21 लाख से अधिक मोबाइल नंबर काटे जा चुके हैं और एक लाख इकाइयों को काली सूची में डाला जा चुका है।

गैर-अमेरिकी बाजार समुद्री निर्यात के लिए नए इंजन बनकर उभरे

नई दिल्ली, एजेंसी

- भारत के समुद्री क्षेत्र का निर्यात 16.18 प्रतिशत बढ़ा

भारत के समुद्री क्षेत्र का निर्यात 2025-26 की अप्रैल-अक्टूबर अवधि में 16.18% बढ़कर 4.87 अरब डॉलर हो गया। वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, चीन, वियतनाम, रूस, कनाडा और ब्रिटेन सहित गैर-अमेरिकी बाजारों में अच्छी वृद्धि इसकी प्रमुख वजह रही।

भारतीय समुद्री उत्पादों पर 50% शुल्क से अमेरिका को निर्यात प्रभावित हुआ है। एक अधिकारी ने बताया कि इस अवधि के दौरान क्षेत्र में व्यापार करने के तरीके में उल्लेखनीय बदलाव देखा गया है। पारंपरिक रूप से भारत के सबसे बड़े झींगा बाजार अमेरिका को निर्यात में 7.43% की गिरावट आई और यह 8.54 करोड़ डॉलर रह गया। हालांकि चीन, वियतनाम, बेल्जियम, जापान, रूस, कनाडा और ब्रिटेन को निर्यात में हुई शानदार वृद्धि से इस कमी की भरपाई हो गई। ये लाभ निर्यात गंतव्यों में विविधता एवं वैश्विक सोर्सिंग प्रवृत्तियों में संरचनात्मक बदलाव को दर्शाते हैं क्योंकि एशिया व यूरोप में खरीदार निरंतर गुणवत्ता तथा प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण के लिए भारतीय आपूर्तिकर्ताओं की ओर तेजी से रुख कर रहे हैं। सात महीने के दौरान चीन और वियतनाम को झींगा व प्रॉन का निर्यात क्रमशः 24.54 और 123.63% बढ़कर 56.83 करोड़ डॉलर तथा 26.16 करोड़ डॉलर हो गया। बेल्जियम, जापान, रूस, कनाडा और ब्रिटेन को निर्यात क्रमशः 94.18, 10.84, 49, 13.54 और 28.81 प्रतिशत बढ़ा।

आसियान से कागज और पेपरबोर्ड का आयात 14% बढ़ा

नई दिल्ली। उद्योग निकाय आईपीएमए ने सोमवार को कहा कि 2025-26 की पहली छमाही में आसियान देशों से कागज और पेपरबोर्ड का आयात 14 प्रतिशत बढ़ गया, जो एक खतरनाक प्रवृति जारी रहने का सूचक है। पिछले चार साल में आसियान देशों से आयात मात्रा 30% से ज्यादा संचयी वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़ी है। कमर्शियल इंटेलिजेंस एंड स्टैटिस्टिक्स के महानिदेशालय के आंकड़ों का हवाला देते हुए, इंडियन पेपर मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (आईपीएमए) ने कहा कि 2025-26 की पहली छमाही में आसियान देशों से आयात 2.07 लाख टन पहुंच गया, जबकि पिछले साल 1.82 लाख टन था। अब भारत के कुल पेपर और पेपरबोर्ड आयात में आसियान देशों का हिस्सा 20% से ज्यादा है।

भारत की अर्थव्यवस्था में 6.5% की दर से होगी वृद्धि

नई दिल्ली, एजेंसी

- एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने 2025-26 का लगाया अनुमान
- कर कटौती और मौद्रिक नीति में ढील से वृद्धि को मिलेगा बढ़ावा

एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की अर्थव्यवस्था के 6.5% और अगले वित्त वर्ष 2026-27 में 6.7% की दर से बढ़ने का अनुमान व्यक्त किया है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि कर कटौती और मौद्रिक नीति में ढील से उपभोग आधारित वृद्धि को बढ़ावा मिलेगा।

भारत का वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) चालू वित्त वर्ष की अप्रैल से जून अवधि में पांच तिमाहियों में सबसे तेज 7.8% की दर से बढ़ने का अनुमान है। दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) के जीडीपी वृद्धि अनुमानों के आधिकारिक आंकड़े 28 नवंबर को जारी होने वाले हैं। एसएंडपी ने अपनी इकोनॉमिक आउटलुक एशिया-पैसिफिक रिपोर्ट में कहा कि हमारा अनुमान है कि भारत की जीडीपी 2025-26 (मार्च 2026 को समाप्त) में 6.5% और 2026-27 में 6.7% की दर से बढ़ेगी, जिसमें जोखिम दोनों ओर संतुलित होंगे। अमेरिकी शुल्क के प्रभाव के बावजूद मजबूत खपत से प्रेरित घरेलू वृद्धि मजबूत बना हुई है। भारतीय रिजर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष में जीडीपी वृद्धि दर 6.8% रहने का अनुमान लगाया है जो 2024-25 की 6.5% की वृद्धि दर से बेहतर है।

जीएसटी की कम दरें और आयकर एवं ब्याज दरों में कटौती बन सकती है उपभोग वृद्धि का बड़ा चालक

एसएंडपी ने कहा कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की कम दरें मध्यम वर्ग के उपभोग को बढ़ावा देंगी और इस वर्ष शुरू की गई आयकर कटौती एवं ब्याज दरों में कटौती का पूरक बनेंगी। इन बदलावों से चालू वित्त वर्ष और अगले वित्त वर्ष में निवेश की तुलना में उपभोग वृद्धि का बड़ा चालक बन सकता है। सरकार ने 2025-26 के बजट में आयकर छूट को सात से बढ़ाकर 12 लाख रुपये कर दिया है, जिससे मध्यम वर्ग को एक लाख करोड़ की कर राहत मिली है। आरबीआई ने जून में प्रमुख नीतिगत दरों में 0.5% की कटौती करके उन्हें तीन साल के निचले स्तर 5.5% पर ला दिया था। वहीं, 22 सितंबर से 375 वस्तुओं पर जीएसटी दरें घटा दी गईं जिससे दैनिक उपभोग की वस्तुएं सस्ती हुई हैं। एसएंडपी ने कहा कि भारत पर प्रभावी अमेरिकी शुल्क में बढ़ोतरी से देश में निर्यातोन्मुखी विनिर्माण के विस्तार पर असर पड़ रहा है। ऐसे संकेत हैं कि अमेरिका भारतीय उत्पादों पर शुल्क कम कर सकता है। व्यापार नीति के प्रति अमेरिका के नए दृष्टिकोण के कारण सरकारें और कंपनियां छूट के लिए बातचीत करने में समय एवं पैसा खर्च कर रही हैं जिसके परिणामस्वरूप उत्पादकता बढ़ाने के प्रयासों से ध्यान हट रहा है।

कोचिंग सेंटर के प्रसार, इससे पैदा सामाजिक मुद्दों की समीक्षा करेगी संसदीय समिति

स्थायी समिति ने पीएम स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया की समीक्षा का भी लिया निर्णय

नई दिल्ली, एजेंसी

- शिक्षा, महिला, बाल, युवा और खेल संबंधी स्थायी समिति एआई के प्रभाव और शिक्षा एवं विद्यार्थियों को इस प्रौद्योगिकी से लाभ पर भी करेगी मंथन

तनाव से छात्रों की आत्महत्या की बढ़ती घटनाओं के बीच एक संसदीय समिति ने प्रतियोगी परीक्षाओं में छात्रों की सहायता के लिए कोचिंग सेंटर के प्रसार और इससे उत्पन्न होने वाले सामाजिक मुद्दों की समीक्षा करने का निर्णय लिया है। शिक्षा, महिला, बाल, युवा और खेल संबंधी स्थायी समिति कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के प्रभाव और शिक्षा एवं विद्यार्थियों को इस उभरती प्रौद्योगिकी से लाभ की भी समीक्षा करेगी।

हाल में लोकसभा के एक बुलेटिन के अनुसार, स्थायी समिति ने 2025-26 के दौरान 'पीएम स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया' (पीएम-श्री) की समीक्षा का भी निर्णय लिया है। बुलेटिन में कहा गया है कि समिति प्रतियोगी परीक्षाओं में छात्रों की सहायता के लिए कोचिंग सेंटर के प्रसार, इससे उत्पन्न होने वाले सामाजिक मुद्दों और इस मामले पर मौजूदा कानून की समीक्षा करेगी। पिछले कुछ वर्षों में कोचिंग संस्थानों में दाख़िला लेने वाले छात्रों द्वारा पढ़ाई के दबाव के कारण आत्महत्या करने के मामले सामने आए हैं। केवल राजस्थान के कोटा शहर में ही ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जिसे भारत की कोचिंग राजधानी कहा जाता है।

शिक्षा मंत्रालय ने किया था समिति का गठन

शिक्षा मंत्रालय ने इस वर्ष की शुरुआत में नौ सदस्यीय समिति गठित की थी ताकि कोचिंग से जुड़े मुद्दों और डमी स्कूलों के उभरने की प्रवृत्ति के साथ-साथ प्रवेश परीक्षाओं की प्रभावशीलता और निष्पक्षता की भी जांच की जा सके। समिति स्कूल शिक्षा प्रणाली के संदर्भ में प्रतियोगी प्रवेश परीक्षाओं की प्रभावशीलता और निष्पक्षता तथा कोचिंग उद्योग के बढ़ते प्रभाव का अध्ययन कर रही है।

एनसीईआरटी के कामकाज और प्रदर्शन की भी होगी समीक्षा

लोकसभा सचिवालय के अनुसार, समिति राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) के कामकाज और प्रदर्शन की भी समीक्षा करेगी। साथ ही भाषाई और धार्मिक अल्पसंख्यकों की शिक्षा को बढ़ावा देने के प्रयासों की भी जांच करेगी। समिति भारतीय उच्च शिक्षा परिषद (एचईसीआई) बनाने के लिए शिक्षा मंत्रालय के ''प्रयासों'' के संबंध में भी जानकारी मांगेगी। यूजीसी जैसी संस्थाओं की जगह लेने वाले एक उच्च शिक्षा नियामक की स्थापना के लिए एक विधेयक संसद के शीतकालीन सत्र में पेश किया जाना निर्धारित है। संसद का शीतकालीन सत्र एक दिसंबर से शुरू होगा।

व्यवसायी की हत्या कर भाग रहे दो अपराधियों को भीड़ ने पीट-पीटकर मार डाला

पटना, एजेंसी

- व्यवसायी की हत्या के पीछे जमीन विवाद को बताया जा रहा कारण
- पुलिस जांच में जुट, अपराधियों के शव की करा रही पहचान

बिहार की राजधानी पटना के गोपालपुर थाना क्षेत्र के भोगपुर गांव में जमीन कारोबारी की हत्या कर भाग रहे दो अपराधियों की स्थानीय लोगों ने पीट-पीटकर हत्या कर दी। मृतक व्यवसायी भूपतिपुर निवासी अशरफी सिंह (65) है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने सभी शवों को पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया है। मामला दर्ज कर पुलिस जांच में जुट गई है। कारोबारी की हत्या के पीछे जमीन के विवाद को बताया जा रहा है।

घटना के संबंध में लोगों ने बताया कि सोमवार को बाइक सवार अपराधियों ने भूपतिपुर निवासी अशरफी सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी। गोली की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर जमा होने शुरू हो गए। लोगों को जुटते देख अपराधी मौके से बाइक लेकर भागने की कोशिश करने लगे, लेकिन लोगों ने दोनों को दौड़ाकर पकड़ लिया। लोगों ने दोनों अपराधियों की जमकर पिटाई की और तबतक पीटते रहे, जबतक दोनों की मौत नहीं हो गई। किसी ने मामले की जानकारी पुलिस को दी।

सूचना के बाद सदर डीएसपी मौके पर पहुंचे और लोगों से घटना के संबंध में पूछताछ की। स्थानीय लोगों ने बताया कि 20 करोड़ के जमीनी विवाद को लेकर व्यवसायी की हत्या हुई है। फिलहाल घर के लोग कुछ भी बोलने की स्थिति में नहीं हैं। वहीं पुलिस ने मामला दर्ज कर मृत अपराधियों की पहचान में जुट गई है।

48 लाख के इनामी 15 सक्रिय माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण

सुकमा। छत्तीसगढ में सोमवार को 15 सक्रिय माओवादियों ने आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लिया। जिला सुकमा में हुए सामूहिक आत्मसमर्पण को सुरक्षा बलों की बढ़ती दबाव, प्रशासनिक पहुंच और पुनर्वास योजनाओं की सफलता का बड़ा परिणाम माना जा रहा है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय के मुताबिक, आत्मसमर्पित माओवादियों में पीएलजीए बटालियन नंबर 1 के चार हार्डकोर सदस्य हैं, जो लंबे समय से क्षेत्र में नक्सली गतिविधियों को अंजाम देने में सक्रिय थे। इनमें पांच महिलाएं और 10 पुरुष हैं। इन सभी पर 48 लाख के इनाम घोषित थे।

32 लाख की प्रतिबंधित दवा ट्रामाडोल जब्त

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने 32 लाख से अधिक मूल्य की 54 हजार 'ट्रामाडोल' गोलियां जब्त की हैं और प्रतिबंधित दवाओं की तस्करी में शामिल गिरोह का भंडाफोड़ किया है। एक अधिकारी ने सोमवार को बताया कि इस गिरोह में शामिल पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया जबकि गिरोह का संबंध अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर होने का भी संदेह है।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि खूफिया सूचना पर पुलिस ने दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के मदनपुर खादर एक्सटेंशन-1 में एक व्यक्ति को बड़ा बैग ले जाते पकड़ा। मदनपुर खादर निवासी मोहम्मद आबिद (50) के कब्जे से 'ट्रेकेन-100' की 54 हजार गोलियां बरामद की गई। ट्रामाडोल से संबंधित ट्रेकेन-100 दवाई स्वापक औषधि एवं मनः प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत प्रतिबंधित हैं।

वायु प्रदूषण को लेकर प्रदर्शन, पुलिस पर पेपर स्प्रे करने के आरोप में 22 गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी

पुलिस ने वायु प्रदूषण को लेकर इंडिया गेट पर प्रदर्शन के दौरान सड़क अवरुद्ध और पुलिसकर्मियों के काम में बाधा डालने और उन पर हमला करने के आरोप में 22 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इस संबंध में दो अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज की हैं।एक प्राथमिकी संसद मार्ग थाने में जबकि दूसरी कर्तव्य पथ थाने में दर्ज हुई है।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि रविवार को प्रदर्शन स्थल पर स्थिति तब बिगड़ गई जब कुछ प्रदर्शनकारियों ने घटनास्थल से हटाए जाने के दौरान पुलिसकर्मियों पर 'पेपर स्प्रे' का इस्तेमाल किया। स्थिति हाथापाई में बदल गई, जो असामान्य और दुर्लभ हरकत है। इस घटना में अब तक पुलिस ने 22 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्र ने बताया कि प्रदर्शनकारियों को अदालत में पेश किया गया। पुलिस ने कहा कि इंडिया गेट कोई निर्धारित विरोध स्थल नहीं है। प्रदर्शनकारियों को वहां से जाने के लिए कहा गया था। जंतर-मंतर निर्धारित विरोध स्थल है और कोई भी अनुमति लेकर वहां प्रदर्शन कर सकता है। रविवार को प्रदर्शनकारियों ने पुलिस अवरोधक लांघकर सी-हेक्सगन को जाम कर दिया था। वे एक घंटे से अधिक समय तक सड़क पर बैठे रहे, जिससे जाम में फंसे लोग रास्ता खाली करने का अनुरोध कर रहे थे। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को जाने के लिए कहा, तो उन्होंने दुर्व्यवहार किया, पुलिसकर्मियों पर हमला किया।

हिडमा को लेकर लगे नारे

प्रदर्शन में शामिल संगठन साइंटिस्ट्स फॉर सोसाइटी (एसएफएस) ने उन समूहों से दूरी बनाई, जिन्होंने हिडमा के समर्थन में नारे लगाए। एसएफएस ने बताया कि हिमखंड तथा बीएससीईएम नामक दो संगठनों ने भाकपा (माओवादी) नेता माडवी हिडमा की के संबंध में नारे लगाने शुरू कर दिए। वह ऐसे मुठभेड़ों की स्पष्ट रूप से निन्दा करता है।

एसआईआर : सीईओ कार्यालय पर बीएलओ का प्रदर्शन

- काम के दबाव को लेकर कार्यालय में की घुसने की कोशिश
- प्रदर्शन के दौरान पुलिसकर्मियों के साथ हुई हाथापाई

कोलकाता, एजेंसी

कोलकाता में सीईओ कार्यालय के बार प्रदर्शन करते बीएलओ।

पश्चिम बंगाल में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में शामिल बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) ने सोमवार को काम के कथित तौर पर अत्यधिक दबाव के विरोध में प्रदर्शन के दौरान सीईओ कार्यालय में घुसने की कोशिश की और पुलिसकर्मियों के साथ हाथापाई की।

बीएलओ अधिकार रक्षा समिति के सदस्यों ने उत्तरी कोलकाता के कॉलेज स्क्वायर से जुलूस निकाला, जिसमें ताले और बेड़ियां लेकर प्रतीकात्मक रूप से उस भवन के मुख्य द्वार को बंद किया गया, जिसमें मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) का कार्यालय स्थित है। अधिकारी ने बताया कि प्रदर्शनकारियों ने मध्य कोलकाता स्थित सीईओ कार्यालय में घुसने के लिए पुलिस अवरोधक तोड़ने की कोशिश की। प्रदर्शनकारी बीएलओ ने निर्वाचन आयोग के खिलाफ नारे लगाए और आरोप लगाया कि उन्हें जुलूस निकालने के लिए मजबूर होना पड़ा, क्योंकि निर्वाचन आयोग ने एसआईआर कवायद के दौरान अत्यधिक और अमानवीय कार्य दबाव की उनकी शिकायतों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

एक पदाधिकारी ने दावा किया कि बीएलओ को कम समय में कार्य पूरा करने का निर्देश है, हालांकि इसी कार्य में आमतौर पर दो साल से अधिक समय लगता है। समिति ने आरोप लगाया कि बीएलओ बीमार पड़ रहे हैं और उनमें से दो ने तनाव के कारण आत्महत्या कर ली। समिति ने पूर्व में कहा था कि पारा-शिक्षक, कॉलेज प्रोफेसर और विभिन्न संगठनों के शिक्षक इस प्रदर्शन में समर्थन के लिए शामिल होंगे, जिससे निर्वाचन आयोग पर तत्काल हस्तक्षेप के लिये दबाव डाला जा सके।

समय-सीमा बढ़ाने तक विरोध की दी चेतावनी

समिति ने चेतावनी दी कि यदि समय-सीमा नहीं बढ़ाई गई या सुधारात्मक कदम नहीं उठाए गए तो वह निरंतर विरोध कार्यक्रम शुरू करेगी। एक अन्य संगठन, बीएलओ ओइक्या मंच ने गणना प्रपत्रों के डिजिटलीकरण से संबंधित मुद्दों को अलग से उठाया और अतिरिक्त सहायक कर्मचारियों की मांग की। 'एक्स' पर टीएमसी सांसद साकेत गोखले ने कहा कि यदि भारत निर्वाचन आयोग वास्तव में स्वतंत्र है, तो उसे बूथ स्तर के अधिकारियों की सुरक्षा करनी चाहिए, मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा करनी चाहिए और विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के बारे में पारदर्शी होना चाहिए।

बर्फ ने की चित्रकारी

अनंतनाग : जम्मू और कश्मीर के अनंतनाग में सर्दियों की एक सुबह, बर्फ से ढकी पेड़ों की शाखाएं और पत्तियां।

आईएनएस माहे: नौसेना का नया शिकारी

आईएनएस माहे भारतीय नौसेना का एक अत्याधुनिक पनडुब्बी रोधी युद्धपोत है, जो कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा निर्मित किया गया है। यह युद्धपोत भारत की आत्मनिर्भरता और तटीय रक्षा क्षमताओं में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसका जलावतरण सोमवार को ही किया गया। यह माहे क्लास का पहला जहाज है, इस श्रेणी के आठ जहाज बनाए जा रहे हैं। इसके जलावतरण के मौके पर थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी मौजूद थे, उन्होंने इसे आत्मनिर्भर भारत की शक्ति बताया है। यह जहाज दुश्मन की पनडुब्बियों को ढूंढकर नष्ट करने, तटीय गश्त करने और समुद्री मार्गों को सुरक्षित रखने में सक्षम है। आइए जानते हैं आईएनएस माहे की विशेषताओं, क्षमताओं और निर्माण के बारे में।

उन्नत सोनार और रडार से लैस

आईएनएस माहे को नौसेना का मौन शिकारी कहा जा रहा है क्योंकि यह एक अत्याधुनिक पनडुब्बी रोधी युद्धपोत है जो समुद्री क्षेत्र में दुश्मन पनडुब्बियों का पता लगाने और उन्हें नष्ट करने में सक्षम है। यह युद्धपोत अपनी उन्नत सोनार और रडार प्रणालियों के साथ-साथ अपनी चुपचाप और सटीक मारक क्षमता के कारण एक मौन शिकारी के रूप में कार्य करता है।

78 मीटर लंबा, रफ्तार 25 नाट्स

- आईएनएस माहे एक पनडुब्बी रोधी युद्धपोत है जो तटीय रक्षा और पनडुब्बी रोधी अभियानों में सक्षम है।
- इसकी लंबाई 78 मीटर और चौड़ाई 11 मीटर है, और यह 1,100 टन विस्थापन वाला है।
- यह युद्धपोत 25 नॉट्स की अधिकतम गति से चल सकता है और इसमें 60 से अधिक कर्मियों को समायोजित करने की क्षमता है।
- आईएनएस माहे में उन्नत सोनार और रडार प्रणाली हैं, जो पनडुब्बियों और अन्य खतरों का पता लगाने में मदद करती हैं।

मुंबई में हुआ जलावतरण

- आईएनएस माहे को 24 नवंबर को भारतीय नौसेना में शामिल किया गया।
- इसका जलावतरण मुंबई में किया गया और इसमें भारतीय नौसेना के अधिकारी और अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए।
- आईएनएस माहे का जलावतरण भारत की तटीय रक्षा क्षमताओं में एक महत्वपूर्ण कदम है, यह नौसेना की क्षमताओं को बढ़ाने में मदद करेगा।

पनडुब्बी मारने में सक्षम

- आईएनएस माहे पनडुब्बी रोधी अभियानों में सक्षम है, जिसमें पनडुब्बियों का पता लगाना और उन्हें नष्ट करना शामिल है।
- यह युद्धपोत तटीय रक्षा में भी सक्षम है, जिसमें तटीय क्षेत्रों की रक्षा करना और समुद्री खतरों से निपटना शामिल है।
- आईएनएस माहे में उन्नत हथियार प्रणाली है, जिसमें टारपीडो, मिसाइलें और तोपें शामिल हैं।

कोचीन शिपयार्ड में निर्माण

- आईएनएस माहे का निर्माण कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा किया गया है।
- इसके निर्माण में लगभग 5 साल लगे, लागत लगभग 35,000 करोड़ थी।
- यह युद्धपोत भारत की आत्मनिर्भरता और तटीय रक्षा क्षमताओं में एक महत्वपूर्ण कदम है।

वर्ल्ड ब्रीफ

स्लोवेनिया : इच्छामृत्यु को खारिज किया

लुबलियाना। स्लोवेनिया के नागरिकों ने रविवार को एक जनमत संग्रह में उस कानून को खारिज कर दिया, जो लाइलाज बीमारी से पीड़ित लोगों को अपना जीवन समाप्त करने की अनुमति देता था। चुनाव प्राधिकारियों द्वारा जारी प्रारंभिक परिणामों में यह जानकारी सामने आई। लगभग पूरी हो चुकी मतगणना के अनुसार, करीब 53 प्रतिशत मतदाताओं ने इस कानून के खिलाफ मतदान किया जबकि लगभग 46 प्रतिशत ने इसके पक्ष में वोट दिया। चुनाव आयोग ने कहा कि मतदान लगभग 50 प्रतिशत रहा। इच्छामृत्यु के खिलाफ अभियान का नेतृत्व करने वाले रूढ़िवादी कार्यकर्ता एलेस प्रिम्क ने कहा कि करुणा की जीत हुई है।

पोप की अगवा छात्रों को रिहा करने की अपील

अबुजा। नाइजीरिया के उत्तर-मध्य स्थित नाइजर प्रांत के एक कैथोलिक स्कूल से अगवा किए गए 303 स्कूली बच्चों में से 50 बच्चे अपहरणकर्ताओं के चंगुल से छूटकर अपने परिवारों के पास पहुंच गए हैं। इस बीच, पोप ने शेष बच्चों की तत्काल रिहाई की अपील की है। नाइजर राज्य में क्रिश्चन असोसिएशन ऑफ नाइजीरिया के अध्यक्ष और स्कूल के संचालक बुलुस दाऊवा योहाना के अनुसार 10 से 18 साल के ये स्कूली बच्चे शुक्रवार और शनिवार को अपहरणकर्ताओं के चंगुल से भाग निकले। 253 छात्र और 12 शिक्षक अब भी अपहरणकर्ताओं के कब्जे में हैं।

ब्राजील में बोल्सोनारो के जेल जाने की खुशी

रियो डी जेनेरियो। रियो डी जेनेरियो की सालाना प्राइड परेड के लिए रविवार को कोपाकबाना के बोर्डवॉक पर हजारों लोग एकत्र हुए और उन्होंने ब्राज़ील के पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो को एक दिन पहले एहतियाती तौर पर जेल भेजे जाने का जश्न मनाया। प्रदर्शनकारी ट्रकों पर सवार थे और उन्होंने लोगों से कहा कि वह जेल में हैं! और बोल्सोनारो बाहर जाओ। इस दौरान एलजीबीटीक्यू समुदाय के लोगों ने इंद्रधनुषी कपड़े पहने हुए थे और वे जोरदार तरीके से नारेबाजी कर रहे थे।

हावड़ा में कार तालाब में गिरी, 3 बच्चों की मौत

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले के उलुबेरिया में सोमवार को स्कूल से बच्चों को लेकर घर जा रही एक कार के तालाब में गिर जाने से तीन बच्चों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना उलुबेरिया में बहिरा के निकट उस समय हुई जब चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया और वाहन तालाब में गिर गया।

कनाडा अपने नागरिकता कानून में करेगा संशोधन, मिली शाही मंजूरी

इस कदम से वहां निवासित भारतीय मूल के परिवारों को लाभ मिलने की संभावना

- नागरिकता अधिनियम को और अधिक समावेशी बनाने की पहल

ओटावा, एजेंसी

कनाडा ने वंश-आधारित नागरिकता कानून को आधुनिक बनाने की दिशा में एक कदम आगे बढ़ाया है। इस अधिनियम में संशोधन करने वाले विधेयक को शाही मंजूरी मिल गई है। इस कदम से का असर भारतीय मूल के हजारों परिवारों पर पड़ने की संभावना है। कनाडा सरकार द्वारा शुक्रवार को जारी एक बयान में कहा गया है कि नागरिकता अधिनियम (2025) में संशोधन करने वाले विधेयक सी-3 को शाही स्वीकृति मिल गई है। इसमें कहा गया कि यह नागरिकता अधिनियम को और अधिक समावेशी बनाने और कनाडाई नागरिकता के मूल्य को बनाए रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

बयान में कहा गया है कि नए कानून के लागू होते ही, उन सभी लोगों को कनाडाई नागरिकता प्रदान की जाएगी, जो विधेयक के प्रभाव में आने से पहले पैदा हुए हैं और जो प्रथम-पीढ़ी की सीमा या पिछले कानूनों के पुराने प्रावधानों के कारण नागरिक नहीं बन पाए थे। कनाडाई वंशानुक्रम से नागरिकता पर पहली-पीढ़ी की सीमा वर्ष 2009 में लागू की गई थी। इसका अर्थ है कि यदि कोई बच्चा कनाडा के बाहर पैदा हुआ या गोद लिया गया है, तो वह वंशानुक्रम से कनाडाई नागरिक नहीं माना जाएगा, यदि उसके कनाडाई माता-पिता भी कनाडा के बाहर ही पैदा हुए हों या गोद लिए गए हों। मामले से परिचित लोगों का कहना है कि इस सीमा के कारण अनेक भारतीय मूल के कनाडाई लोगों के लिए समस्या उत्पन्न हो गई, जिनके बच्चे देश से बाहर पैदा हुए थे। बयान में कहा गया है कि नया कानून विदेश में जन्मे या गोद लिए गए कनाडाई माता-पिता को इस विधेयक के लागू होने की तिथि या उसके बाद कनाडा के बाहर जन्मे या गोद लिए गए अपने बच्चे को नागरिकता देने की अनुमति देगा, बशर्ते कि उनका कनाडा से पर्याप्त संबंध हो।

कनाडा में वांछित भारतीय मूल का व्यक्ति गिरफ्तार : टोरंटो पुलिस ने कनाडा की 25 सर्वाधिक वांछित सूची में शामिल भारतीय मूल के एक व्यक्ति को आग्नेयास्त्रों और गोला-बारूद के साथ गिरफ्तार किया है। टोरंटो पुलिस के बयान में कहा गया कि निकोलस सिंह (24) को शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया गया, जो जमानत के उल्लंघन के लिए संपूर्ण कनाडा पर लागू वारंट के तहत वांछित था। इसमें कहा गया कि सिंह को एक आग्नेयास्त्र, एक मैगजीन और गोला-बारूद के साथ गिरफ्तार किया गया। पुलिस का कहना है कि अधिकारी बाथर्स्ट स्ट्रीट और ड्यूपॉन्ट स्ट्रीट क्षेत्र में जांच कर रहे थे, तभी उन्होंने सिंह को एक वाहन में देखा। उसे शांतिपूर्वक गिरफ्तार कर लिया गया।

अगले साल भारत आएंगे कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी

जोहानिसबर्ग। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी अगले साल भारत की यात्रा करेंगे। दक्षिण अफ्रीका में जी-20 शिखर सम्मेलन से इतर द्विपक्षीय वार्ता के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कार्नी को भारत आने का निमंत्रण दिया, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया। कनाडा के प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा रविवार को जारी एक बयान में कहा गया कि प्रधानमंत्री कार्नी ने 2026 की शुरुआत में भारत आने के प्रधानमंत्री मोदी के निमंत्रण को स्वीकार कर लिया है। इसमें कहा गया कि दोनों नेताओं ने वार्ता के दौरान व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी और ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में संबंधों को आगे बढ़ाने के अलावा रक्षा और अंतरिक्ष क्षेत्रों में गहन सहयोग की संभावनाएं तलाशने पर सहमति व्यक्त की। बयान में कहा गया कि दोनों नेताओं ने वस्तुओं, सेवाओं, निवेश, कृषि, डिजिटल व्यापार और सतत विकास को शामिल करते हुए एक महत्वाकांक्षी व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते के लिए औपचारिक रूप से बातचीत शुरू करने पर सहमति व्यक्त की। इसमें कहा गया कि मोदी और कार्नी ने मंत्रियों और व्यापारी समुदाय सहित नियमित पारस्परिक उच्च-स्तरीय यात्राओं के महत्व पर सहमति व्यक्त की। कार्नी ने दोनों देशों के बीच कानून लागू करने को लेकर वार्ता में हो रही प्रगति का भी स्वागत किया। वर्ष 2023 में कनाडा के तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो द्वारा हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत का हाथ होने के आरोपों के बाद भारत-कनाडा संबंध बेहद खराब हो गए थे।

आपराधिक न्याय तंत्र के दुरुपयोग की निंदा होनी चाहिए: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

- कोर्ट ने टूटे रिश्ते को बलात्कार का रंग देने को बताया चिंतनीय

उच्चतम न्यायालय ने असफल या टूटे रिश्तों को बलात्कार जैसे अपराध का रंग देने की 'चिंतनीय पहलू' की ओर इशारा करते हुए सोमवार को कहा कि इस संबंध में आपराधिक न्याय तंत्र का दुरुपयोग चिंता का विषय है और इसकी निंदा की जानी चाहिए। शीर्ष अदालत ने एक कथित बलात्कार मामले में दर्ज प्राथमिकी निरस्त करते हुए कहा कि हर खराब रिश्ते को बलात्कार के अपराध में बदलना न केवल अपराध की गंभीरता को कम करता है, बल्कि आरोपी के दामन को कलंकित करता है और उसके साथ गंभीर अन्याय करता है।

न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ ने कहा कि बलात्कार का अपराध सबसे गंभीर प्रकार का है और केवल उन्हीं मामलों में लागू किया जाना चाहिए, जहां वास्तविक यौन हिंसा, जबरन या स्वतंत्र सहमति का अभाव हो। पीठ ने कहा कि किसी रिश्ते के दौरान हुई शारीरिक अंतरंगता को सिर्फ़ इसलिए बलात्कार का अपराध नहीं माना जा सकता, क्योंकि वह रिश्ता शादी में परिणत नहीं हो पाया। पीठ ने यह भी कहा कि कानून को उन वास्तविक मामलों के प्रति संवेदनशील रहना चाहिए जहां भरोसे का कत्ल हुआ हो और सम्मान का हनन हुआ हो। शीर्ष अदालत ने कहा, इस अदालत ने कई मौकों पर उस चिंतनीय प्रवृत्ति पर ध्यान दिया है, जिसमें असफल या टूटे हुए रिश्तों को आपराधिकता का रंग दे दिया जाता है।

पीठ ने मुंबई उच्च न्यायालय के औरंगाबाद पीठ की ओर से मार्च 2025 में दिये गए आदेश के विरुद्ध एक व्यक्ति द्वारा दायर अपील पर अपना फैसला सुनाया। उच्च न्यायालय ने छत्रपति संभाजीनगर शहर में अगस्त 2024 में दर्ज एक प्राथमिकी को रद्द करने संबंधी उसकी याचिका खारिज कर दी थी। इसने कहा कि मामले में बलात्कार का आरोप पूरी तरह से शिकायतकर्ता के इस दावे पर आधारित है कि व्यक्ति ने शादी का झूठा झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। पीठ ने

इराकी सुन्नी पार्टियों ने गठित किया परिषद

बगदाद। इराक की प्रमुख सुन्नी मुस्लिम राजनीतिक पार्टियों ने हाल के संसदीय चुनावों के बाद अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए एक एकीकृत राष्ट्रीय राजनीतिक परिषद का गठन किया है। जिसका उद्देश्य सरकार गठन और सुन्नी दलों के अधिकारों की रक्षा करना है।

ऑपरेशन सिंदूर में श्री कृष्ण के संदेश का किया पालन

- कुरुक्षेत्र में 10वें अंतर्राष्ट्रीय गीता सम्मेलन में बोले रक्षामंत्री राजनाथ

चंडीगढ़, एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत की कार्रवाई उस संदेश से प्रेरित थी जो भगवान कृष्ण ने पांडवों को दिया था कि युद्ध प्रतिशोध या महत्वाकांक्षा के लिए नहीं, बल्कि धर्म के शासन की स्थापना के लिए लड़ा जाना चाहिए। रक्षा मंत्री ने हरियाणा के कुरुक्षेत्र, 10वें अंतर्राष्ट्रीय गीता सम्मेलन का उद्घाटन करने के बाद कहा, भगवान कृष्ण ने अर्जुन को यह भी सीख दी कि जो व्यक्ति धर्म के मार्ग पर चलता है वह कभी नहीं डरता।

सिंह ने अप्रैल में हुए पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र करते हुए कहा कि जघन्य कृत्य अब भी राष्ट्रीय चेतना को परेशान करता है। उन्होंने कहा कि आतंकवादियों ने उस समय अमानवीय कृत्य किया जब निर्दोष पर्यटकों को उनका धर्म पूछने के बाद मार दिया गया। रक्षामंत्री ने कहा कि वह घटना न केवल भारत के शांतिप्रिय स्वभाव को चुनौती दे रही थी, आतंकवादियों और उनके संरक्षकों ने यह मान लिया था कि भारत का शिष्टाचार उसकी कमजोरी है, लेकिन वे भूल गए कि भारत गीता का देश है।

आतंकवाद के खिलाफ चुप नहीं रहेगा भारत

रक्षामंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, हमने भगवान कृष्ण के संदेश का पालन किया। और इस अभियान ने पूरी दुनिया को यह संदेश दिया है कि भारत न तो आतंकवाद के खिलाफ चुप रहेगा और न ही किसी भी परिस्थिति में कमजोर पड़ेगा। श्री कृष्ण ने कुरुक्षेत्र में अर्जुन को समझाया था कि धर्म केवल उपदेशों से ही नहीं बचता; यह कर्मों से सुरक्षित रहता है, और ऑपरेशन सिंदूर वह धर्म-आधारित कर्म था जिसे हमने अपनाया।

चीन ने भारतीय पासपोर्ट को अवैध बताया

ईटानगर, एजेंसी

- अरुणाचल को चीन का हिस्सा बता महिला को शंघाई हवाई अड्डे पर 18 घंटे तक रोका गया

ब्रिटेन में रहने वाली अरुणाचल प्रदेश की एक महिला ने आरोप लगाया है कि चीन के शंघाई हवाई अड्डे पर आव्रजन अधिकारियों ने पारगमन ठहराव के दौरान उनके भारतीय पासपोर्ट को मानने से इनकार करने के बाद उन्हें लगभग 18 घंटे तक हिरासत में रखा।

प्रेमा वांगजोम थोंगडोक ने दावा किया कि 21 नवंबर को वह लंदन से जापान की यात्रा कर रही थीं और उनके तीन घंटे का निर्धारित ठहराव एक भयावह अनुभव में बदल गया जब आव्रजन कर्मियों ने उनके पासपोर्ट को केवल इसलिए अवैध घोषित कर दिया क्योंकि उसमें अरुणाचल प्रदेश को उनके जन्मस्थान के रूप में सूचीबद्ध किया गया था। थोंगडोक ने दावा किया कि चीनी अधिकारियों ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश चीन का हिस्सा है और आगे की प्रक्रिया की अनुमति देने से पहले उन्होंने उनकी बात स्वीकार करने की मांग की। उनके परिवार का संबंध पश्चिम कामेंग जिले के रूपा से है। महिला ने रविवार को एक्स पर दावा किया कि उन्हें उचित भोजन या बुनियादी सुविधाओं के बिना पारगमन क्षेत्र तक सीमित रखा गया। थोंगडोक ने यह भी दावा किया कि उनके पास वैध वीजा होने के बावजूद पासपोर्ट जब्त कर लिया गया।

भारत की कड़ी आपत्ति

मामले में भारत ने चीन से कड़ी आपत्ति जताई और कहा है कि उसके अधिकारियों का व्यवहार अंतर्राष्ट्रीय संधियों के खिलाफ है। भारत ने नई दिल्ली में चीनी दूतावास के अधिकारियों के समक्ष इस मुद्दे को उठाया और बीजिंग में भारतीय राजदूत ने भी इस मुद्दे को उठाया।

पेशावर में आत्मघाती हमले में तीन सुरक्षाकर्मी मारे गए

पेशावर, एजेंसी

- जवाबी गोलीबारी में तीन हमलावर भी मारे गए

पाकिस्तान के पेशावर में सोमवार को अर्द्धसैनिक बल के मुख्यालय पर हुए आत्मघाती हमले में तीन सुरक्षाकर्मी मारे गए और दो अन्य घायल हो गए। शहर के पुलिस प्रमुख मियां सईद ने बताया कि संघीय कांस्टेबुलरी मुख्यालय में सेंध लगाने का प्रयास कर रहे तीन आत्मघाती हमलावर भी जवाबी गोलीबारी में मारे गए।

सईद ने कहा, एक हमलावर ने मुख्य द्वार पर खुद को उड़ा लिया, जबकि अन्य दो परिसर में घुस गए। एफसी कर्मियों ने उनका सामना किया और दोनों मौके पर ही मारे गए।

खैबर पख्तूनख्वा के पुलिस महानिरीक्षक जुल्फिकार हमीद ने कहा कि एफसी मुख्यालय के अंदर दो आत्मघाती विस्फोट हुए, एक मुख्य द्वार पर और दूसरा परिसर में स्थित मोटरसाइकिल स्टैंड के पास। मुख्य द्वार पर हुए विस्फोट से आसपास के आवासीय और व्यावसायिक क्षेत्रों में दहशत फैल गई तथा विस्फोट की आवाज काफी दूर तक सुनी गई।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 25 नवंबर, मंगलवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, पंचमी 22.56 तक तत्पश्चात षष्ठी।

आज का पंचांग

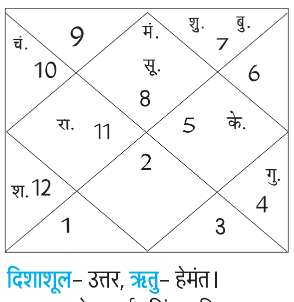

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- हेमंत।

चन्द्रबल-मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, मकर, मीन।

ताराबल- भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।

नक्षत्र-उत्तराषाढ़ा 23.57 तक तत्पश्चात श्रवण।

मेष — आज आपके काम में काफी स्थिरता रहेगी। व्यावसायिक यात्रा लाभकारी सिद्ध होगी। निजी संबंधों में रिश्तों के बीच बढ़ रही दूरियां दूर होंगी। अपनी योग्यता के अनुरूप काम करके आत्मसंतुष्टि का अनुभव करेंगे। जीवनसाथी के साथ अनबन दूर होगी।

वृष — आज कार्यक्षेत्र में आपको स्थानांतरण के अवसर मिल सकते हैं। आपका स्वास्थ्य काफी अच्छा रहेगा। गूढ़ विद्याओं के प्रति काफी आकर्षित रहेंगे। परिजनों के साथ शॉपिंग के लिए जा सकते हैं। अपने क्रोध पर नियंत्रण रखें।

मिथुन — आज यथार्थवादी बने रहें अन्यथा आप गलत निर्णय ले सकते हैं। अपनी इच्छाओं को दूसरों पर लादने का प्रयास न करें। इसके कारण आपका मन खराब हो सकता है। आपको कुछ विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ेगा।

कर्क — आज प्रबंधन संबंधी कार्यों से जुड़े लोगों को बेहतरीन लाभ मिलेगा। पारिवारिक तनाव दूर होगा। विद्यार्थियों को शिक्षा के उत्तम अवसर प्राप्त होंगे। आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर की साज-सजावट में आप अत्यधिक ध्यान देंगे।

सिंह — आज विरोधियों के ऊपर विजय प्राप्त होगी। जीवनसाथी के साथ विमर्श करने से आपकी कई समस्याओं का समाधान हो जाएगा। अनावश्यक बातों को तूल देने से बचें। शत्रु पक्ष आपका नुकसान पहुंचाने को लेकर तत्पर रहेगा।।

कन्या — आज आपकी लापरवाही बड़ी परेशानी को आमंत्रण दे सकती है। आपके ऊपर अचानक काम का दबाव बढ़ सकता है। कार्यक्षेत्र में नए मित्र बन सकते हैं। प्रेम संबंधों में थोड़ी सावधानी रखें। शाम के समय कहीं घूमने जा सकते हैं।

तुला — आज किसी से कोई वादा न करें। नई कार्ययोजना बनाने से पहले अनुभवी लोगों की सलाह अवश्य ले लें। कार्यक्षेत्र में जिम्मेदारियों का दबाव बढ़ सकता है। रक्तचाप के रोगियों को तनाव से बचना चाहिए। विरोधी आपकी छवि को बिगाड़ने में लगे रहेंगे।

वृश्चिक — आज का दिन राजनीति से जुड़े लोगों के लिए अत्यंत शुभ रहेगा। आपकी जीवनशैली काफी अनुशासित रहेगी। किसी महत्वपूर्ण कार्य को लेकर योजना बना सकते हैं। धन को लेकर समस्या का समाधान हो जाएगा। आपके सामने करियर के अनेक विकल्प आएंगे।

धनु — आज कार्यक्षेत्र में आलस्य का अनुभव करेंगे। आपका आत्मविश्वास जागृत होगा। दूसरों के मामले में सोच-समझकर ही सलाह दें। नई स्किल सीखने में तत्पर रहेंगे। बच्चे पढ़ाई को लेकर लापरवाह हो सकते हैं।

मकर — आज आप साहित्य और सिनेमा का आनंद ले सकते हैं। बच्चे अपने करियर को लेकर थोड़े कनफ्यूज हो सकते हैं। काम की अधिकता रहेगी। कार्यक्षेत्र में अपने संसाधनों का सार्थक सदुपयोग करने के कारण आपको लाभ मिलेगा।

कुंभ — आज विदेश में रहने वाले लोगों को धन की कमी का सामना करना पड़ सकता है। राजनीतिक लोगों को अपनी छवि की चिंता रहेगी। बिना मांगी सलाह देने के कारण अपमानित होना पड़ सकता है। अपने जीवनसाथी की भावनाओं का सम्मान करें।

मीन — आज कारोबार में बड़ा लाभ मिलने की संभावना बन रही है। पैतृक व्यवसाय कर रहे लोगों की आय बढ़ेगी। कानूनी मामलों में निर्णय आपके पक्ष में आ सकता है। वैवाहिक जीवन का भरपूर आनंद लेंगे। घर की साज-सजावट का काफी ध्यान रखेंगे।

सुडोकू-171

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		1			4			
								8
				9			7	
	4							
				3				
9			1					
						6		
				7				

सुडोकू - 170 का हल

4	5	8	1	6	2	3	9	7
1	2	9	7	3	8	4	5	6
6	7	3	9	4	5	1	2	8
8	1	6	5	7	3	9	4	2
5	9	4	8	2	1	6	7	3
2	3	7	4	9	6	5	8	1
3	4	1	2	5	7	8	6	9
7	8	5	6	1	9	2	3	4
9	6	2	3	8	4	7	1	5

मुझे लगता है कि भारत की बल्लेबाजी काफी खराब थी। टेस्ट क्रिकेट के लिए जरूरी जज्बा और संयम नहीं था। कुछ अच्छी गेंदें फेंकी गई लेकिन बल्लेबाज कठिन स्पैल के लिये तैयार नहीं थे। ऐसा लगता है कि जल्दी लक्ष्य का पीछा करने की ही सोच थी जो टेस्ट मैच में अवास्तविक है।

-अनिल कुंबले

स्टेडियम

हल्द्वानी, मंगलवार 25 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

धवन व हरभजन होंगे आकर्षण का केंद्र

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन और हरभजन सिंह तथा दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज तेज गेंदबाज डेल स्टेन और ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर शेन वाटसन 26 जनवरी से चार फरवरी तक गोवा में होने वाली लीजेंड्स प्रो टी20 लीग में आकर्षण का केंद्र होंगे। आयोजकों ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क को लीग आयुक्त नियुक्त किया गया है। इस लीग में छह फ्रेंचाइजी आधारित टीम और 90 दिग्गज खिलाड़ी हिस्सा लेंगी। प्रतियोगिताओं के मुकाबलों का आयोजन 1919 स्पोर्ट्र्ज क्रिकेट स्टेडियम में किया जाएगा।

विलियम्सन की टीम में वापसी

वेलिंगटन। केन विलियम्सन को अगले महीने वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली तीन टेस्ट मैचों की शृंखला के लिए न्यूजीलैंड की 14 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। विलियम्सन जिम्बाब्वे में न्यूजीलैंड की पिछली टेस्ट शृंखला और इस सत्र में अब तक सीमित ओवरों के अधिकतर मैचों में नहीं खेल पाए थे। विलियम्सन का न्यूजीलैंड क्रिकेट के साथ सीमित अनुबंध है, जो उन्हें विदेशी लीगों में खेलने की अनुमति देता है, जबकि वे उपलब्ध होने पर न्यूजीलैंड के लिए भी खेल सकते हैं। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने कहा मैदान पर केन की क्षमता से सभी अच्छी तरह से अवगत हैं। उनकी वापसी से हमारी टेस्ट टीम को मजबूती मिलेगी।

वेई यी ने सिंदारोव को बराबरी पर रोका

पणजी। चीन के ग्रैंडमास्टर वेई यी ने सोमवार को यहां शतरंज विश्व कप फाइनल की पहली बाजी में ग्रैंडमास्टर जावोखिर सिंदारोव को बराबरी पर रोका जबकि तीसरे स्थान के मुकाबले में ग्रैंडमास्टर आंद्रे इसिपेंको ने ग्रैंडमास्टर नोदिरबेक याकुबोएव को हराया। पहली बाजी में वेई ने काले मोहरों से खेलते हुए सिंदारोव को जीत दर्ज करने के लिए जोखिम उठाने के लिए मजबूर किया। वेई ने एक समय मजबूत स्थिति बना रखी थी लेकिन सिंदारोव वापसी करने में सफल रहे और अंततः दोनों खिलाड़ी 50 चाल के बाद मुकाबले को ड्रॉ कराने के लिए राजी हो गए। तीसरे स्थान के प्ले ऑफ में इसिपेंको ने याकुबोएव को 38 चाल में हराया। कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में उनकी जगह सुनिश्चित करने के लिए अब अगली बाजी में सिर्फ ड्रॉ ही काफी होगा।

प्रांजलि ने 25 मीटर पिस्टल में स्वर्ण जीता

टोक्यो। भारतीय निशानेबाज प्रांजलि प्रशांत धूमल ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए सोमवार को यहां महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता, जो डेफलिम्पिक्स (बधिर ओलंपिक) में उनका तीसरा पदक है। इससे पहले उन्होंने अभिनव देशवाल के साथ मिश्रित पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण और महिला एयर पिस्टल में रजत पदक जीता था। महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में यूक्रेन की मोसिना हालिना ने रजत और कोरिया की जियोन जिवोन ने कांस्य पदक जीता। भारत की एक अन्य खिलाड़ी और महिलाओं की एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाली अनुया प्रसाद चौथे स्थान पर रहीं। प्रांजलि ने 600 में से 573 अंक के नए क्वालीफिकेशन विश्व रिकॉर्ड के साथ फाइनल में प्रवेश किया था। अनुया प्रसाद क्वालीफिकेशन में 569 स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहीं।

यान्सेन के सामने बल्लेबाजों का समर्पण, क्लीन स्वीप का खतरा

गुवाहाटी टेस्ट का तीसरा दिन : सिर्फ 201 रनों पर सिमट गई भारतीय पारी

सिर्फ सात रन बनाकर पैवेलियन लौटते कप्तान ऋषभ पंत। एजेंसी

गुवाहाटी, एजेंसी

कप्तान ऋषभ पंत सहित प्रमुख बल्लेबाजों के गैर जिम्मेदाराना रवैये से अपने विकेट इनाम में देने के कारण भारतीय टीम सोमवार को यहां अपनी पहली पारी में 201 रन पर सिमट गई। जिससे दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे और अंतिम टेस्ट मैच में मजबूत शिकंजा कसकर शृंखला में क्लीन स्वीप करने की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए। अपनी पहली पारी में 489 रन बनाने वाले दक्षिण अफ्रीका ने पहली पारी में 288 रन की बढ़त हासिल की। उसने भारत को फॉलोऑन देने की बजाय दूसरी पारी में बल्लेबाजी करना उचित समझा। उसने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी दूसरी पारी में बिना किसी नुकसान के 26 रन बनाए हैं और उसकी कुल बढ़त 314 रन की हो गई है।

खराब रोशनी के कारण जब तीसरे दिन का खेल समाप्त घोषित किया गया तब एडेन मार्करम 12 और रयान रिकलेटन 13 रन पर खेल रहे थे। भारत का स्कोर एक समय एक विकेट पर 95 रन था लेकिन इसके बाद उसने 27 रन के अंदर छह विकेट गंवा दिए। पिच से कभी कभार उछाल और थोड़ा टर्न मिल रहा है पर वह अभी भी बल्लेबाजी के लिए अनुकूल है लेकिन अधिकतर भारतीय बल्लेबाजों ने गलत शॉट खेल कर अपने विकेट इनाम दिए। इनमें मुख्य रूप से साई सुदर्शन, ध्रुव जुरेल और कप्तान ऋषभ पंत शामिल हैं। दक्षिण अफ्रीका की तरफ से मार्को यान्सेन सबसे सफल गेंदबाज रहे। दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी में 93 रन बनाने वाले इस तेज गेंदबाज ने 48 रन देकर छह विकेट लिए। उन्होंने अपने लंबे कद का अच्छा फायदा उठाकर भारतीय बल्लेबाजों को अपनी शॉर्ट पिच गेंदों से निशाना बनाया। ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर (64 रन देकर तीन विकेट) ने उनका अच्छा साथ दिया। मार्करम ने पांच कैच लेकर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भारतीय और बल्लेबाजों को अपने निचले क्रम के बल्लेबाज वाशिंगटन सुंदर (92 गेंद पर 48 रन) और कुलदीप यादव (134 गेंद पर 19 रन) से सीख लेनी चाहिए जिन्होंने सात विकेट 122 रन पर गिरने के बाद आठवें विकेट के लिए 72 रन जोड़े। उनकी साझेदारी टूटने के बाद भारतीय पारी सिमटने में देर नहीं लगी।

यशस्वी जायसवाल (97 गेंदों में 58 रन) ने स्ट्रोक्स से भरपूर अर्धशतक जड़ा, लेकिन हार्मर की एक गेंद ने अचानक उछाल लिया जिस पर वह गच्चा खा गए और यान्सेन को कैच दे बैठे। केएल राहुल (22) आउट होने वाले पहले बल्लेबाज थे। वह भी जायसवाल के साथ 65 रन की साझेदारी के दौरान अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे लेकिन केशव महाराज और हार्मर की दो गेंद ऐसी थी जिसने सुबह के सत्र का रुख पूरी तरह बदल दिया। पिच में ज्यादा खामियां नहीं थीं और जायसवाल के आकर्षक स्ट्रोक-प्ले ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने हार्मर की गेंद को बार-बार लेंथ से स्वीप किया और महाराज की गेंद पर काउ कॉर्नर के ऊपर से छक्का भी जड़ा। यहां तक कि राहुल भी दूसरे छोर पर सहजता से रन बटोर रहे थे लेकिन महाराज की टर्न लेती एक गेंद उनके बल्ले का बाहरी किनारा लेकर पहली स्लिप में मार्करम के हाथों में चली गई। सुदर्शन (15) की स्पिनरों के खिलाफ बैकफुट पर जाने और इस प्रक्रिया में विफल होने की कमजोरी फिर से खुलकर सामने आ गई। जैसा कि वेस्टइंडीज के खिलाफ अहमदाबाद में हुआ था, एक बार फिर वह हार्मर की गेंद को पुल करने के लिए बैकफुट पर चले गए लेकिन सही तरह से शॉट लगा पाए और रयान रिकलेटन ने मिडविकेट पर डाइव लगाकर कैच लपक दिया। जुरेल (00) को चायकाल से ठीक पहले यानसन की गेंद पर पुल करने की जरूरत नहीं थी।

कप्तान ऋषभ पंत का विकेट लेने के बाद जश्न मनाते दक्षिण अफ्रीका के मार्को यान्सेन। एजेंसी

भारत

201/10 (पहली पारी) (83.5 ओवर)

यशस्वी का यानसेन बो हार्मर	58
राहुल का मारक्रम बो महाराज	22
सुदर्शन का रिकेलटन बो हार्मर	15
जुरेल का महाराज बो यान्सेन	00
ऋषभ पंत का वेरेनबो यान्सेन	07
जडेजा का मारक्रम बो यान्सेन	06
रेड्डी का मारक्रम बो यान्सेन	10
वाशिंगटन का मार्करम बो हार्मर	48
कुलदीप का मार्करम बो यान्सेन	19
बुमराह का वेरेन बो यान्सेन	05
मोहम्मद सिराज नाबाद	02

गेंदबाजी : यानसेन 19 .5–5–48–6, मुल्डर 10–5–14–0, महाराज 15–1–39–1, हार्मर 27–6–64–3, मार्करम 10–1–26–0, मुथुसामी 2–0–2–0

दक्षिण अफ्रीका

26/0 (दूसरी पारी) (8 ओवर)

- रेयान रिकेल्टन नाबाद 13
- ऐडन मारक्रम नाबाद 12

गेंदबाजी : बुमराह 3–0–13–0, सिराज 3–1–8–0, जडेजा 1–0–2–0, कुलदीप 1–0–2–0

पंत अगर सही शॉट खेलता तो अलग बात होती : यान्सेन

ऋषभ पंत को मार्को यान्सेन के खिलाफ खराब शॉट चयन के लिए काफी आलोचना झेलनी पड़ रही है, लेकिन दक्षिण अफ्रीका के इस तेज गेंदबाज का मानना है कि अगर इस स्टार विकेटकीपर ने सही शॉट खेला होता तो शायद इस तरह की बात नहीं हो रही होती। पंत ने यान्सेन के खिलाफ तब जोखिम उठाया जब भारतीय टीम 102 रन पर चार विकेट गंवाने के बाद संकट में थी। यान्सेन ने शॉर्ट गेंद फेंकी जो पंत के शरीर की तरह आई और उनके बल्ले का किनारा लेकर विकेटकीपर के दस्तानों में चली गई। यानसेन को एहसास हो गया था कि ना तो हवा से मदद मिल रही है और ना ही सतह से मूवमेंट मिल रही है।

कई बार आप योजनाओं को सही तरह से लागू नहीं कर पाते : वॉशिंगटन

गुवाहाटी, एजेंसी

वॉशिंगटन सुंदर और मार्को यान्सेन में सोमवार को एक बात समान थी। दोनों का मानना है कि ऋषभ पंत की रणनीति अच्छी थी लेकिन उसे लागू करने में थोड़ी कमी रही। भारत के कार्यवाहक कप्तान पंत जब सात रन बनाकर खेल रहे थे तब यान्सेन की शॉर्ट गेंद पर विकेटकीपर को कैच दे बैठे जो तीसरे दिन के खेल के दौरान चर्चा का विषय बना रहा।

इससे पहले ध्रुव जुरेल ने भी इसी तेज गेंदबाज के खिलाफ गैरजरूरी पुल शॉट खेलकर मिड ऑन पर कैच थमाया। समान सवाल पर यान्सेन जैसा ही जवाब देते हुए वॉशिंगटन ने कहा किसी और दिन गेंद स्टैंड में चली जाती और हम सब तारीफ करते और ताली बजाते। ऐसा ही होता है। कभी-कभी आपको उनकी योजना और कौशल का समर्थन करना होता है। उन्होंने कहा यह देखते हुए कि उन्होंने पहले भी बहुत सारे उदारहण पेश किए हैं। मुझे लगता है कि यह सिर्फ उनके कौशल का समर्थन करने के बारे में है। जाहिर है कि योजना को उस तरह लागू नहीं किया जा सकता जिस तरह हम चाहते थे। भारत के बड़ा स्कोर बनाने में नाकाम रहने के बावजूद वॉशिंगटन ने कहा कि पिच बल्लेबाजी के लिए अच्छी है। उन्होंने कहा यह बहुत अच्छा विकेट है। आपको इस तरह के विकेट पर अधिक बल्लेबाजी करने को नहीं मिलती, विशेषकर भारत में। सच कहूं तो यह एक जीवंत विकेट है। अगर आप क्रीज पर समय बिताओगे तो रन बनाओगे।

वॉशिंगटर का यह जवाब ध्रुव जुरेल और पंत को शायद पसंद नहीं आए जो खराब शॉट खेलकर आउट हुए। उन्होंने इस बात से भी इनकार किया कि जब यानसेन गेंदबाजी कर रहे थे तो असमान उछाल था। वाशिंगटन ने कहा बिल्कुल भी असमान उछाल नहीं था। जाहिर है वह सबसे लंबा है और उसे गुड लेंथ पर थोड़ा तेज उछाल मिलता है। हम ऐसे गेंदबाजों के खिलाफ काफी खेले हैं। उन्होंने कहा बस किसी और दिन हम उन्हीं गेंदों पर बहुत बेहतर बल्लेबाजी करते तो चीजें बिल्कुल अलग होतीं।

वॉशिंगटन ने अपनी बल्लेबाजी से प्रभावित किया है। पिछले टेस्ट में वह तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे जबकि यहां आठवें नंबर खेलते हुए वह सबसे सहज नजर आए। यह पूछने पर कि क्या क्रम बदलने से असहज होते हैं, वॉशिंगटन ने कहा बिल्कुल नहीं। सच कहूं तो मैं ऐसा क्रिकेटर बनना चाहता हूं जो टीम की जरूरत के हिसाब से आगे आए और जहां भी टीम चाहे वहां बल्लेबाजी और गेंदबाजी करे। मुझे तैयार रहना होगा और टीम के लिए काम करना होगा। मेरी मानसिकता ऐसी ही है। उन्होंने कहा मैं चाहे किसी भी स्थिति में रहूं। मुझे अलग-अलग भूमिका भी निभाने को मिलती है। मुझे नहीं लगता कि बहुत लोगों को यह मौका मिलता है इसलिए यह सिर्फ रोमांचक है।

भारत ने ढाका में महिला कबड्डी विश्व कप जीता

ढाका। भारतीय महिला कबड्डी टीम ने सोमवार को चीनी ताइपै को 35 . 28 से हराकर लगातार दूसरा विश्व कप खिताब जीत लिया। भारत 11 देशों के टूर्नामेंट में शीर्ष पर रहा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने टीम को बधाई देते हुए एक्स पर लिखा भारतीय महिला कबड्डी टीम को विश्व कप 2025 जीतकर देश को गौरवान्वित करने के लिये बधाई।

उन्होंने जबर्दस्त कौशल, प्रतिबद्धता और दृढ़ता का प्रदर्शन किया। उनकी जीत से अनगिनत युवाओं को कबड्डी खेलने, बड़े सपने देखने और ऊंचे लक्ष्य तय करने की प्रेरणा मिलेगी। भारत ने सेमीफाइनल में ईरान को 33-21 से हराया था। दूसरी ओर चीनी ताइपै ने बांग्लादेश को 25-18 से मात दी थी।

गृहमंत्री अमित शाह ने टीम को बधाई देते हुए एक्स पर लिखा हमारी महिला कबड्डी टीम ने इतिहास रचाा जो गर्व का पल है। पूरी टीम को महिला कबड्डी विश्व कप जीतने पर बधाई। आपकी शानदार जीत ने फिर साबित कर दिया कि भारत की खेल प्रतिभायें शिखर पर क्यो हैं। भविष्य के लिये शुभकामनाए।

पीएम मोदी ने दृष्टिबाधित महिला टीम की सराहना की

नई दिल्ली, एजेंसी

- **पहला टी-20 विश्व कप जीतकर भारत का नाम किया रौशन**

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय दृष्टिबाधित महिला क्रिकेट टीम को पहला टी-20 विश्व कप जीतने पर बधाई देते हुए सोमवार को कहा कि यह जीत टीम वर्क और दृढ़ संकल्प का शानदार उदाहरण है।

भारत ने रविवार को कोलंबो के पी सारा ओवल में खेले गए फाइनल में नेपाल को सात विकेट से हराकर टूर्नामेंट जीता। भारत ने पहले गेंदबाजी करते हुए नेपाल को पांच विकेट पर 114 रन पर रोक दिया और फिर 12 ओवर में तीन विकेट पर 117 रन बनाकर खिताब अपने नाम किया।

मोदी ने अपने एक्स पेज पर लिखा पहला दृष्टिबाधित महिला टी-20 विश्व कप जीतकर इतिहास रचने के लिए भारतीय दृष्टिबाधित महिला क्रिकेट टीम को बधाई। इससे भी अधिक सराहनीय बात यह है कि वे टूर्नामेंट में अजेय रहीं।

उन्होंने कहा यह वास्तव में एक ऐतिहासिक खेल उपलब्धि है। यह कड़ी मेहनत, टीम वर्क और दृढ़ संकल्प का शानदार उदाहरण है। प्रत्येक खिलाड़ी एक चैंपियन है। टीम को भविष्य के लिए मेरी शुभकामनाएं। उसकी यह उपलब्धि आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगी।

श्रीकांत व प्रणय की नजरें सैयद मोदी इंटरनेशनल में वापसी पर

लखनऊ, एजेंसी

सीनियर बैडमिंटन खिलाड़ी किदाम्बी श्रीकांत और एचएस प्रणय इस सत्र का अंत जीत के साथ करना चाहेंगे लेकिन उन्हें मंगलवार से यहां शुरू हो रहे सैयद मोदी अंतर्राष्ट्रीय सुपर 300 टूर्नामेंट में युवा खिलाड़ियों की कड़ी चुनौती का सामना करना होगा जो शीर्ष खिलाड़ियों के खिलाफ खुद को परखने के लिए तैयार हैं।

इस 240,000 डॉलर इनामी प्रतियोगिता की चमक भी कुछ कम हो गई है, क्योंकि अमेरिकी ओपन चैंपियन आयुष शेट्टी ने हाल ही में ऑस्ट्रेलियाई ओपन में भाग लेने के बाद अंतिम समय में इस प्रतियोगिता से अपना नाम वापस ले लिया। पूर्व चैंपियन श्रीकांत को मलेशिया मास्टर्स में उपविजेता बनकर नई ऊर्जा मिली थी, लेकिन वह उस लय को बरकरार नहीं रख पाए। अब घरेलू धरती पर होने वाले टूर्नामेंट से उन्हें साल का अंत सकारात्मक तरीके से करने का एक और मौका मिलेगा। प्रणय भी जीत हासिल करने के लिए बेताब हैं। उन्होंने हाल में जापान मास्टर्स और ऑस्ट्रेलियाई ओपन में भाग लिया था लेकिन वहां अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए थे। वह अब घरेलू दर्शकों के सामने अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध होंगे। पांचवीं वरीयता प्राप्त श्रीकांत का पहला मुकाबला मीराबा लुवांग मैसनाम से जबकि तीसरी वरीयता प्राप्त प्रणय का सामना पहले दौर में कविन थंगम से होगा। सभी की निगाहें छठे वरीय थारुण मन्नेपल्ली पर भी होंगी, जो सतीश कुमार करुणाकरण से भिड़ेंगे, जबकि एस शंकर मुथुसामी सुब्रमण्यम भी मनराज सिंह के खिलाफ अपने पहले मैच में अच्छा प्रदर्शन करना चाहेंगे। मिथुन मंजूनाथ का मुकाबला कजाकिस्तान के दिमित्री पानारिन से होगा।

मेदवेदेव और बोपन्ना डब्ल्यूटीएल में एक ही टीम में

बेंगलुरु। रूस के स्टार खिलाड़ी दानिल मेदवेदेव और अनुभवी भारतीय रोहन बोपन्ना 17 से 20 दिसंबर तक यहां होने वाली विश्व टेनिस लीग (डब्ल्यूटीएल) के लिए एक ही टीम में खेलेंगे जबकि सुमित नागल उस टीम का हिस्सा हैं जिसमें दुनिया के पूर्व नंबर छह खिलाड़ी गेल मोनफिल्स शामिल हैं।

निक किर्गियोस और कनाडा के स्टार डेनिस शापोवालोव भी चार टीम की इस फ्रेंचाइजी आधारित प्रतियोगिता में आकर्षण का केंद्र होंगे। एसएम कृष्णा टेनिस स्टेडियम में होने वाले 2025 सत्र में चार टीम में 16 अंतरराष्ट्रीय और भारतीय खिलाड़ी शामिल होंगे। यह टूर्नामेंट तीन सत्र के बाद पहली बार यूएई के बाहर आयोजित हो रहा है।

साक्षात्कार | ओलंपिक पदक विजेता बैडमिंटन खिलाड़ी ने प्रदर्शन में निरंतरता लाने के दिए टिप्स

खिलाड़ियों की फिटनेस बेहतर होनी चाहिए : साइना

नई दिल्ली, एजेंसी

ओलंपिक पदक विजेता बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल ने भारतीय खिलाड़ियों को अंतर्राष्ट्रीय बैडमिंटन की मांगों पर खरा उतरने और प्रदर्शन में निरंतरता लाने के लिए अपनी शारीरिक फिटनेस बेहतर करने की सलाह दी है। लंदन ओलंपिक 2012 की कांस्य पदक विजेता साइना ने पीटीआई से बातचीत में बताया कि मौजूदा पीढ़ी के लिये चोटें आम बात हो गई है और महिला एकल खिलाड़ियों की नयी जमात में आक्रामकता का अभाव है।

लीजैंड्स विजन लीगेसी टूर इंडिया के लिये शहर में आई साइना ने कहा हमें प्रदर्शन में निरंतरता लानी होगी। हमे सात्विक . चिराग, लक्ष्य या सिंधू या आने वाले खिलाड़ियों से लगातार अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। हमे नतीजे चाहिये। उन्होंने कहा उन्हें अच्छे ट्रेनर और फिजियो देखने चाहिए। अगर शरीर सौ फीसदी फिट है तो कोचिंग कठिन नहीं है। लगातार खिताब जीतने के लिये शरीर को मजबूत बनाने की कवायद में अधिक ट्रेनर और फिजियो पर फोकस करना होगा। साइना ने कहा विक्टर एक्सेलसेन ने यही किया और कैरोलिना मारिन ने भी। मानसिक तैयारी तो सभी की अच्छी होती है लेकिन शारीरिक तौर पर और बेहतर होने की जरूरत है। लक्ष्य सेन ने 2025 सत्र में पहला खिताब जीता जब उन्होंने आस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 फाइनल में जापान के युशी तनाका को हराया।

साइना ने कहा जीत तो जीत है जिससे आत्मविश्वास बढ़ता है। उसने इस टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन किया है। यह अच्छा संकेत है कि वह फॉर्म में लौट रहा है। उन्होंने कहा उसने ओलंपिक में अच्छा खेला था और यहां भी।

लक्ष्य सेन हैं सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी

खिलाड़ी के तौर पर प्रशंसा और आलोचना दोनों का सामना करना पड़ता ही है। वह शीर्ष स्तर पर है और उससे लगातार जीत की अपेक्षा रहती है। वह इस समय हमारा सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी है लिहाजा अतिरिक्त दबाव है लेकिन वह अच्छा खेल रहा है। साइना और पी वी सिंधू ने कम उम्र से ही अंतर्राष्ट्रीय खिताब जीतने शुरू कर दिये थे लेकिन महिला वर्ग में मौजूदा पीढी की खिलाड़ी उस तरह का प्रभाव नहीं छोड़ पाई है। साइना ने कहा शायद इस पीढी में आक्रामकता कम है। मैं और सिंधू अधिक आक्रामक और ताकतवर थे।